Yugal Madhuri (Hindi)

प्रकाशकीय

ब्रजरस से ओतप्रोत 'युगल माधुरी' श्यामा-श्याम संकीर्तन संग्रह है। ब्रजरसिकों ने जिस श्री राधा-कृष्ण प्रेम माधुरी का वर्णन अपने साहित्य में किया है उसी दिव्य प्रेम रस को श्री महाराज जी ने अपने कीर्तनों में पूर्ण रूपेण समाविष्ट कर दिया है जिसका श्रवण, मनन व कीर्तन भावुक भक्तों के हृदयों को श्यामा-श्याम की प्रेम रस माधुरी से परिप्लुत कर देता है। इस पुस्तक की विशेषता यह है कि संकीर्तनों में ब्रजरस का सिद्धान्त पक्ष भी है और लीला पक्ष भी है। श्री कृष्ण तत्व, श्री राधा तत्व, भक्ति तत्व तथा गुरुतत्व जैसे गंभीर विषयों का निरूपण अत्यधिक सरसता से किया गया है।

— राधा गोविंद समिति

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

युगल माधुरी

श्रीमत्पदवाक्यप्रमाणपारावारीण,
वेदमार्गप्रतिष्ठापनाचार्य, निखिलदर्शन समन्वयाचार्य,
सनातनवैदिकधर्मप्रतिष्ठापनसत्संप्रदायपरमाचार्य,
भक्तियोगरसावतार, भगवदनन्त श्रीविभूषित

जगद्गुरु १००८

स्वामि श्री कृपालु जी महाराज

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जगद्गुरु कृपालु परिषत्

जगद्गुरु कृपालु परिषत्

ISBN : 978-81-9096-618-4

प्रथम संस्करण : 1999
पांचवाँ संस्करण : गीता जयन्ती, 28 नवम्बर 2009

सर्वाधिकार सुरक्षित © 2009
राधा गोविंद समिति, नई दिल्ली
इस प्रकाशन का कोई भी भाग पूर्ण या आंशिक रूप से किसी भी रूप में इलैक्ट्रानिक, यांत्रिक, फोटोग्राफिक अभिलेखन अथवा अन्य किसी भी प्रकार से प्रतिलिपि अथवा प्रसारित न किया जाय।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्रकाशक:

राधा गोविंद समिति

गोलोक धाम, एच. ए. एफ. (बी), पार्ट-1, सैक्टर-10, द्वारका, नई दिल्ली-110075 ● फोन: 011-25081088
e-mail: rgs108del@yahoo.com

प्राक्कथन

हरेर्नामैव नामैव नामैव मम जीवनम्।
कलौ नास्त्येव नास्त्येव नास्त्येव गतिरन्यथा॥

कलियुग में भगवन्नाम, गुण, लीलादि संकीर्तन ही भगवत्प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है। 'युगल माधुरी' दिव्य युगल श्री राधा कृष्ण के नाम, गुणादि से सम्बन्धित संकीर्तनों का संग्रह है। भुक्ति एवं मुक्ति की कामनाओं से रहित होकर, हरि गुरु का रूपध्यान करते हुये, उनसे अत्यन्त दीनतापूर्वक, रोकर, दिव्य प्रेम की याचना करने से ही अंतःकरण शुद्ध होगा। तब गुरु-कृपा से दिव्य प्रेम की प्राप्ति होगी, जिससे श्री राधा-कृष्ण की नित्य सेवा का अधिकारी बन कर जीव सदा-सदा के लिये कृतार्थ हो जायगा। उसी लक्ष्य को लेकर ये सब संकीर्तन बनाये गये हैं।

जगद्गुरु कृपालु महाराज

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अनुक्रमणिका

क्रम सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृष्ठ संख्या
1	आजा आजा आजा बरसाने वारी राधे	61
2	आजा आजा आजा बरसाने वारी आजा	45
3	कृपा करु कृपा करु कृपा करु राधे	45
4	गुरुदेव शरण में आई,	1
5	जयति गुरुवर जयति गुरुवर,	2
6	जय जय जय सद्‌गुरु बलिहार	6
7	जय नँदनंदन सुखधाम हरे	11
8	जपैं नँदनंदन राधे राधे राधे राधे	102
9	जय जय जय भानुदुलार की	80
10	जय राधे जय राधे राधे	128
11	जय राधे जय राधे राधे	138
12	जय जय जय जय बरसाने वारी राधे	76
13	जय जय कुंज विहारिणि राधे	212
14	जय जय रस खानी सुख दानी	139

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

क्रम सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृष्ठ संख्या
15	जोइ वृषभानुनन्दिनी राधे	63
16	जोई नँदनंदन जग वन्दन	18
17	तू ही मेरी मैं भी तेरी मेरी प्यारी राधे	123
18	तेरो जीवनधन राधारमन मन	44
19	नथवारी रँगीली महल वारी	81
20	नथवारी पर वारी बनवारी	127
21	नाचे नँदनंदन थेई थेई थेई थेई	27
22	नीको लागे मोको तो दिव्य ब्रज धाम	143
23	नंदनंदन नंदनंदन नंदनंदन पाहिमाम्	210
24	प्यारी लागे प्यारी छवि प्यारी	86
25	पाहि मां श्यामा श्याम	139
26	प्रेम अनिर्वचनीय कहाय	8
27	बलिहार गौर सरकार	112
28	मन मोहे मनमोहन घनश्याम	30
29	मम प्रियतम सुंदर श्याम,	160
30	माँ कृपा करु माँ कृपा करु राधे	220
31	मेरी राधारानी मेरी राधारानी	126
32	मेरी राधे मेरी राधे प्रेम अगाधे	89
33	मेरी बरसाने वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी	120

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

क्रम सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृष्ठ संख्या
34	मेरे एक तुम, मेरे एक तुम,	12
35	मेरे दोउ ठाकुर श्यामा श्याम	161
36	मेरो प्रियतम कुंज बिहारी	43
37	मैं तो प्यारी जू की प्यारी छवि पर वारी	97
38	मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो हूँ परनारी	38
39	युगलवर छवि लखि गई बलिहार	142
40	रति रस सागर सब गुन आगर	42
41	राधा मेरी प्रान प्रान राधावल्लभ प्रान	174
42	राधारानी मेरी राधारानी मेरी राधारानी	137
43	राधे गोविन्द गोविन्द राधे राधे राधे	177
44	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	108
45	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	192
46	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	203
47	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	205
48	राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे	210
49	राधे राधे गोविन्दा राधे राधे गोविन्दा	206
50	राधे राधे गोविन्दा भजो राधे राधे गोविन्दा	207
51	राधे राधे राधे राधे राधे राधे राधे	111
52	राधे राधे राधे राधे राधे राधे राधे	114

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

क्रम सं.	ध्रुव-पंक्ति	पृष्ठ संख्या
53	राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे	50
54	राधे रानी राधे रानी राधे रानी राधे रानी	130
55	राधे राधे श्री राधे राधे राधे	131
56	राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे	211
57	वारी वारी प्यारी छवि वारी बनवारी	34
58	श्याम मेरे श्याम मेरे, श्याम मेरे प्यारे	16
59	श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा	214
60	श्यामा श्याम स्वामिनि सेवक श्याम	194
61	साधना करु साधना करु साधना करु प्यारे	214
62	सुनहु साधक सुनहु साधक	217
63	हमारी राधे जू हमारी राधे जू	123
64	हरि गुरु हैं समान, वेद वाणी है प्रमान	7

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जगद्गुरु-आदेश

श्रीकृष्ण का माधुर्य-भाव युक्त निष्काम प्रेम प्राप्त कर, उन की नित्य सेवा ही तुम्हारा लक्ष्य है।

वह दिव्य निष्काम प्रेम, गुरुकृपा द्वारा अंतःकरण-शुद्धि होने पर ही प्राप्त होगा।

वह अंतःकरण शुद्धि, गुरु द्वारा निर्दिष्ट साधना द्वारा ही संभव है।

साधना - श्री राधाकृष्ण का रूपध्यान करते हुये (स्वेच्छा से बनाये हुये रूप मे दिव्य-भावना रखना है) रो कर उनके नाम गुण लीलादि का संकीर्तन करो।

सदा श्रीकृष्ण को अपने साथ ही मानो।

मोक्ष पर्यंत की कामना छोड़ कर, केवल दिव्य शुद्ध प्रेम की कामना से ही प्रेम करो।

"वे ही मेरे हैं," इस भावना को निरंतर दृढ़ करो, एवं श्याममिलन की परम-व्याकुलता पैदा करो।

परदोष दर्शनादि कुसंगों से बचो।

मानव देह का प्रत्येक क्षण अमूल्य मानो।

— मैं सदा तुम्हारा सहायक हूँ — तुम्हारा कृपालु

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

— श्री गुरवे नमः —

गौर नागरिहिं श्याम रस,
श्याम नागरिहिं गौर ।
नागरिहूँ रस की बनी,
अस दोउ रस सिरमौर ॥
श्री गुरु चरण शरण गहु,
भज श्री युगल किशोर ।
तव कृपालु हरि कृपा ते,
मिलइ प्रेम चितचोर ॥

कृपालु

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

1

(लाखों महफिल...)

गुरुदेव शरण में आई, अब तो लो मोहिँ अपनाई।
कछु भेंट संग नहिँ लाई, खाली झोली लै आई।
अँसुवन माला लै आई, दो बिगरी मोरि बनाई।
मोहिँ भुक्ति मुक्ति नहिँ भाई, चह युगल चरण शरणाई।
लख चौरासी चलि आई, कहुँ पलहूँ कल नहिं पाई।
माया ने हरि बिसराई, गुरुवर ने याद दिलाई।
माया ने मार लगाई, गुरुवर ने कण्ठ लगाई।
माया ने प्यास बढ़ाई, गुरुवर ने प्यास बुझाई।
भवसागर थाह न पाई, गुरु ने भवसिंधु सुखाई।
शरणागति राह दिखाई, गुरुवर पर बलि बलि जाई।
जग जनमि जनमि दुख पाई, अब गुरु की लइ शरणाई।
तू जा 'कृपालु' शरणाई, हरि परखत भुज फैलाई।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

2

जयति गुरुवर जयति गुरुवर, जयति गुरुवर प्यारे।
तू ही ब्रह्मा तू ही विष्णु, तू ही शंकर प्यारे।
तेरे पाछे चलत नटवर, चहत पदरज प्यारे।
हरिहिं भावें शुद्ध जन तोहिं, पतित भावें प्यारे।
तू तो अशरण शरण मोहूँ, शरण ले ले प्यारे।
मैं हूँ श्रद्धाहीन मो सिर, धरहु निज कर प्यारे।
तू करावे ज्ञान हरि को, श्रुति पुरानन प्यारे।
तू बतावे हरि मिलन की, साधना भी प्यारे।
तू जो हो अनुकूल तो हरि, भाजे आवें प्यारे।
शुद्ध मन हो जाय तो तू, प्रेम भी दे प्यारे।
कहत नारद भक्ति दर्शन, एक हरि गुरु प्यारे।
भक्ति जस हरि की करहु तस, भक्ति करु गुरु प्यारे।
गुरु मिलें तो हरि मिलें, नहिं, भेद हरि गुरु प्यारे।
गुरुहिं हरि भज हरिहिं गुरु भज, भेद नहिं दोउ प्यारे।
गुरु के उर रह हरि हरिहुँ के, रहत उर गुरु प्यारे।
संत कह भगवान ते भी, हैं बड़े गुरु प्यारे।
गुरु न कर कछु कर्म गुरु को, कर्म कर हरि प्यारे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

गुरु को हरि का रूप मानहु, मानु नर नहिं प्यारे।
गुरु को तनु जनि देख मन तू , देखु मन गुरु प्यारे।
सत्य श्रद्धा सत्य सद्‌गुरु, सत्य फल मिल प्यारे।
गुरुहिं ऋण ते उऋण नहिं कोउ, प्राणहूँ दै प्यारे।
कहत हरि जो भक्त मेरे, भक्त नहिं मम प्यारे।
भक्त के जो भक्त हैं वे, प्राण सम मम प्यारे।
भक्त प्रति अपराध कर जो, सहि सकैं नहिं प्यारे।
हरिहुँ ते पूरव करहु मन, गुरुहिं वंदन प्यारे।
हो सदा को धन्य जो हो, शरण तेरी प्यारे।
तेरी अनुकम्पा बिना कोउ, भक्ति पाव न प्यारे।
हरि हैं सबके प्राण गुरु हैं, प्राणहूँ ते प्यारे।
ज्ञान दें अज्ञान नासें, सोई गुरुवर प्यारे।
ब्रह्म माया जीव का दें, ज्ञान गुरुवर प्यारे।
'रौति गुं इति, गुरुः' तम को, दूर कर गुरु प्यारे।
रौति गुं अज्ञान नासै, सोई गुरु कह प्यारे।
तीन गुण ते जो परे कर, सोई गुरुवर प्यारे।
तीन तापन को मिटा दे, सोई गुरुवर प्यारे।
तीन तनु ते जो छुड़ा दे, सोई गुरुवर प्यारे।
पंचक्लेशन जो मिटा दे, सोई गुरुवर प्यारे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पंचकोशन जो जला दे, सोई गुरुवर प्यारे।
प्रेम दे माया भगा दे, सोई गुरुवर प्यारे।
हरि कृपा ते मिलहिं गुरुवर, शास्त्र कह अस प्यारे।
गुरु कृपा ते मिलहिं हरि अस, कह पुरानन प्यारे।
जो चहहु हरि की कृपा तो, गुरु शरण गहु प्यारे।
भुक्ति मुक्ति कामना तजि, शरण जा गुरु प्यारे।
गुरु को सुख चाहहु, न चाहहु, आपुनो सुख प्यारे।
ध्यान करु आँसू बहा गहु, शरण गुरुवर प्यारे।
गुरु की आज्ञा मानना ही, गुरु की सेवा प्यारे।
रूठे हरि तो गुरु क्षमा कर, शास्त्र कह अस प्यारे।
रूठे गुरु तो हरि क्षमा नहिं, करि सकत टुक प्यारे।
पतित प्रिय गुरु, भक्त प्रिय हरि, भेद है बड़ प्यारे।
शास्त्र ज्ञाता भी हो गुरु अरु, भक्त भी हो प्यारे।
अष्ट सात्विक भाव जेहि तनु, भक्त है सोइ प्यारे।
होके श्रद्धायुक्त गुरु की, शरण जाओ प्यारे।
भाव हो माधुर्य हरि सों, श्याम सुख चह प्यारे।
भक्ति हो रागानुगा अरु, कामना तजु प्यारे।
रति समर्था धारि उर महँ, साधना करु प्यारे।
ध्यान श्यामा श्याम को करि, करहु कीर्तन प्यारे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मिलन व्याकुलता बढ़ाओ, चाहो पिय सुख प्यारे।
नाम अपराधों ते बचकर, भजन कर मन प्यारे।
खाते-पीते चलते-फिरते, स्मरण करु हरि प्यारे।
सर्वदा सर्वत्र ही करु, प्रेम हरि सों प्यारे।
श्वास का विश्वास जनि करु, भजन करु द्रुत प्यारे।
करिहौं करिहौं कहत बीते, जन्म अगनित प्यारे।
ध्यान हरि गुरु को करहु यह, प्राण साधन प्यारे।
वेद कह हरि आठ गुण तेहि, दें गुरुहिं हरि प्यारे।
सृष्टि आदिक कर्म हरि कर, गुरुहिं ना दें प्यारे।
जीव का चित शुद्ध कर गुरु, हरि ते गुरु अति प्यारे।
भक्ति करु सासंग जामें, हरि स्मरण हो प्यारे।
कर्म ज्ञानादिक रहित हो, भक्ति शुद्धा प्यारे।
प्यार हरि गुरु में ही कर मन, और कहुँ नहिं प्यारे।
जो बढ़े क्षण क्षण में सोई, प्रेम जानहु प्यारे।
प्रेम बाढ़ै चन्द्र सम पै, 'पूर्णिमा' नहिं प्यारे।
प्रेमवश रह हरिहुँ हरि ते, प्रेम बड़ है प्यारे।
शक्ति ह्लादिनि सार जो है, प्रेम सो है प्यारे।
प्रेम तो है दिव्य तेहि चह, दिव्य मन ही प्यारे।
सूर्य सम है प्रेम तम सम, कामना है प्यारे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

कामना अरु प्रेम इक सँग, रहि सकत नहिं प्यारे।
देना देना सीखना है, प्रेम जो चह प्यारे।
दो विरोधी कर्म तेरे, बुद्धि पर है प्यारे।
बिनु कृपा तव कौन जाने, तेरी महिमा प्यारे।
गुरु कृपा करु बसहु उर पुर, अज्ञता हर प्यारे।
हरि 'कृपालु' हों तभी जब, कर कृपा गुरु प्यारे।

3

(रघुपति राघव...)

जय जय जय सद्गुरु बलिहार,
जय जय श्याम गौर सरकार।
तुम हो कृपा रूप साकार,
पुनि क्यों उर निष्ठुरता धार।
हौं नहिं चहत पदारथ चार,
बारेक अपनो मानि निहार।
हौं तो हौं पतितन सरदार,
तुम 'कृपालु' निज ओर निहार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

4

(गोपाल राधे कृष्ण गोविन्द...)

हरि गुरु हैं समान, वेद वाणी है प्रमान।
'यस्य देवे परा भक्तिः' , यह मंत्र धरु ध्यान।
हरि में ही रह गुरु, गुरु में ही हरि जान।
हरि का ही दास गुरु, गुरु दास हरि जान।
हरि कृपा मिले गुरु, गुरु कृपा हरि जान।
हरि प्राण गुरु जान, गुरु प्राण हरि मान।
'एष वै भगवान्', कह भागवत मान।
'तस्मिंस्तज्जने' सूत्र, नारद बखान।
हरि तो है परोक्ष, प्रत्यक्ष गुरु जान।
जीव को तो दे प्रथम, गुरु ही तत्व ज्ञान।
गुरु साधना करावे, करे दिव्य प्रेमदान।
याते हरि गुरु दोनों कह, गुरु है महान।
बिनु हरि भक्ति भी हो, गुरु भक्ति तत्व जान।
हरि भक्ति तो 'कृपालु' बिनु, गुरु हो न जान॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

5

(नीको लागे...)

प्रेम अनिर्वचनीय कहाय।
प्रेम दिव्य मन बुधि न समाय।
ब्रह्म शक्ति अगनित बतलाय।
वामें प्रमुख तीन बतलाय।
जो सत चित आनंद कहाय।
आनँद सार ह्लादिनी आय।
ह्लादिनि सर्वश्रेष्ठ कहलाय।
याते ब्रह्म सदा सुख पाय।
ह्लादिनि सार प्रेम कहलाय।
प्रेम अधीन रहत बलभाय।
प्रेम स्वरूप सूक्ष्म बतलाय।
प्रेम कामना-हीन कहाय।
भुक्ति मुक्ति द्वै काम बताय।
प्रेम गुणों ते रहित कहाय।
प्रेम क्षणहिं क्षण बाढ़त जाय।
प्रेम करोरन महँ कोउ पाय।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्रेम मूक ज्यों स्वाद बताय।
अनुभव रूप प्रेम कहलाय।
प्रेम कर्म ते रहित बताय।
प्रेम योग ते रहित बताय।
प्रेम ज्ञान ते रहित बताय।
प्रेम सदैव स्वतंत्र बताय।
प्रेम अधीन ज्ञान बतलाय।
प्रेम अकारण रसिक बताय।
प्रेम प्रेम हित भक्त बताय।
प्रेम श्याम सुख हित बतलाय।
देना देना प्रेम कहाय।
लेना लेना काम कहाय।
ले दे सो व्यापार कहाय।
प्रेम दिव्य जनु सूर्य बताय।
काम घोर तम जनु बतलाय।
चार भाव युत प्रेम कहाय।
एक दास्य इक सख्य कहाय।
एक भाव वात्सल्य कहाय।
अंतिम मधुर भाव कहलाय।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मधुर भाव सर्वोच्च बताय।
यामें चारिहुँ भाव समाय।
मधुर भाव भी तीन बताय।
इक रति साधारणी बताय।
यह रति कुब्जादिक की आय।
यामें निज सुख ही बतलाय।
समंजसा इक रति कहलाय।
यह रति महिषी गण की आय।
यामें निज सुख पिय सुख आय।
एक समर्था रति कहलाय।
यह रति गोपी जन की आय।
यामें केवल पिय सुख भाय।
यही प्रेम अंतिम कहलाय।
यही जीव का लक्ष्य बताय।
जो गुरु गोपी प्रेमहिँ पाय।
प्रेम 'कृपालु' कृपा ते हि पाय॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे राधे राधे राधे राधे

6

जय नँदनंदन सुखधाम हरे,
गोपी जन वल्लभ श्याम हरे।
जय जीवन धन ब्रजबाम हरे,
विहरत वृन्दावन धाम हरे।
जय ललितादिक ब्रजबाम हरे,
सँग मनसुख अरु श्रीदाम हरे।
जय कोटि काम अभिराम हरे,
रस बरसावत ब्रजधाम हरे।
जय सुषमा सींव ललाम हरे,
विधि हरि हर वंदित पाम हरे।
जय नंद यशोमति बाम हरे,
चेरे 'कृपालु' बिनु दाम हरे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

7

मेरे एक तुम, मेरे एक तुम, मेरे एक तुम माधव।
मैं भी तो तव, मैं भी तो तव, मैं भी तो तव माधव।
हौं न चह बैकुण्ठ नहिं चह, भुक्ति मुक्तिहुँ माधव।
भक्ति चह अनपायिनी अरु, सेवा चह तव माधव।
माना मैं अति पतित तुम भी, पतित-पावन माधव।
मैं न भूलूँ तोहिं तुमहूँ, भूलो जनि मोहिं माधव।
तुम भुला दो मोहिं भल हौं, तोहिं न भूलूँ माधव।
तेरी दासी का है सुत मन, वाय मोहहु माधव।
तुच्छ मन नहिं मोह सक कत, मदनमोहन माधव।
मोहिं मोहहु या बदल दो, नाम मोहन माधव।
तोरा पाछा अब न छोड़ूँ, चाहे जो हो माधव।
प्यार करु या मारु हौं नहिं, तोहिं तजिहौं माधव।
और जो हो ठौर पतितन, हित बता दो माधव।
दान ते धन बढ़त याते, प्रेम दे दो माधव।
तुम तो थे बिनु हेतु दाता, कृपण क्यों भये माधव।
क्या मेरे पापों ते डर गये, पतित-पावन माधव।
मुझ पतित ने नाम दिये तोहिं, पतित पावन माधव।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मोहिं अपनो सोच नहिं कछु, सोच तुम्हरो माधव।
बेर जो करिहौ तो सब जग, निठुर कहिहँहिं माधव।
मैं हठी हूँ एक दिन तोहिं, आना होगा माधव।
जो न आना हो तो आके, साफ कह दो माधव।
जो न आवो तो मुरलि धुनि, ही सुना दो माधव।
आ न आ वह वेदना दो, जो दी गोपिन माधव।
रोना दे दो मोहिं तुम लो, मुस्कुराना माधव।
मोसों तोसों नात अगनित, मानु कोउ इक माधव।
तुमहि स्वामी तुम सखा हो, तुमहि सुत पति माधव।
तुमहि माता, तुम पिता हो, तुमहि भ्राता माधव।
बुद्धि माने, मन न माने, तू ही मनवा माधव।
तुम तो मनमोहन कहावो, मोहो मम मन माधव।
तुम हो अशरण शरण दो मोहिं, शरण चरनन माधव।
तुम हो अंशी अंश हूँ मैं, दूर पुनि क्यों माधव।
अंश हूँ सुख का, न पाया, अंश सुख का माधव।
दासता अधिकार मेरो, काहे छीन्यो माधव।
ओर हमरी नाहिं लखु लखु, ओर अपनी माधव।
खरे को तो सब निभावें, खोटे को तुम माधव।
जो न हों खोटे खरों को, कौन पूछे माधव।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं हूँ तोरी प्रेयसी तुम, मेरे धव हो माधव।
जानती हूँ चोरी चोरी, प्यार कर तुम माधव।
पूछता जग नाम पिय का, का बताऊँ माधव।
लखत आपुन रूप आपुहिं, भये मोहित माधव।
जनक सनकादिक लखत तोहिं, भये मोहित माधव।
तुम रसिक हो, रस भी तुम हो, भ्रमर मधु ज्यों माधव।
जासु डर डर डर सोई डर, मातु साँटी माधव।
जीव जसुमति गोद हित लखु, भूमि लोटत माधव।
देत गारी वनचरिन तोहिं, 'दारी के' कहि माधव।
मेरा तो 'मैं' भी नहीं है, तोहिं का दूँ माधव।
मेरा मन प्राकृत है एहि लै, क्या करोगे माधव।
शरण जाना कठिन कितनो, जीव बनि लखु माधव।
तुम भी चेतन हम भी चेतन, भेद नहिं है माधव।
तुम सनातन हम सनातन, भेद नहिं है माधव।
मोमें तोमें भेद भी नहिं, भेद भी है माधव।
तुम हो विभु चित्, हम हैं अणु चित्, भेद यह है माधव।
तुम हो शासक शास्य हैं हम, भेद यह है माधव।
सर्ववित तुम, अल्पवित हम, भेद यह है माधव।
तुम हो प्रेरक, प्रेर्य हैं हम, भेद यह है माधव।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तुम हो मायाधीश मायाधीन हैं हम माधव।
तुम कृपालू स्वारथी हम, भेद यह है माधव।
तुम हो भर्ता भृत्य हैं हम, भेद यह है माधव।
तुम हो व्यापक व्याप्य हैं हम, भेद यह है माधव।
तुम हो स्रष्टा सृज्य हैं हम, भेद यह है माधव।
तुम हो निर्गुण हम गुणी हैं, भेद यह है माधव।
तुम हो सूरज किरण हैं हम, भेद यह है माधव।
तेरा आदि न, तेरा अंत न, तू सनातन माधव।
तेरा भीतर, तेरा बाहर, दोनों ही नहिं माधव।
तेरा पूर्व न, तेरा पर भी न, ऐसा तू है माधव।
जग के भीतर, जग के बाहर, तू रहत नित माधव।
जग के पूरब, जग के पश्चात्, तू ही रह इक माधव।
योगमाया अर्थ 'मा' का, 'मा का धव' तू माधव।
भक्ति बिनु अपनावो तो तुम, हो 'कृपालु' माधव।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

8

श्याम मेरे श्याम मेरे, श्याम मेरे प्यारे।
श्याम मम स्वामी सखा सुत, श्याम मम पिय प्यारे।
श्याम के प्रति रोम वारो, काम कोटिन प्यारे।
श्याम आत्माराम गोपीराम बन गये प्यारे।
मेरी गति तुम, मेरी मति तुम, मेरी रति तुम प्यारे।
मैं पतित तुम पतितपावन, बन्यो बानक प्यारे।
पूतना दुर्भावहूँ लखि, दियो निज गति प्यारे।
ब्रजलता को भी दिये तुम, प्रेम ब्रजरस प्यारे।
चर किये तुम ने अचर अरु, अचर चर किये प्यारे।
सखन सुख हित धन्य धनि तुम, घोड़ा बनि गये प्यारे।
गोपियों की छाछ पै तुम, नाच पुनि पुनि प्यारे।
सखन मुख ते छोरि जूठन, कौर खाये प्यारे।
नाम गाऊँ रूप ध्याऊँ, अस कृपा करु प्यारे।
तुम सदा रह उर में उर ते, आ जा बाहर प्यारे।
आ जा चुपके ते न कहिहौं, कबहूँ काहूहिं प्यारे।
तू तो रह सर्वत्र श्रुति कह, आ जा सन्मुख प्यारे।
या तो हाँ करु या तो ना करु, आ के सन्मुख प्यारे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सामने जो आ ना, आजा, स्वप्न में ही प्यारे।
लख चौरासी में मम सँग, काहे घूमत प्यारे।
तुम अकारण करुण पुनि क्यों, 'शरण आ' कह प्यारे।
जो दे सब, सो पाय सब यह, कृपा नहिं कह प्यारे।
तोरा सुत है भीख माँगूँ, तोरा अपजस प्यारे।
जो तुम्हें हैं दीन प्रिय तो, दीनता दे प्यारे।
तुम्हरि माया ने भुलाया, 'तुम ही मेरे' प्यारे।
जाने नहिं तोहिं ब्रह्मा हरि हर, तव कृपा बिनु प्यारे।
जाने जब तब माने तब हो, प्रेम तुम सों प्यारे।
मदन मोहन मानिहौं जब, मोहु मम मन प्यारे।
तुम मेरे थे, हो, रहोगे, है भरोसा प्यारे।
तुम मुझे चाहो न चाहो, चाहुँ मैं तोहिं प्यारे।
मैं जो भूलूँ भी तो तुम जनि, मोहिं भूलहु प्यारे।
न्याय करि नहिं पार पैहौ, पाप एतिक प्यारे।
तू अजित क्यों हार मानी, मेरे पापन प्यारे।
भुक्ति नहिं चह, मुक्ति नहिं चह, भक्ति चह तव प्यारे।
तोरा सुख बनि जाय मम सुख, ऐसी मति करु प्यारे।
तोरी इच्छा में ही मोरी, इच्छा हो नित प्यारे।
अपनी सेवा दो न दो दो, जन की सेवा प्यारे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

नाम में तुम नित्य रह यह, बुद्धि दे दो प्यारे।
श्याम मेरे श्याम की मैं, नात अगनित प्यारे।
मैं हुँ बालक तुम हो पालक, वेद यह कह प्यारे।
उर लगाया कबहुँ नहिं सुत, कैसे पितु तुम प्यारे।
बहुत सोया भूखा प्यासा, अब जगा दो प्यारे।
जग खिलौने दै के अगनित, कित गये तुम प्यारे।
दो कृपा की भीख अब तुम, मोहिं 'कृपालुहिं' प्यारे।

9

(राधे राधे गोविन्दा भजो...)

जोई नँदनंदन जग वन्दन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जोई ब्रजेन्द्र नंदन जगवंदन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाको सत चित आनँद घन तन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जामें देही देह भेद नहिं,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाकी देह दिव्य रस निर्मित,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि लखि रमा रमापति मोहे,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो है पद्माजू को प्रियतम,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो है रमा रमापति प्रियतम,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो है उमा उमापति प्रियतम,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो प्रियतम आत्मा हूँ प्रियतम,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी छवि मदनहुँ मन मोह्यो,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि छवि लखि लजात छविहूँ छवि,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी छवि आपुन मन मोहिनि,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी छवि लखि जड़ हो जंगम,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाकी छवि लखि अचर सचर हो,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाको अंश महानारायण,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाको अंश अंश विधि हरि हर,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि संकल्प प्रकट जग अगनित,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि संकल्प विश्व पालन हो,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि संकल्प प्रलय हो जग को,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाको अंत न पायहु आपुहुँ,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाको आदि न अंत सनातन,
COPYRIGHT
सोई मम प्रियतम प्यारो।
RADHA GOVIND SAMITI
जाके पूर्व न पश्चात् कोऊ,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाको नहिं भीतर नहिं बाहर,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

जाके भय भयभीत होय भय,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो सब जीवन सँग सँग रह नित,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो अति असुरहुँ देत परम गति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो दिय आपुहिं लोक पूतनहिं,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो नहिं सहि सक निज जन क्रन्दन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाको परम पतित अति प्यारे,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो भज जैसेहिं तेहि भज तैसेहिं,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि जस प्रिय जन तस प्रिय प्राण न,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
जो टुक छाछ हेतु निरतत ब्रज,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी चारि मुक्ति पनिहारिनि,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

जेहि दर्शन हित कमला तप कर,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि श्रुति नेति नेति कहि गावत,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि लखि भई चलाहूँ अचला,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि लगि शिवहुँ शिवानी बनि गए,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि लखि उमा रमा भूलति पति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो रह भक्त भक्ति वश बरबस,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो भक्तन पाछे पाछे चल,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो चह दास्य कर्म निज दासन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो रह सब जीवन उर पुर महँ,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो है सब जीवन को जीवन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जो है आनन्दहुँ को आनँद,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो है मधु अरु जो है मधुकर,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो दे रसहुँ रसहिं ब्रज रासहिं,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो कुबरिहुँ को दिय कमला पद,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
घोड़ा बने गँवारन ग्वालन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि सिर कनक मुकुट मणि मण्डित,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके मुकुट मणिन बहुरंगी,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि सिर मोर मुकुट की लटकनि,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि सिर लट कारी घुँघुरारी,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
कारी लट पर पीरी पागरी,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पागरी दुति दामिनि जनु दमकति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
मोर पखा जेहि पागरी सोहति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके भाल तिलक कस्तूरिन,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके दुहुँन कर्ण कुण्डल भल,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके दुहुँन नैन रतनारे,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके नैन सहज कजरारे,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी चितवनि झरत सुरति रस,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि दृग सैन ललिहुँ हों मुर्छित,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी नासा भल मुक्ताहल,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके अधर बिम्ब फल लजवत,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाकी श्वेत दशन दुति दमकनि,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी मधुर मधुर मृदु मुसकनि,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके कंध कामरी सोहत,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि दुकूल पट पीत सुशोभित,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि गल भल बनमाल अलंकृत,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि गल गुंज माल भल सोहति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि गल कौस्तुभ मणि मन मोहति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके गल मणि मुक्त माल दुति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि दोउ कर मणि कंकण सोहति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि दोउ कर अँगुरिन मुँदरिन दुति,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जेहि कटि तट मणि मण्डित किंकिणि,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि कटि पीत वसन अलंकृत,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाके कटि तट कछी काछनी,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी काछनि खुसी मुरलिका,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि पग मणिन जटित भल पायल,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जेहि दोउ चरनन तल अरुणारे,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जाकी गति गति गजहुँ लजावत,
सोई मम प्रियतम प्यारो।
जो 'कृपालु' प्यारीहूँ प्रियतम,
सोई मम प्रियतम प्यारो।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

10

(मेरी बरसाने वारी...)

नाचे नँदनंदन थेई थेई थेई थेई।
ता थेई ता थेई थेई थेई थेई थेई थेई।
तत्ता थेई तत्ता थेई थेई थेई थेई थेई।
नाचे मनमोहन थेई थेई थेई थेई।
नाचे जगवंदन थेई थेई थेई थेई।
नाचे यदुनंदन थेई थेई थेई थेई।
नाचे मधुसूदन थेई थेई थेई थेई।
नाचे यशुदा सुवन थेई थेई थेई थेई।
नाचे रोहिणी सुवन थेई थेई थेई थेई।
नाचे हरि सदघन थेई थई थेई थई।
नाचे हरि चिदघन थेई थेई थेई थेई।
नाचे हरि सुखघन थेई थेई थेई थेई।
नाचे राधारमन थेई थेई थेई थेई।
नाचे कमल नयन थेई थेई थेई थेई।
नाचे कमलायतन थेई थेई थेई थेई।
नाचे गोपी जीवन थेई थेई थेई थेई।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नाचे जनरंजन थेई थेई थेई थेई।
नाचे नील घन तन थेई थेई थेई थेई।
नाचे ब्रह्म धरि तन थेई थेई थेई थेई।
नाचे भवन नगन थेई थेई थेई थेई।
नाचे ललन नगन थेई थेई थेई थेई।
नाचे करुणायतन थेई थेई थेई थेई।
नाचे सँग सखा जन थेई थेई थेई थेई।
नाचे वृंदावन थेई थेई थेई थेई।
नाचे गहवर वन थेई थेई थेई थेई।
नाचे ब्रज कुञ्जन थेई थेई थेई थेई।
नाचे नँद आँगन थेई थेई थेई थेई।
देखें चिन्मय नयन थेई थेई थेई थेई।
देखें मैया नैनन थेई थेई थेई थेई।
देखें बाबा नैनन थेई थेई थेई थेई।
देखें मैया मगन थेई थेई थेई थेई।
देखें बाबा मगन थेई थेई थेई थेई।
देखें ब्रजवासी जन थेई थेई थेई थेई।
देखें ब्रजगोपी जन थेई थेई थेई थेई।
देखें ब्रजगोप जन थेई थेई थेई थेई।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

देखें नित्य सखी जन थेई थेई थेई थेई।
देखें नित्य सिद्ध जन थेई थेई थेई थेई।
देखें अवतारी जन थेई थेई थेई थेई।
देखें ब्रज वृद्ध जन थेई थेई थेई थेई।
देखें सिद्ध भक्त जन थेई थेई थेई थेई।
देखें कृपापात्र जन थेई थेई थेई थेई।
देखें बड़भागी जन थेई थेई थेई थेई।
देखें नारदादि जन थेई थेई थेई थेई।
देखें सनकादि जन थेई थेई थेई थेई।
देखें कोउ मुक्तजन थेई थेई थेई थेई।
देखें कृष्ण प्रेमी जन थेई थेई थेई थेई।
देखें परिकर जन थेई थेई थेई थेई।
देखें अधिकारी जन थेई थेई थेई थेई।
देखें पार्षद जन थेई थेई थेई थेई।
देखें चतुरानन थेई थेई थेई थेई।
देखें पंचानन थेई थेई थेई थेई।
देखें वेद की ऋचन थेई थेई थेई थेई।
देखें अग्निपुत्र जन थेई थेई थेई थेई।
देखें ब्रज खग गन थेई थेई थेई थेई।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

देखें ब्रज गोधन थेई थेई थेई थेई।
देखें ब्रज बछरन थेई थेई थेई थेई।
देखें हरि के स्वजन थेई थेई थेई थेई।
देखें 'कृपालु' जन थेई थेई थेई थेई।

11

(नीको लागे...)

मन मोहे मनमोहन घनश्याम।
मन मोहे दिव्य नीलमणि तनु श्याम।
मन मोहे दिव्य तनु दुति घनश्याम।
मन मोहे दिव्य सुगंधि तनु श्याम।
मन मोहे रोम रोम रस झरे श्याम।
मन मोहे मोर मुकुट सिर श्याम।
मन मोहे कनक मुकुट सिर श्याम।
COPYRIGHT
मन मोहे मुकुट मणिन दुति श्याम।
RADHA GOVIND SAMITI
मन मोहे लट कारी घुँघुरारी श्याम।
मन मोहे भाल तिलक घनश्याम।
मन मोहें कानन कुण्डल श्याम।

मन मोहे कुण्डल मणि दुति श्याम।
मन मोहैं कजरारे नैन घनश्याम।
मन मोहैं रतनारे दृग घनश्याम।
मन मोहैं नैन नुकीले घनश्याम।
मन मोहैं सैन गँसीले घनश्याम।
मन मोहैं आकर्ण नैन घनश्याम।
मन मोहैं रस ते भरे नैन श्याम।
मन मोहे जब मारे नैन बान श्याम।
मन मोहे जादू भरी चितवनि श्याम।
मन मोहे नासा भल बेसर श्याम।
मन मोहे नासा मुक्ताहल श्याम।
मन मोहे अरुण अधर मुख श्याम।
मन मोहे दशनन दुति दिव्य श्याम।
मन मोहे मृदु मुसुकनि घनश्याम।
मन मोहे मृदु बोलनि घनश्याम।
मन मोहे मुरलि मधुर धुनि श्याम।
मन मोहे पीत दुपटी कंध श्याम।
मन मोहे गल कौस्तुभ मणि श्याम।
मन मोहैं बनमाल गुंजमाल श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मन मोहे मणिन माल गल श्याम।
मन मोहे गल मुक्तन माल श्याम।
मन मोहे बाम दिशि रोमराजि श्याम।
मन मोहे दक्षिण रोमराजि श्याम।
मन मोहे वक्ष बिच भृगुपद श्याम।
मन मोहैं नील दोउ भुजदण्ड श्याम।
मन मोहैं नीलमणि कंकण श्याम।
मन मोहे मणि कंकण दुति श्याम।
मन मोहैं दोउ करतल लाल श्याम।
मन मोहे अँगुरिन मुँदरिन श्याम।
मन मोहैं भुजदण्ड बाजूबंद श्याम।
मन मोहे कनकन किंकिनि श्याम।
मन मोहे किंकिनि मणि दुति श्याम।
मन मोहे कटि किंकिनि धुनि श्याम।
मन मोहे कटि काछनि घनश्याम।
मन मोहे पीतपट दमकनि श्याम।
मन मोहैं मणिमय नूपुर श्याम।
मन मोहे पग नूपुर दुति श्याम।
मन मोहे पग नूपुर धुनि श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मन मोहे पद नख मणि दुति श्याम।
मन मोहैं दोउ पदतल लाल श्याम।
मन मोहे अति मतवाली चाल श्याम।
मन मोहे कोटि काम कमनीय श्याम।
मन मोहे जग मोहे काम मोहे श्याम।
मन मोहे निज छवि लखि मोहैं श्याम।
मन मोहे ललित त्रिभंगी छवि श्याम।
मन मोहे नित नव रस छवि श्याम।
मन मोहे जब मोहें ज्ञानिन श्याम।
मन मोहे ज्ञानी जन छाया तनु श्याम।
मन मोहे श्यामा जू को सुनि नाम श्याम।
मन मोहे श्यामा जू को लखि चित्र श्याम।
मन मोहे श्यामा जू को सुनि वेणु श्याम।
मन मोहे शिव बने बामा लखि श्याम।
मन मोहे परमहंस छवि श्याम।
मन मोहे बिनु मन मुक्त जन श्याम।
मन मोहे छवि मोहे लखि छवि श्याम।
मन मोहे जो भी देखे दिव्य तनु श्याम।
मन मोहे मोरा तो 'कृपालु' माने श्याम॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

12

(नीको लागे...)

वारी वारी प्यारी छवि वारी बनवारी।
वारी छवि सिर मोर मुकुट वारी।
वारी छवि सिर कनक मुकुट वारी।
वारी छवि वारी मुकुट लटक वारी।
वारी छवि मणि जटित मुकुट वारी।
वारी छवि सिर पीत पाग वारी।
वारी छवि लट कारी अति घुँघुरारी।
वारी छवि भल भाल तिलक वारी।
वारी छवि लखि अँखियन कजरारी।
वारी छवि अँखियाँ अति मतवारी।
वारी छवि प्यारी दृग चितवनि वारी।
वारी छवि कानन कुण्डल वारी।
COPYRIGHT
वारी छवि नासा बेसर वारी।
RADHA GOVIND SAMITI
वारी छवि मुख दशनन दुति वारी।
वारी छवि प्यारी मृदु मुसुकनि वारी।
वारी छवि लकुटी कामरि कारी।

वारी छवि गर गुंजमाल वारी।
वारी छवि मणि बनमाला वारी।
वारी छवि गल कौस्तुभ मणि वारी।
वारी छवि तनु पीताम्बर वारी।
वारी छवि उर बिच भृगु पद वारी।
वारी छवि उर बस कमला नारी।
वारी छवि धुनि मुरलि मधुर प्यारी।
वारी छवि कनकन किंकिनि वारी।
वारी छवि कटि काछनि पट वारी।
वारी छवि कनकन कंकन वारी।
वारी छवि अँगुरिन मुँदरिन वारी।
वारी छवि पग मणि नूपुर वारी।
वारी छवि पदनख मणि दुति वारी।
वारी छवि युग अरुण चरण वारी।
वारी छवि अगनित रति पति वारी।
वारी छवि लखि प्यारी सुकुमारी।
वारी छवि लखि विधि हरि हर वारी।
वारी छवि कंदर्प दर्प हारी।
वारी छवि लखि उमा रमा नारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वारी छवि निज छवि लखि बनवारी।
वारी छवि रस प्रेम सुधा वारी।
वारी छवि लखि परमहंस वारी।
वारी छवि सनकादिक हूँ प्यारी।
वारी छवि लखि शिव बनि गये नारी।
वारी छवि लखि नहिं अस नहिं नारी।
वारी छवि वारी नटवर तनुधारी।
वारी छवि अहि फण नर्तन वारी।
वारी छवि ब्रज महारास वारी।
वारी छवि जब नैन सैन मारी।
वारी छवि जब देंयँ सखिन गारी।
वारी छवि ऊखल बंधन वारी।
वारी छवि दै छाछ नचावें नारी।
वारी छवि करें अस्तुति श्रुति चारी।
वारी छवि प्यारी प्यारी गति मतवारी।
वारी छवि वारी ग्वारिया गमार वारी।
वारी छवि घोड़ा बनि भाजें बनवारी।
वारी छवि आगे धेनु पाछे बनवारी।
वारी छवि गोबर टीका वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

वारी छवि माटी खायँ छुपि बनवारी।
वारी छवि रोवें झूठमूठ बनवारी।
वारी छवि श्याम जब बने मनिहारी।
वारी छवि श्याम जब बने लिलिहारी।
वारी छवि श्याम जब बने श्यामा री।
वारी छवि आनँदघन तनुवारी।
वारी छवि टेढ़ी गति मति रति वारी।
वारी छवि जब जय बोलें ब्रजनारी।
वारी छवि गलबाँही दिये पिय प्यारी।
वारी छवि रास प्रति गोपी तनु धारी।
वारी छवि विधि दर्प दलन वारी।
वारी छवि गोवर्धन तनु धारी।
वारी छवि जब बनि गये गिरिधारी।
वारी छवि सुरपति मर्दन वारी।
वारी छवि हुँ 'कृपालु' लखि छवि प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

13

(नथवारी रंगीली...)

मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो हूँ परनारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना ऐरी गैरी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो होउँगी कारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो दूँगी तोहिं गारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना ऐसी वैसी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो पतिव्रता नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मेरा पति लठधारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी पति करे मारामारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो तोपै नहिं वारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो तेरी नाँय प्यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी सब हँसैं दै के तारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी यह परे तोहिँ भारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तू तो तके पर नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी सब सों ही कह प्यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मोरी तोरी नहिं यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी जोरो जोरी कहुँ जारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मोहिँ छुओ ना बिहारी तेरी झूठी मूठी यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मन ले जा ले जा जा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी जाय कहुँ यशुदा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी जा री हरजाई जा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी करो कुबरी सों यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तोहिँ जानैं सारी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी दाल गले न तिहारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी कहीं ढूँढो कारी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तू तो ग्वारिया अनारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तू तो जादू की पिटारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं हूँ ब्रजनारी न्यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मेरी जग सों है यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मोहिँ जानो ना गमारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं कटारी हूँ दुधारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी पोल खुल जाय सारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी करो दूर ही ते यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तोरी पद्मा सी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी परे हट हट जा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो नागिन कारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना बनूँ घर वारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं बिकाऊ नहिं नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तेरी यारी मक्कारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तेरी भौरें जैसी यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं हूँ गोरी गोरी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी ढूँढो टेढ़ी मेढ़ी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तेरे अगणित प्यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तू तो निपट अनारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी जा जा ढोर चरा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तू ना जाने गति नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना पद्मा सी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी काहे घुँघटा उघारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी काहे चुनरी उतारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना तेरी रमा नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तू ना जाने प्रेम नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना तेरी मतवारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी ब्रजनारी गति न्यारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तेरी यारी अति खारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तूने तजी सीता नारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना वृन्दा जैसी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं हूँ बरसाने वारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना भोरी भारी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तू तो सदा को अनारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी खेलु गुल्ली डंडा जा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी तेरी करतूति कारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी सोयो नाग ना जगा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मारूँ नैन कटारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं हूँ नारी अवतारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना नारी संसारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो तेरी हूँ ना नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं ना कामिनि नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी ढूँढ़ो आपु जैसी नारी।
मोहिँ छुओ ना बिहारी ब्याह प्रथम रचा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं तो वेद की ऋचा री।
मोहिँ छुओ ना बिहारी मैं 'कृपालु' पतिता री॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

14

(भजु गौरांग...)

रति रस सागर सब गुन आगर,
नटवर नागर श्याम रे।
रसिक रँगीले गुन गरबीले,
छैल छबीले श्याम रे।
चिन्मय नीले तनु पट पीले,
ही ले धरि वसुयाम रे।
सरस रसीले नैन नुकीले,
कीले मन ब्रजबाम रे।
नन्द-दुलारे गोपिन-प्यारे,
मुरली वारे श्याम रे।
नैनन तारे प्राण हमारे,
कामरि वारे श्याम रे।
नित नव रंगी गोपन संगी,
ललित त्रिभंगी श्याम रे।
काम विमोहन निज मनमोहन,
मो मन मोहन श्याम रे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जन मन रंजन भव भय भंजन,
अरि मदगंजन श्याम रे।
यशुमति नन्दन कंस निकन्दन,
त्रिभुवन वंदन श्याम रे।
सुघर सलोना नंद डुठौना,
को ना चह ब्रजबाम रे।
दधि घट फोरे उर लर तोरे,
कह 'कृपालु' अस श्याम रे।

15

(मेरो राधारमण गिरिधारी)

मेरो प्रियतम कुंज बिहारी, तन मन धन उन पर वारी।
मेरो प्राण प्राण बनवारी, विहरत नित संग बिहारी।
मम पिय बनि गयो बनवारी, मैं बनि गइ उनकी प्यारी।
वे वृन्दाविपिन बिहारी, ह्वै गइ उनतेइ मम यारी।
लिए मधुर भाव उर धारी, किये यार निकुंज बिहारी।
हमरिहुँ सुधि लो बनवारी, रिरियात पतित बनवारी।
मन सुनत न नेकु हमारी, तुम सुनु 'कृपालु' बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू ही तो मम बनवारी, पुनि काहे मोहिँ बिसारी।
नहिं चहत पदारथ चारी, हौं तो हौं प्रेम भिखारी।
याचत भइ बेर बिहारी, अब तो सुनु टेर हमारी।
आयो हौं शरण तिहारी, पुरवहु मम आस मुरारी।
हौं परम पतित गिरिधारी, तुम हो पतितन हितकारी।
नहिं चहहुँ न्याय बनवारी, चह कृपा 'कृपालु' तिहारी।

16

(देखु सखि। नागर नंदकुमार)

तेरो जीवनधन राधारमन मन,
उनहिंन करु तन मन धन अर्पन।
रखना अपनापन मेरे नँदनंदन
मेरो कहुँ और ठौर नहिं यशुदा ललन।
भज जीवनधन राधा रमन मन,
गोपन गोपिन गोधन को धन।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

17

(परिक्रमा)

आजा आजा आजा बरसाने वारी आजा।
पुनि ब्रज महँ ब्रजरस बरसा जा।
निज दासी दासी दासी दासी बना जा।
आजा आजा ऊँचे महलन वारी आ जा।
आजा आजा भानुदुलारी प्यारी आ जा।
आजा आजा आजा सुकुमारी प्यारी आजा।
आजा आजा नीलाम्बर वारी आजा।
आजा आजा मो 'कृपालु' मन भा जा।

18

(मेरी बरसाने वारी...)

COPYRIGHT

कृपा करु कृपा करु, कृपा करु राधे।

RADHA GOVIND SAMITI

कृपा का ही तनु तोरा, कृपा करु राधे।
तुम बिनु जीना नहीं, कृपा करु राधे।
झलक दिखा जा आजा, कृपा करु राधे।

बिनु हेतु तू ही दाता, कृपा करु राधे।
तू ही मेरी त्राता माता, कृपा करु राधे।
जाने जग तेरा हूँ मैं, कृपा करु राधे।
लाज जाये तेरी अब, कृपा करु राधे।
मैं तो हूँ अकिंचन, कृपा करु राधे।
काहे को कृपण भई, कृपा करु राधे।
मोसो ना कृतघ्नी कोउ, कृपा करु राधे।
अब तो भई अति, कृपा करु राधे।
मैं तो हूँ पतित अति, कृपा करु राधे।
भला हूँ बुरा हूँ जो हूँ, कृपा करु राधे।
मैं हूँ दीन हीन अति, कृपा करु राधे।
छोड़ूँ नहिं पाछा तोरा, कृपा करु राधे।
मैं तो हूँ अधम अति, कृपा करु राधे।
तू ही है अगति गति, कृपा करु राधे।
अशरण शरण तू, कृपा करु राधे।
शरण शरण तोरी, कृपा करु राधे।
साधन बल नहिं, कृपा करु राधे।
न्याय न चाहहुँ, कृपा करु राधे।
मोरे कोउ बल नहिं, कृपा करु राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हौं तोहिं जानूँ नहिं, कृपा करु राधे।
तप्यो ताप तीनिहुँ, कृपा करु राधे।
जरौं पंचक्लेशहुँ, कृपा करु राधे।
माया ने सताया अति, कृपा करु राधे।
जग राग छूटे नहिं, कृपा करु राधे।
भटकत थकि गयो, कृपा करु राधे।
बेर भइ अब तो, कृपा करु राधे।
माना मैं कुपूत तोरा, कृपा करु राधे।
बुरे पै तो औरहूँ, कृपा करु राधे।
सदा ते किया है कृपा, कृपा करु राधे।
मोहूँ पर कृपा करु, कृपा करु राधे।
जित देखूँ तित तोहिं, कृपा करु राधे।
न्याय करि हारेगी तू, कृपा करु राधे।
अपनी ओर लखु, कृपा करु राधे।
करनी न लखु मोरी, कृपा करु राधे।
तू ही मेरी गति मति, कृपा करु राधे।
तू ही मेरी स्वामिनी, कृपा करु राधे।
दूरी को मिटा दे अब, कृपा करु राधे।
बेर जनि करु राधे, कृपा करु राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृपा का भिखारी आया, कृपा करु राधे।
कृपा माँगना ना जानूँ, कृपा करु राधे।
कहा घटि जाय तोरा, कृपा करु राधे।
कृपा का स्वभाव तोरा, कृपा करु राधे।
कृपा तोरा जीवन, कृपा करु राधे।
कृपा ही है कार्य तोरा, कृपा करु राधे।
कृपा बिनु जिऊँ नहीं, कृपा करु राधे।
कृपा का भरोसा उर, कृपा करु राधे।
कृपा का विरद तोरा, कृपा करु राधे।
कृपा माँगना न छोड़ूँ, कृपा करु राधे।
दरशन दे या ना दे, कृपा करु राधे।
रो रो माँगूँ कृपा अस, कृपा करु राधे।
भूलूँ नहिं तोहीं अस, कृपा करु राधे।
तोसों ही हैं नाते सब, कृपा करु राधे।
भक्ति भाव जानूँ नहीं, कृपा करु राधे।
तोहिं पहिचानूँ नहीं, कृपा करु राधे।
मन मनमानी करे, कृपा करु राधे।
तेरी कृपा पाके हरि, कृपा करें राधे।
तेरी कृपा ही ते कृपा, कृपा भई राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं भी तेरी तू ही मेरी, कृपा करु राधे।
बेर जनि करु राधे, कृपा करु राधे।
दूरी देरी को मिटा दे, कृपा करु राधे।
जो भी चाहे कृपा वापै, कृपा करु राधे।
तू ही मेरी मैं भी तेरी, कृपा करु राधे।
मेरी तो है तू ही इक, कृपा करु राधे।
काहू सों बताऊँ नहिं, कृपा करु राधे।
मन अति चंचल, कृपा करु राधे।
अपना बना ले मन, कृपा करु राधे।
माया को डरा दे राधे, कृपा करु राधे।
तव सुख सुख मानूँ, कृपा करु राधे।
दुख को भी कृपा मानूँ, कृपा करु राधे।
कृपा मानूँ कृपा अस, कृपा करु राधे।
तेरी कृपा चाहें विधि, कृपा करु राधे।
तेरी कृपा चाहें हरि, कृपा करु राधे।
तेरी कृपा चाहें शिव, कृपा करु राधे।
तेरी कृपा चाहें रमा, कृपा करु राधे।
तेरी कृपा चाहें उमा, कृपा करु राधे।
कृपा ते ही जग रचें, कृपा करु राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कृपा ते ही जग पालें, कृपा करु राधे।
कृपा ते प्रलय करें, कृपा करु राधे।
कृपा ते ही पावें तोहिं, कृपा करु राधे।
तू ही है 'कृपालु' इक, कृपा करु राधे।

19

राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे।
राधे राधे, राधे राधे, राधे राधे राधे राधे,
राधे राधे राधे राधे।
प्यारी राधे, प्यारी राधे, प्यारी राधे प्यारी राधे।
आजा राधे, आजा राधे, आजा राधे, आजा राधे।
बहुत तरसा अब न तरसा, मान भी जा राधे।
को बुला सक तोहिं त्रिभुवन, आ कृपा करि राधे।
दूर ते आना न तोय आ, उर ते बाहर राधे।
जो न आवे, तो बता दे, आके सन्मुख राधे।
तू जो आये बिनु बुलाये, आये पिय भी राधे।
जा बुला ला, जा बुला ला, जा बुला ला, लाला राधे।
बिनु बुलाये आयें लाला, जो भी बोले राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे का 'रा' कहत मुर्छित, कहि न सक पिय राधे।
श्याम बलि बलि जायँ वा पै, नाम ले जो राधे।
वाके पाछे चलत पिय जो, नाम गावत राधे।
चोरी चोरी चित्त चोरी, हरिहुँ को री राधे।
मदन मोहन विश्व मोहन, वाउ मोहिनि राधे।
राधे राधे बोल सुनि तहँ, आवें भजि हरि राधे।
मुकुट रमनी रमन कमनी, हंस गमनी राधे।
श्यामसुन्दर गिरत छिति पर, लखत तव छवि राधे।
आत्मा की आत्मा की, आत्मा तू राधे।
ईश्वरों की ईश्वरी तू, वेद अस कह राधे।
भुवन ईश्वर श्याम श्यामहुँ, ईश्वरी हैं राधे।
ब्रह्म को कह पूर्ण श्रुति पै, आधे रह बिनु राधे।
ब्रह्म तो गुणहीन ही था, सगुण किये तेहिं राधे।
ब्रह्म तो नीरूप ही था, रूप दिये तेहिं राधे।
ब्रह्म तो रस रूप ही था, रसिक किये तेहिं राधे।
तू है ह्लादिनि सार की भी, सार मादन राधे।
जग विमोहन मोहनहुँ मन, मोहिनी तू राधे।
जो नचावे सकल जग कहँ, तेहि नचावें राधे।
जासु किंकर, ब्रह्मा शंकर, सोउ किंकर राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भूलें पिय सब सिट्टी पिट्टी, मानिनी लखि राधे।
भूलें नैनन सैन निज पिय, लखत सैनन राधे।
कृष्ण पायो रास रस जब, आइ ब्रज तू राधे।
दें बुहारी नित्य प्रियतम, रास कर जहँ राधे।
रास महँ जब जायँ प्रियतम, मुकुट धर पग राधे।
राधे बिनु हैं श्याम आधे, ऐसी मेरी राधे।
राधे पग पर श्याम सिर धर, कहत जय जय राधे।
श्यामा छवि लखि श्याम मुर्छित, सहि न सक सुख राधे।
तेरे चरनन चुवत ब्रजरस, पियत प्रियतम राधे।
तेरी पद रज आँजि दृग पिय, जात बलि बलि राधे।
तेरी भृकुटिन मटक लखि लखि, डरत नटखट राधे।
मानिनी लखि स्वामिनी पिय, काँप थर थर राधे।
सखिन पद गहि रुदन कर हरि, जानि मानिनि राधे।
तेरी छवि लखि गिरत पिय कर, मुरलि भू पर राधे।
लखत तव छवि श्याम इकटक, लगत टकटकि राधे।
श्याम के भी पूर्व लें सब, नाम तेरा राधे।
विश्वकर्षी कृष्ण उनकी, कर्षिणी तू राधे।
श्याम को जनि बुरा कहु कोउ, बुरा मानें राधे।
तू ही गति है तू ही मति है, तू ही रति मम राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू ही कर्ता तू ही धर्ता, तू ही हर्ता राधे।
तू ही दाता तू ही धाता, तू ही माता राधे।
तू ही मेरी स्वामिनी है, मैं हूँ चेरी राधे।
तू है जल महँ तू है थल महँ, तू है नभ महँ राधे।
अत्र तू है तत्र तू है, कुत्र तू नहिं राधे।
तेरा आदि न तेरा मध्य न, तेरा अन्त न राधे।
तू है भीतर तू है बाहर, तू है कण कण राधे।
तू हि सद्घन तू हि चिद्घन, तू हि सुखघन राधे।
प्रेम की तू रूप की तू, रस की मूरति राधे।
चुवत ब्रजरस रोम प्रति तव, पियत रसिकन राधे।
ज्ञानी जानें नाहिं ब्रजरस, हैं अभागे राधे।
कोउ ज्ञानी पावे ब्रजरस, तव कृपा ते राधे।
तेरे चरनन दिव्य रज कन, रसिकजन धन राधे।
तेरी चितवनि तेरी मुसकनि, गवनि मोहिनि राधे।
गोरी गोरी भोरी भोरी, हैं किशोरी राधे।
तन की गोरी मन की भोरी, ऐसी मोरी राधे
कोटि कमला नौकरानी, तोरी रानी राधे।
मेरी राधे तेरी राधे, सकल जग की राधे।
तू ही मेरी तू ही मेरी, तू ही मेरी राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं भी तेरी मैं भी तेरी, मैं भी तेरी राधे।
मेरी तू है मैं भी तेरी, वेद कह तव राधे।
सुनहु रे मन! तजहु विषयन, गहहु चरनन राधे।
लखहु राधे सुनहु राधे, धरहु चित छवि राधे।
आगे राधे पाछे राधे, दायें बायें राधे।
मुझमें तू है तुझमें मैं हूँ, भेद फिर क्यों राधे।
जग में तू है तुझमें जग नहिं, भेद यह है राधे।
मृत्तिका बिनु घट न घट बिनु, मृत्तिका ज्यों राधे।
सूत बिनु नहिं पट हो पट बिनु, सूत रह ज्यों राधे।
तू है कारण कार्य हूँ मैं, भेद इतनो राधे।
व्याप्त जग तू व्याप्त मैं तनु, भेद इतनो राधे।
मैं हूँ जग का तेरा जग है, भेद इतनो राधे।
मैं हूँ मायिक मायापर तू, भेद इतनो राधे।
मैं हूँ त्रिगुणी तू है निर्गुण, भेद इतनो राधे।
अल्प हूँ मैं तू है भूमा, भेद इतनो राधे।
तू है विभु चित् मैं हूँ अणु चित्, भेद इतनो राधे।
तुझसे मैं हूँ मुझसे तू नहिं, भेद इतनो राधे।
तू है प्रेरक प्रेर्य हूँ मैं, भेद इतनो राधे।
तू है शासक शास्य हूँ मैं, भेद इतनो राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अज्ञ मैं सर्वज्ञ है तू, भेद इतनो राधे।
तू है स्रष्टा सृज्य हूँ मैं, भेद इतनो राधे।
तू है आत्मा देह हूँ मैं, भेद इतनो राधे।
सर्व शक्ति तू अल्प शक्ति मैं, भेद इतनो राधे।
है उपास्य तू मैं उपासक, भेद इतनो राधे।
एक तू है हम हैं अगणित, भेद इतनो राधे।
दिव्य तनु तव मेरी प्राकृत, भेद इतनो राधे।
तू सुखी है मैं दुखी हूँ, भेद इतनो राधे।
तू है दाता मैं भिखारी, भेद इतनो राधे।
तू है स्वामिनि दास हूँ मैं, भेद इतनो राधे।
तू है माता पुत्र हूँ मैं, भेद इतनो राधे।
तू भी चेतन मैं भी चेतन, भेद नहिं दोउ राधे।
तू सनातन मैं सनातन, भेद नहिं दोउ राधे।
तू भी उर में मैं भी उर में, भेद नहिं दोउ राधे।
तू भी अव्यय मैं भी अव्यय, भेद नहिं दोउ राधे।
तू भी कर्ता मैं भी कर्ता, भेद नहिं दोउ राधे।
ज्ञान है तू ज्ञान हूँ मैं, भेद नहिं दोउ राधे।
तू भी ज्ञाता मैं भी ज्ञाता, भेद नहिं दोउ राधे।
अन्त नहिं तव अन्त नहिं मम, भेद नहिं दोउ राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू है अंशी अंश हूँ मैं, यह जना दे राधे।
तू है रवि सम मैं किरन सम, उर बिठा दे राधे
तोहिं भुलाया मूढ़ पै अब, शरण आया राधे।
तू है अशरण की शरण माँ, ले शरण मोहिं राधे।
मैं न भूलूँ तोहिं तुम नहिं, मोहिं भूलहु राधे।
मैं तो भूला मायावश तू, भूली क्यों मोहिं राधे।
मैं तेरी होऊँ न होऊँ, तू मेरी बनु राधे।
जग में होत कुपूत पै नहिं, हो कुमाता राधे।
कौन हूँ मैं कौन मेरा, यह जना दे राधे।
तुमको जाना पै न माना, मूढ़ अस मैं राधे।
हारि गइ समुझा के मन को, तू ही समझा राधे।
योगमाया पर्दा तव मम, पर्दा माया राधे।
मेरी मायिक दृष्टि तेरा, रूप चिन्मय राधे।
हौं भला हूँ या बुरा हूँ, हौं तो तव शिशु राधे।
शिशु न जाने कौन माँ मम, माँ जनावे राधे।
झूठ बोलूँ सारे जग ते, मेरी स्वामिनि राधे।
जग खिलौना दै के निज सुत, कित गई माँ राधे।
उर लगाया कबहुँ नहिं मोहिं, कैसी माँ तू राधे।
रस चुये प्रति रोम तेरे, टुक पिला दे राधे

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

रस का चसका तब लगे जब, टुक पिला दे राधे।
पाहि मां त्वं पाहि मां त्वं, पाहि मां त्वं राधे।
तेरे अगनित भक्त मेरी, एक तू है राधे।
तेरे शिशु को मारे दासी, तू लखे माँ राधे।
तू अकारण कृपा कर पुनि, बेर क्यों कर राधे।
न्याय नहिं चह तव कृपा चह, करु कृपा यह राधे।
माना मैं हूँ अति पतित तू, पतित-पावनि राधे।
लाजहूँ जासों लजत अस, हौं निलज मैं राधे।
जाने बिनु जो पाप कर सो, दण्ड पावे राधे।
जान कर भी पाप कर जो, कौन गति वाय राधे।
जान कर भी पाप कर नित, हौं पतित अस राधे।
लखु न करनी करि ले अपनी, मोहिं स्वामिनि राधे।
ओर मोरी कृपा कोरी, करहु मोरी राधे।
बिनुहि कारण कृपा कारिणि, रसिक कह तोहिं राधे।
जितको देखूँ तू ही दीखे, ऐसा करु मम राधे।
तन समा जा मन को भा जा, दृगन छा जा राधे।
मेरे नैनन मेरे बैनन, रैन दिन वसु राधे।
नाम गाऊँ तेरा पै मन, जग में रम नित राधे।
नाम में नामी रहत यह, ज्ञान दृढ़ करु राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तेरी माया ने भुलाया, भाया जग सुख राधे।
दे सतत सत्संग मोहिं अरु, दे न दे कछु राधे।
भुक्ति नहिं चह मुक्ति नहिं चह, भक्ति चह तव राधे।
तेरो ही सुख चहहुँ अपनो, चहहुँ सुख नहिं राधे।
तेरी रुचि ही मेरी रुचि हो, ऐसी मति करु राधे।
तेरो सुख बनि जाय मम सुख, ऐसो करु मन राधे।
मोहिं वरदे एक वर दे, चहहुँ तव सुख राधे।
सेउँ तन ते सेउँ मन ते, सेउँ धन ते राधे।
मेरा सरबस ले ले बरबस, दे दे ब्रजरस राधे।
मैं तो लेना जानुँ तू तो, जाने देना राधे।
प्रेम देना काम लेना, यह जना दे राधे।
प्यार दे या मार दे पै, अब ना छोड़ूँ राधे।
सोई अब लौं खोई सब कछु, अब ना सोऊँ राधे।
एक दिन तू देगी दर्शन, है भरोसा राधे।
तेरे बिन क्या जीना जीना, प्राण हर ले राधे
मैं हूँ शिशु तव तू है मम माँ, नाहिं भिक्षुक राधे।
माया मारे मातु देखे, अस जगहुँ नहिं राधे।
तेरे अगनित सुत हैं मेरी, एक तू माँ राधे।
तू है मेरी मैं हूँ तेरी, यह जना दे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

काउ सों कहिहौं न बारेक, उर लगा ले राधे।
तू अकारन, करुण पुनि क्यों, कर न करुणा राधे।
माँगूं वर यह माँगूं नहिं कछु, कबहुँ तोसों राधे।
जान जग मोहिं तोर जन तव, होत अपयश राधे।
तू है मुझमे मैं हूँ तुझ में, दूरी पुनि क्यों राधे।
जो पुकारे रो के राधे, भाजी आवहिं राधे।
आये या ना आये पै उर, वेदना दे राधे।
स्वर्ग सातों मोक्ष पाँचों, ना दे ना दे राधे।
जेहि कहत सर्वज्ञ सो हरि, जान नहिं तोहिँ राधे।
दे दे दे दे, प्रेम अपनो, घटे नहिं कछु राधे।
खाली हो गया, क्या कृपा का, कोष मम हित राधे।
तू थी अवढरदानी पुनि अब, क्यों कृपण भई राधे।
कर्म बल नहिं ज्ञान बल नहिं, नाम बल मम राधे।
जान नहिँ शिशु मातु तो क्या, मात तजि दे राधे।
बहुत सोया भूखा अब तो, माँ जगा दे राधे।
कर्म नहिं चह, ज्ञान नहिं चह, प्रेम ही चह राधे।
मेरे पापन, ते डरी क्यों, पतित-पावनि राधे।
पतित-पावनि जानि तोहिँ किय, पाप निधरक राधे।
तू मुझे चाहे न चाहे, चाहूँ मैं तोहिं राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अस कृपा करु रैन दिन मन, ध्यान कर तव राधे।
तू तो उर रह, यह श्रुतिन कह, आजा बाहर राधे।
तव दरस हित एक पल मोहिं, लग कलप सम राधे।
जो न हों मो सो पतित तोहिं, पूछतो को राधे।
पतित जन ने नाम दिय तोहिं, पतित-पावनि राधे।
तेरी माया बलवती अति, मैं निबल अति राधे।
न्याय करि नहिं पार पैहौ, इतने अघ मम राधे।
या कृपा करु या चला दे, चक्र निज कर राधे।
तेरी दासी बैठी उर महँ, आ भगा दे राधे।
देह को ही जीव माना, भूल यह की राधे।
पतित हूँ नहिं मान आपुहिं, हौं पतित अस राधे।
दीन ही हैं तोहिं प्रिय तो, दीनता दे राधे।
तू अकारण करुण है तो, साधना क्यों राधे।
भिक्षुकों ते भीख माँग्यों, जन्म अगनित राधे।
जान्यों अब मैं गुरु कृपा ते, तू ही दाता राधे।
दे न दे रस करु कृपा अस, माँगूँ छिन छिन राधे।
भूला मैं तोहिं भूल मम पै, तू न भूली राधे।
पाप अगनित देखि मम यम, सोच मन बड़ राधे।
मैं हूँ खोटा सुत खरों के, सँग चला दे राधे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

देह मन बुधि मेरी मायिक, तोहिं का दे राधे।
मैं भी तेरा मेरा तेरा, पुनि दऊँ का राधे।
जग का चट्टू घुनघुना दै, कित गई माँ राधे।
पतित मो सम विश्व महँ तोहिं, मिलहिं नहिं कहुँ राधे।
पतित-पावनि नाम बदलो, या कृपा करु राधे।
बिनु कृपा नहिं जानि सक तोहिं, शारदाहुँ राधे।
तेरी इच्छा में ही मेरी, होय इच्छा राधे।
वनचरिन कहँ सहचरिन करि, उर लगायो राधे।
अब करौं हौं द्वार तेरे, सत्य आग्रह राधे।
मेरी थी तू, मेरी है तू, रहेगी मम राधे।
दे 'कृपालुहिं' दरस या ले, प्राण मम मम राधे।

20

(तू ही तू ही...)

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

आजा आजा आजा बरसाने वारी राधे।
प्रेम सुधा बरसाने वारी राधे॥
साक्षात् छवि को लजाने वारी राधे।
वृन्दावन रास रचाने वारी राधे॥

गति मदमत्त लजाने वारी राधे।
मधुर मधुर मुसकाने वारी राधे॥
प्यारी नथवारी अति भोरी भारी राधे।
नासा भल मुक्ताहल वारी राधे॥
गल भल लर मोतिन वारी राधे।
कटि मणिमय किंकिणि वारी राधे॥
अँगुरिन बिछुवनि छवि वारी राधे।
पग मणिमय पायल वारी राधे॥
शरणागत हरषाने वारी राधे।
ब्रह्म श्याम तरसाने वारी राधे॥
छिन छिन मान रचाने वारी राधे।
सुखधामहुँ को रुलाने वारी राधे॥
चितचोर चित को चुराने वारी राधे।
ब्रह्म के भी छक्के छुड़ाने वारी राधे॥
ब्रज वनचरि उर लाने वारी राधे।
श्याम को भी श्यामा बनाने वारी राधे॥
बार बार हा हा खिलाने वारी राधे।
चरण कमल दबवाने वारी राधे॥
बंक भृकुटि डरपाने वारी राधे।
मोहिं 'कृपालु' हरषाने वारी राधे॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

21

(राधे राधे गोविन्दा भजो)

जोइ वृषभानुनन्दिनी राधे,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको नित्य धाम बरसानो,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको रासस्थल वृंदावन,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जोइ श्री कीर्ति कुमारी राधे,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जोइ कीरति की रति की मूरति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी तनु छवि चम्पक वरनी,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके कनक मुकुट सिर सोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके मुकुट मणिन दुति दमकति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाके शीश चन्द्रिका सोहति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि सिर चूनरि झलमल झलकति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके शीशफूल भल सोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके कच कारे घुँघरारे,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी वेणी फुलन अलंकृत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके सिर सिन्दूर सुशोभित,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि कानन कुंडल भल सोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके भाल लाल बिंदी छवि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जा नासा नथ बेसर हलकति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके सरस रसीले नैना,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जाके नैन सहज कजरारे,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके दृग रतनारे कारे,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके नैन सैन पिय घायल,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके दोउ कर कंकन सोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके कर चूरिन बहुरंगी,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके कर करपत्र सुशोभित,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके कर अँगुरिन मुँदरिन दुति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके पाणि रची मेहँदी भल,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI
जाके नील वसन तन सोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके गर मणि मुक्तमाल भल,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

जाके उर कंचुकि नवरंगी,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी कटि किंकिनि धुनि रुनझुन,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके पग पायल भल सोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके पद अँगुरिन बिछुवनि छवि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके चरण मिहावर सोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जोइ है सदा सुहागिनि श्यामा,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी तनु छवि रस नित नव नव,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि तनु क्षण क्षण वर्धमान रस,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जा तनु छवि लखि छविहूँ लाजत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो आपुन छवि आपुहिं मोहत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जाकी भोरे मुख की मुसकनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि भोरेपन पर बलि बलि पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी चितवनि लखि पिय मुर्छित,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी गवनि गयंद लजावनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जा छवि सुख कहँ सहि न सकत पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी 'हा हा' खात रहत पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो कर मान छिनहिं छिन पिय सन,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके सम कोई हुई न होगी,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके सम या बड़ नहिं कोउ रस,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको कहत रसिक रासेश्वरि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाकी ब्रह्म करत अगवानी,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके रोम रोम रस टपकत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके चरण पलोटत प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी पदरज धरत शीश पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके पद चिह्नन चूमत पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके चरण मुकुट धर प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी छवि लखि गिरत धरणि पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको लखि बलिहार कहत हरि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके पाछे जय बोलत पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको नाम गाव मुरलिहिं पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जग ठाकुर जाकर भये चाकर,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी करत चाकरी प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी भृकुटि विलोकत प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि डर डर डर सोउ गिरिधर जेहि,
डर डर सोइ मम श्री राधे।
बंक भृकुटि जेहि प्रलय बंक भौ,
लख जेहि सोइ मम श्री राधे।
जाको लाड़ लड़ावत नित पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि रिझवत मनिहारिन बनि पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि रिझवत लिलिहारिन बनि पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको रिझवत मालिनि बनि पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी कर मनुहार नित्य पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जेहि खोजत रोवत कुंजन पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको चँवर ढुरावत प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको व्यजन करत नित प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी डगर बुहारत प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी लेत बलैया प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी कृपा मनावत प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी दासिन पग पकरत पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि लखि हा हा खात सखिन सों
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि मानिनि लखि पिय तनु काँपत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि लखि भूलत भगवत्ता पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जेहि लखि षडैश्वर्य भूलत पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि लखि लखत रहत पिय इकटक,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि लखि पिय लग इकटक टकटकि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि छायाहुँ लखि हरि मूर्छित,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि लखि भूलत पिय चंचलता,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि लखि भूलत लँगर लँगरई,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो जगमोहनहूँ मन मोहिनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके आगे भिक्षुक बन पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
COPYRIGHT
जाकी याचत प्रेम भीख पिय,
RADHA GOVIND SAMITI
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो हैं महाभाव मादन तनु,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

जो हैं जगदीश्वरहूँ ईश्वरि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी कृपा रसिकवर पिय भये,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
ब्रह्म रसहिं जो देत रास रस,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जासु कृपा लहि कृपा करत पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जोइ परतत्व श्याम की स्वामिनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जोइ परमात्मा की हैं आत्मा,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि राधे बिनु श्यामहुँ आधे,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि बिनु पलक कलप सम लग पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि सँग कलप पलक सम लग पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जोइ जग स्वामिहुँ श्यामहुँ स्वामिनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जोइ श्री वृन्दाविपिन विहारिणि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको पार न पायो प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी नख दुति ब्रह्म कहावत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी उमा रमा है किंकरि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी महल टहल चह प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके सँग सँग अष्ट महासखि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि गुन गावत नहिं अघात पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि अगनित गुन नहिं गन सक पिय,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको तनु सत चित आनँदघन,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जापर पिय निज प्रानन वारत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जाकी करत आरती प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको पियहिं मनावत बीतत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जोइ गहवरवन विहरत सखि सँग,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाके धाम मुक्ति पनिहारिनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि पदरज हित कमला किय तप,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी ब्रजलीला नित नव नव,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको नाम परम धन प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको नाम श्याम जप सपनेहुँ,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो निज जन क्रन्दन सुनि भाजति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो पतितन को हृदय लगावति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाको नेति नेति श्रुति गावत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको वेद अगम्य बतावत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जामें देही देह भेद नहिं,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो हैं प्रेम रूप रस अम्बुधि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाकी दासी की दासी श्रुति,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि मादन रस हित पिय तरसत,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जेहि लखि छुट नटखट नटखटपन,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जाको अन्त न पावत आपुहुँ,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो हैं शुद्ध सत्व की स्वामिनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जो हैं ह्लादिनि सार सार तनु,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाके सम 'कृपालु' नहिं प्रियतम,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।

22

(तू ही तू ही...)

जय जय जय जय जय जय बरसाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय कनक मुकुट वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय सिर चूनरि वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय सिर सेंदुर वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय माथे बिन्दी वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय दृग काजर वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय नथ बेसर वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय जय जय जय श्रुति कुंडल वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय लर मुक्तन वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय मणि हारन वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय हीरन हार वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय उर कंचुकि वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय नीली सारी वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय भुज बाजूबंद वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय कर मेहँदी वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय मणि मुँदरिन वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय कटि किंकिनि वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जय जय जय जय पग पायल वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय पग जावक वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय पग बिछुवनि वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय सोरह सिंगार वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय चंपा रँग वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय मृदु मुसकनि वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय मृदु बोलनि वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय हंस गवनि वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय अगनित रति वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय रस सरसाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जय जय जय जय रास रचाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय सखि हरषाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय गोपी जन प्राण प्यारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय श्याम गुन गाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय भानुदुलारी प्यारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय कीरति की कुमारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय पतितन प्यारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय महलन वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय गौर सरकार प्यारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय गोरी भोरी भारी प्यारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जय जय जय जय पिय तरसाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय ब्रह्म को रुलाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय मान रचाने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय हरि को डराने वारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥
जय जय जय जय मम 'कृपालु' प्यारी राधे।
जय जय ब्रजरस बरसाने वारी राधे॥

23

(मन तेरो साँचो यार...)

जय जय जय भानुदुलार की,
जय जय जय कीर्ति कुमार की।
जय प्रेम रूप रस सार की,
जय अलबेली सरकार की।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

24

(राधेरानी की जय...)

नथवारी रँगीली महल वारी।
वृषभानुदुलारी सुकुमारी।
सोइ ब्रजरस बरसाने वारी।
सोइ राधा वृन्दावन वारी।
सोइ मन मोहन मोहिनि वारी।
सोइ प्यारी बरसाने वारी।
गोरी गोरी भोरी भोरी नवल किशोरी।
जा पै तन मन धन प्रानन वारी।
सोइ ऊँचे महल अटावारी।
कोटिन सखि महल टहल वारी।
मैं तो वारी वारी वारी वारी वारी वारी।
प्यारी अस्तुति कर नित श्रुति चारी।
नहिं पाइ कतहुँ उपमा हारी।
कोटिन कमला हैं टहल वारी।
जाकी चाल मरालन मनहारी।
मेरी प्यारी सी प्यारी न कोउ प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नहिं प्यारी के पटतर कोउ नारी।
मेरी प्यारी प्यारी बरसाने वारी प्यारी।
जाके पाछे पाछे डोले बाँके बिहारी।
ब्रज नारी पिये ललचावें बनवारी।
आगे आगे प्यारी चले पाछे ब्रजनारी।
वाके पाछे पिय चले कहि जय हो प्यारी।
प्यारी पिय रस पिए पिय रस प्यारी।
पिय प्यारी रस पिए सब ब्रजनारी।
बनवारी चाकर स्वामिनी प्यारी।
भोरे जन कहे ठाकुर बनवारी।
जाके आगे पाछे लख लख ब्रज नारी।
मेरी प्यारी सी प्यारी हैं बस प्यारी।
मेरी प्यारी की छवि पै छवि वारी।
निज सखियन हर्षाने वारी।
ब्रजनारी की प्राणप्यारी प्यारी।
निज प्यारी छवि लखि प्यारी जायँ वारी।
जय हो जय हो जय हो बरसाने वारी।
जय हो जय हो जय हो प्यारी बरसाने वारी।
जय हो जय हो प्यारी प्यारी बरसाने वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय हो प्यारी प्यारी वारी बरसाने वारी।
मेरी प्यारी पै अगणित रति वारी।
मैं तो प्यारी जू की जूठनि पै वारी।
जा पै वारी वारी जायँ कोटि ब्रज नारी।
प्यारी जू पै जो हैं वारी उन पै वारी।
बनुँ महल बुहारी वर दे दे प्यारी।
तो पै सरबस वारी बरसाने वारी।
मैं बुहारी दउँ जित जित जायें प्यारी।
पिय मधुकर प्यारी फुलवारी वारी।
पिय बनचारी प्यारी महल वारी।
प्यारी तनु गोरी गोरी पिय तनु कारी।
पिय छवि प्यारी प्यारी छवि अति प्यारी।
प्यारी छवि लखि घूरे जायें बनवारी।
दाता प्यारी हैं भिखारी बनवारी।
हैं निठुर बनवारी हैं सरल प्यारी।
मैं तो प्यारी प्यारी छवि पै बलिहारी।
प्यारी पाछे पाछे भाजे आवें बनवारी।
मुर्छित बनवारी लखि छवि प्यारी।
सुधि भूलें छैल लखि छवि प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

छैल भूलें गैल घर लखि प्यारी।
बनवारी ढुरावें चँवर प्यारी।
वारी बनवारी लखत भृकुटि प्यारी।
छल भूलें बनवारी लखि छवि प्यारी।
लखि प्यारी वारी वारी वारी बनवारी।
जो प्यारे ते प्यारी प्यारी प्यारी।
बनवारी को तरसाने वारी।
जेहि लखि बनवारी जायँ बलिहारी।
जेहि सेवें मोर मुकुट धारी।
दें बिहारी बुहारी महल प्यारी।
बनवारी माँगें टहल महल वारी।
जेहि रिझवत हरि बनि लिलिहारी।
जेहि रिझवत हरि बनि मनिहारी।
जेहि चरण पलोटें गिरिधारी।
जाकी पद रज सिर धर गिरिधारी।
जहँ प्यारी धरें पग पिय सिर धारी।
प्यारी चरण लगावें दृग बनवारी।
प्यारी चरण लगावें उर बनवारी।
प्यारी पग धोवें अँसुवन बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी पग चापें धींरे धींरे बनवारी।
धरें मुकुट बिहारी पग प्यारी।
मेरी प्यारी पग चूमें वारी बनवारी।
सखि प्यारी पग चापैं घूरें बनवारी।
लखि प्यारी कहें पिय बलिहारी।
लखि प्यारी बनवारी उर कर धारी।
लखि प्यारी करें पिय जयकारी।
तजु बनवारी यारी गहु पद प्यारी।
प्यारे भाजे भाजे आवेंगे बुलावो प्यारी।
मेरी प्यारी को चाकर गिरिधारी।
मादन रस वश रह बनवारी।
प्यारी पाछे ब्रजनारी पाछे बनवारी।
पुनि पुनि बनवारी कह जय प्यारी।
करें प्यारी जू की मनुहारी बनवारी।
बिनु प्यारी नहिं पूछे कोउ बनवारी।
चलुँ अँकड़ के पिय आगे बल प्यारी।
पिय प्रेम जलद जलनिधि प्यारी।
प्यारी प्यारी बोलें सपने में बनवारी।
प्रीति रीति नहिं जानें पिय बनवारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी गुन गावें मुरलिहिं बनवारी।
प्यारी मधुमति वीणा पै वेणु वारी।
प्यारी गावें तो बिहारी कहें बलिहारी।
प्यारी नाचें तो बिहारी कहें बलिहारी।
बनवारी इकटक लख छवि प्यारी।
प्यारी पग पर गिर गिरिवर धारी।
बुरा कहो न पिया को बुरा मानें प्यारी।
जो बिनु कारण 'कृपालु' प्यारी॥

25

(नीको लागे...)

प्यारी लागे प्यारी छवि प्यारी।
प्यारी लागे दिव्य गौर तनु प्यारी।
प्यारी लागे गौर तनु दुति प्यारी।
प्यारी लागे दिव्य गंध तनु प्यारी।
प्यारी लागे शीश मुकुट प्यारी।
प्यारी लागे शीश फूल छवि प्यारी।
प्यारी लागे चंद्रिका शीश प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी लागे मोतिन माँग प्यारी।
प्यारी लागे सेंदुर छवि प्यारी।
प्यारी लागे बिंदी छवि प्यारी।
प्यारी लागे घुँघुरारी वेणी प्यारी।
प्यारी लागे पुष्पयुत वेणी प्यारी।
प्यारी लागे चूनरि छवि प्यारी।
प्यारी लागे बंक भृकुटि प्यारी।
प्यारी लागेँ आँखें रसीली प्यारी।
प्यारी लागेँ आँखें लजीली प्यारी।
प्यारी लागेँ आँखें नुकीली प्यारी।
प्यारी लागेँ आँखें गँसीली प्यारी।
प्यारी लागेँ आँखें मतवारी प्यारी।
प्यारी लागेँ आँखें रतनारी प्यारी।
प्यारी लागे चितवनि प्यारी प्यारी।
प्यारी लागे कर्ण फूल छवि प्यारी।
प्यारी लागे नथवारी छवि प्यारी।
प्यारी लागे बेसर छवि प्यारी।
प्यारी लागे मुख पान बीरी प्यारी।
प्यारी लागे लालिमा अधर प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी लागे दशनन दुति प्यारी।
प्यारी लागे मुख सौगन्ध्य प्यारी।
प्यारी लागे मृदु मुसुकनि प्यारी।
प्यारी लागे मृदु बोलनि प्यारी।
प्यारी लागे लर मोतिन प्यारी।
प्यारी लागे दुलरी की लर प्यारी।
प्यारी लागे तिलरी की लर प्यारी।
प्यारी लागे मणिहार छवि प्यारी।
प्यारी लागे हीरा हार छवि प्यारी।
प्यारी लागे बाजूबंद छवि प्यारी।
प्यारी लागे पहुँची छवि प्यारी।
प्यारी लागे कंकण छवि प्यारी।
प्यारी लागे पीरी हरी चुरी प्यारी।
प्यारी लागे कर-पत्र छवि प्यारी।
प्यारी लागे मेहँदी छवि प्यारी।
प्यारी लागे मुँदरिन दुति प्यारी।
प्यारी लागे वीणा पाणि धरे प्यारी।
प्यारी लागे कंचुकि उर प्यारी।
प्यारी लागे कटि किंकिनि प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी लागे नीली नीली सारी प्यारी।
प्यारी लागेँ पग पायल प्यारी।
प्यारी लागे बिछुवनि छवि प्यारी।
प्यारी लागे जावक छवि प्यारी।
प्यारी लागे लाली पग तल प्यारी।
प्यारी लागे पद नख दुति प्यारी।
प्यारी लागे हंस वारी गति प्यारी।
प्यारी लागे भोरी भारी छवि प्यारी।
प्यारी लागे निकले सवारी प्यारी।
प्यारी लागेँ ब्रजनारी संग प्यारी।
प्यारी लागे जोरी बनवारी प्यारी।
प्यारी लागे प्रकृति 'कृपालु' प्यारी॥

26

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी राधे मेरी राधे प्रेम अगाधे,
राधे बिनु कल नहिं पल छिन आधे।
मुरली में गावें श्याम राधे राधे राधे,
मन मन भावे अति रूपध्यान साधे।

आगे राधे पाछे राधे, दायें बायें राधे,
जित देखुँ राधे-राधे सारा जग राधे।
जिउँ तो भी राधे राधे मरूँ तो भी राधे,
रोउँ तो भी राधे राधे हँसूँ तो भी राधे।
पाउँ तो भी राधे राधे खोउँ तो भी राधे।
गाउँ तो भी राधे राधे ध्याउँ तो भी राधे,
देखुँ तो भी राधे राधे सुनूँ तो भी राधे,
आउँ तो भी राधे राधे जाउँ तो भी राधे।
पकड़ूँ तो राधे राधे छोड़ूँ तो राधे,
सुख में भी राधे राधे दुःख में भी राधे।
लाभ में भी राधे राधे हानि में भी राधे,
तन में भी राधे राधे मन में भी राधे।
नैनन राधे राधे बैनन राधे,
बाटन राधे राधे घाटन राधे।
बागन राधे राधे बीथिन राधे,
वृक्षन राधे राधे बेलिन राधे।
गोधन राधे राधे गायन राधे,
खगगन राधे राधे मृगगन राधे।
ब्रज की लता पता भी बोले राधे राधे,
ब्रज के चकोर मोर बोले राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रज खग शुक पिक बोले राधे राधे,
ब्रज के कदम्ब अम्ब बोले राधे राधे।
ब्रज के तमाल ताल बोले राधे राधे,
ब्रज के चराचर बोले राधे राधे।
ब्रज के रसाल साल बोले राधे राधे,
ब्रज गोपी ग्वाल बोल बोले राधे राधे।
ऊपर राधे राधे नीचे राधे,
दशहुँ दिशा में राधे रोम रोम राधे।
बैठूँ तो राधे राधे लेटूँ तो राधे,
सोवूँ तो राधे राधे जागूँ तो राधे।
इत भी है राधे राधे उत भी है राधे,
यत्र तत्र सर्वत्र राधे राधे राधे।
पूर्व भी राधे राधे पश्चिम राधे,
उत्तर राधे राधे दक्षिण राधे।
पृथ्वी में राधे राधे जल में भी राधे,
तेज में राधे राधे वायु में भी राधे।
गगन में राधे राधे कन कन राधे,
अचर में राधे राधे चर में भी राधे।
भीतर राधे राधे बाहर राधे,
आदि में भी राधे राधे अन्त में भी राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पतितों में राधे राधे रसिकों में भी राधे,
कहीं रुकूँ राधे राधे ना रुकूँ तो राधे।
मिलन में राधे राधे विरह में राधे,
भाव में भी राधे राधे बिनु भाव राधे।
अविशुद्ध मन राधे शुद्ध मन राधे,
नित्य सिद्ध जन दिव्य मन राधे राधे।
कृपा पर कृपा करे कृपामयी राधे,
जीव की है जीव सुख की है सुख राधे।
सदघन चिदघन सुखघन राधे,
गाओ नित राधे नाम ध्याओ नित राधे।
वेदों का पुराणों का है सार नाम राधे,
सब शाखा पत्र पुष्प तरु मूल राधे।
मायाधीन राधे राधे मायातीत राधे,
मायाधीश ब्रह्म श्याम जपें राधे राधे।
रागी जपे राधे राधे वैरागी राधे,
श्यामा श्याम अनुरागी जपें राधे राधे।
भोगी जपें राधे राधे योगी जपें राधे,
राधा का वियोगी जपे राधे राधे राधे।
साधक जपें राधे राधे सिद्ध जपें राधे,
नित्य सिद्ध पार्षद जपें राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यार में भी राधे राधे खार में भी राधे,
जग व्यवहार में भी राधे राधे राधे।
उच्च स्वर राधे राधे मन्द स्वर राधे,
बिनु स्वर मन मन जपे राधे राधे।
रसना ते राधे राधे माला ते राधे,
श्वास श्वास ते सदा जपे राधे राधे।
दिन को भी राधे राधे रात को भी राधे,
साँझ को भी राधे राधे भोर को भी राधे।
भुक्ति मुक्ति माँगो जनि माँगो रति राधे,
श्याम मिलन चाहो जपो राधे राधे।
भुक्ति कामी जपे राधे मुक्ति कामी राधे,
राधाकृष्ण भक्तिकामी जपे राधे राधे।
शिष्य जपें राधे राधे गुरु जपें राधे,
आदि जगद्गुरु कृष्ण जपें राधे।
कोटि रमा उमा सरस्वती रटे राधे,
कोटि विधि हरि हर जपे राधे राधे।
मेरी भी है राधे तेरी भी राधे,
उसकी भी है राधे सब की है राधे।
सब देवी देवता की जननी है राधे,
मेरी राधा सम तो है केवल राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

ब्रह्म जपे राधे ब्रह्माणी जपे राधे,
विष्णु जपे राधे रमा भी राधे।
शिव जपे राधे पार्वती जपे राधे,
भक्त जपे राधे राधे मुक्त जपे राधे।
सोते श्याम रोम रोम बोले राधे राधे,
कोटि उमा रमा सरस्वती जपे राधे।
सुरों की भी है राधे असुरों की राधे,
नर नारायण की भी है राधे।
निर्गुण की भी राधे सगुण की राधे,
प्राकृत गुण वालों की राधे।
बद्ध की भी राधे मुक्त की भी राधे,
पतित 'कृपालु' की भी आधार राधे॥

(मेरी राधे मेरी राधे प्रेम अगाधे)

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे रानी वृन्दावन ठकुरानी,
जाकी कोटि कमला भवानी नौकरानी।
राधे रानी वृन्दावन ठकुरानी,
जाकी करें ठाकुर हूँ अगवानी।

राधे रानी वृन्दावन ठकुरानी,
जाके पाछे पाछे डोले सारंगपानी।
मेरी प्यारी जू की छवि एतिक प्यारी,
जाके पाछे पाछे डोलें ब्रह्म बनवारी।

राधे रानी वृन्दावन ठकुरानी,
बाँटे रसिकन ब्रज रस मनमानी।
राधे रानी वृन्दावन ठकुरानी,
जाकी कोटि कमला भवानी हैं दीवानी।
राधे रानी वृन्दावन ठकुरानी,
महरानी राधे रानी सम राधे रानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्यारी प्यारी भोरी भारी बरसाने वारी,
मोको तो है वाकी कृपा का भरोसा भारी।
मेरी तो हैं रँगीली महलनवारी प्यारी,
मैंने उन पर तन मन धन वारी।

रोम रोम चुवे ब्रज रस अस प्यारी,
पिये नित ब्रज नारी कभु बनवारी।
जब जब चले मेरी प्यारी की सवारी,
पाछे चलि बनवारी बोले जय हो प्यारी।

(मेरी राधे मेरी राधे प्रेम अगाधे)

मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाके पाछे पाछे डोलें साराँगपानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाकी कोटि कमला भवानी नौकरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
राधेरानी ठाकुरहूँ की ठकुरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाकी पद रज माँगे कमला भवानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
सब मिलि बोलो जय हो जय हो राधेरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
मेरी राधेरानी ऐसी जैसी राधेरानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
मैं हूँ राधेरानी जू की मेरी राधेरानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
राधेरानी बल मोते डरें चक्रपानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
जाको लखि गिरैं भू पै सारँगपानी।
मेरी राधेरानी प्रेम रूप रस खानी,
लखि निज छवि मोहैं आपु राधेरानी।

27

(नथवारी रंगीली...)

मैं तो प्यारी जू की प्यारी छवि पर वारी।
मैं तो प्यारी चिन्मय तनु पर वारी।
मैं तो प्यारी सुखघन तन पर वारी।
मैं तो प्यारी गोरे गोरे तनु पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की तनु दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की कारी लट पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की वेणी पर वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं तो प्यारी जू के शीशफूल पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की चूनरि पर वारी।
मैं तो प्यारी की मुकुट छवि पर वारी।
मैं तो प्यारी की मुकुट मणि पर वारी।
मैं तो प्यारी सिर मणि दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी की चंद्रिका पर वारी।
मैं तो प्यारी लर मोतिन पर वारी।
मैं तो प्यारी सिर सेंदुर पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की बिंदी पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की भृकुटिन पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की पलकनि पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की अँखियन पर वारी।
मैं तो प्यारी के रसीले दृग पर वारी।
मैं तो प्यारी के नुकीले दृग पर वारी।
मैं तो प्यारी के गँसीले दृग पर वारी।
मैं तो प्यारी के चपल दृग पर वारी।
मैं तो प्यारी कजरारे दृग पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के प्यारे दृग पर वारी।
मैं तो प्यारी मतवारे दृग पर वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं तो प्यारी रतनारे दृग पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की चितवनि पर वारी।
मैं तो प्यारी श्रुति कुण्डल पर वारी।
मैं तो प्यारी कुण्डल दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की बेसर पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की नथ छवि पर वारी।
मैं तो प्यारी मुक्ताहल पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के अधरन पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के दशनन पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की मुख छवि पर वारी।
मैं तो प्यारी मृदु मुसुकनि पर वारी।
मैं तो प्यारी मृदु बोलनि पर वारी।
मैं तो प्यारी के चिबुक तिल पर वारी।
मैं तो प्यारी गर दुलरी पर वारी।
मैं तो प्यारी गर तिलरी पर वारी।
COPYRIGHT
मैं तो प्यारी मणि हारन पर वारी।
RADHA GOVIND SAMITI
मैं तो प्यारी जू की कंचुकि पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की किंकिनि पर वारी।
मैं तो प्यारी किंकिनि मणि पर वारी।

मैं तो प्यारी किंकिनि दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी किंकिनि धुनि पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की सारी पर वारी।
मैं तो प्यारी कर कंकन पर वारी।
मैं तो प्यारी कंकन मणि पर वारी।
मैं तो प्यारी कंकन दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी कर चूरिन पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की मुँदरिन पर वारी।
मैं तो प्यारी मुँदरिन दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी कर मेहँदी पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के चरनन पर वारी।
मैं तो प्यारी पग मृदुता पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की पायल पर वारी।
मैं तो प्यारी पायल दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी पायल धुनि पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की बिछुवनि पर वारी।
मैं तो प्यारी बिछुवनि दुति पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के पद नख पर वारी।
मैं तो प्यारी पद नख दुति पर वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं तो प्यारी की मिहावरि पर वारी।
मैं तो प्यारी पग पिय सिर पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के नख शिख पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के गावन पर वारी।
मैं तो प्यारी जू के नर्तन पर वारी।
मैं तो प्यारी भोरेपन पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की रूठनि पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की जूठनि पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की करुणा पर वारी।
मैं तो प्यारी जू की ममता पर वारी।
मैं तो प्यारी के सुभायन पर वारी।
मैं तो प्यारी रस वारी पर वारी।
मैं तो प्यारी रति वारी पर वारी।
मैं तो प्यारी के पचीस गुण पर वारी।
मैं तो प्यारी पै जो वारी वा पै वारी।
मैं तो प्यारी अरु पिय जोरी पर वारी।
मैं तो प्यारी अरु पिय यारी पर वारी।
मैं तो प्यारी पिय गलबाँही पर वारी।
मैं तो प्यारी पिय भेंटन पर वारी।
मैं तो प्यारी की 'कृपालु' गति पर वारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

28

(मेरी बरसाने वारी...)

जपैं नँदनंदन राधे राधे राधे राधे।
जपैं यदुनंदन राधे राधे राधे राधे।
जपैं मधुसूदन राधे राधे राधे राधे।
जपैं जगवंदन राधे राधे राधे राधे।
जपैं चतुरानन राधे राधे राधे राधे।
जपैं पंचानन राधे राधे राधे राधे।
जपैं षट् आनन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सप्त ऋषिगन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अष्ट वसुजन राधे राधे राधे राधे।
जपैं नव ग्रह जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं दिक् पाल जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सब रुद्रगन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सहस्रानन राधे राधे राधे राधे।
जपैं गज आनन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रज गोपी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं साकेत जन राधे राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जपैं गोलोक जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं विष्णुलोक जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं शिवलोक जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं परव्योम जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रह्मलोक जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं मृत्युलोक जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं प्रजापति जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं पण्डित जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अग्निपुत्र जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अद्वैती जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं द्वैतवादी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं द्वैताद्वैती जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं निराकारी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं साकारी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सब संत जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रजगोपन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रज गोधन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रज बछरन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रज वृक्षन राधे राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जपैं ब्रज पक्षिन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रज कीटन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रजवासी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रज वृद्ध जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रज रसिकन राधे राधे राधे राधे।
जपैं हरि हरिजन राधे राधे राधे राधे।
जपैं बड़भागी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं शिव गोपी बन राधे राधे राधे राधे।
जपैं जपी तपी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं महायोगी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ज्ञानी ध्यानी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ऋषि मुनि जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं कोटि रमागन राधे राधे राधे राधे।
जपैं कोटि उमागन राधे राधे राधे राधे।
जपैं शुक मन मन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रह्मलीन जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं मायामुक्त जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं गुणातीत जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं शुद्ध बुद्ध जन राधे राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जपैं पार्षद जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं नित्य मुक्तजन राधे राधे राधे राधे।
जपैं वीतराग जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सिद्धिकामी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं साधक जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं नित्य सिद्ध जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अनुरागी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं वेद की ऋचन राधे राधे राधे राधे।
जपैं वैरागी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सज्जन जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं मधुपुरी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं द्वारवती जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सब तीर्थजन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्रह्मचारी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं गृहवर्णी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं वाणप्रस्थी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सन्यासी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं शमी दमी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं निर्ग्रन्थजन राधे राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जपैं आत्माराम जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं आप्तकाम जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सनकादि जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं नेमी प्रेमी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं यमी दमी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं आर्त भक्त जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं जिज्ञासु जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अर्थार्थी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं शुद्ध मन जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं महापापी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं स्थितप्रज्ञ जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं मुक्तिकामी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं मायाधीन जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं मायातीत जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं योगी भोगी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं रागी त्यागी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अज्ञ विज्ञ जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अनाचारी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं दुराचारी जन राधे राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जपैं भ्रष्टाचारी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सदाचारी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं जड़ चेतन राधे राधे राधे राधे।
जपैं जीवनधन राधे राधे राधे राधे।
जपैं गोपी प्राणधन राधे राधे राधे राधे।
जपैं राधिकाधन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सतयुग जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं त्रेता जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं द्वापर जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं कलियुग जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं ब्राह्मण जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं क्षत्रिय जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सब वैश्य जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं सब शूद्रजन राधे राधे राधे राधे।
जपैं चाण्डाल जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं पापाचारी जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अतिशुद्ध जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं दिव्य मन जन राधे राधे राधे राधे।
जपैं अज्ञानी जन राधे राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जपैं विज्ञानी जन राधे राधे राधे राधे।
जपे जा 'कृपालु' मन राधे राधे राधे राधे।

29

(जय जय पिय प्यारी)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे,
राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
कारण रहित तू तो कृपा करे राधे,
कारण हटा दे राधे प्रेम भिक्षा दे।
मैं तो हूँ सदा ते महापातकि राधे,
तेरा हो न अपयश पावन बना दे।
तेरे प्रेम बिनु जीवन ना दे राधे,
ऐसे जीवन ते तो मौत दिला दे।
तू तो उर ही में रह सूर्य सम राधे,
माया तम उर रह कैसे बता दे।
तू ही जाने तोको कोउ जाने नहिं राधे,
जाने सोइ जाको कभू तू ही जना दे।
तोको जाने बिनु कैसे मानें हम राधे,
माने बिनु कैसे प्रेम होय बता दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तव विमुखन जन संग ना दे राधे,
चाहे अग्नि ज्वाला में मोहिँ जला दे।
पतितन हित तुम फेंट कसे राधे,
मो सो पतित कौन नाम बता दे।
दीनबंधु नाम सुनि आया द्वार राधे,
या तो बंधु बनु या तो नाम हटा दे।
सदाचार गोपियों का देखा कौन राधे,
जिन्हें अपनाया टुक मोहिँ बता दे।
विधि हरि हर तोहिँ जानें नहिं राधे,
मैं तुच्छ जीव कैसे जानूँ बता दे।
बुद्धि की प्रकाशक तुम ही तो राधे,
बुद्धि हो प्रकाशिका कैसे बता दे।
तेरा ज्ञान चह नहिं चह प्रेम राधे,
ज्ञानी चह तेरा ज्ञान वाय जना दे।
COPYRIGHT
तुम को तो तुम जानो सूधी बात राधे,
RADHA GOVIND SAMITI
चारों वेद तोको नेति नेति बता दे।
अपनी स्वरूप शक्ति याय दे दे राधे,
सोइ तोहिँ जाने सोइ माया भगा दे।

भुक्ति मुक्ति बैकुंठ माँगूँ नहिं राधे,
निज दासी दासी दासी दासी बना दे।
सात स्वर्ग पाँच अपवर्ग ना दे राधे,
ब्रज गोपी ते गोपी प्रेम दिला दे।
बहुत सताया तेरी माया ने राधे,
निज योगमाया ते माया भगा दे।
तेरा द्वार तजि जाऊँ कौन द्वार राधे,
सुर नर मुनि सब स्वारथ साधे।
तेरी कृपा ही बस मूल मंत्र राधे,
सदाचार क्या था बाल्मीकि का बता दे।
जिसको भी तू चाहे अपनाये राधे,
सच्चरित्र गणिका का क्या था बता दे।
बहुत भटक चुका अग जग राधे,
अब कर धरि निज घर पहुँचा दे।
सूर हौं 'कृपालु' सदा को ही राधे,
दिव्य दृष्टि दे निज द्वार दिखा दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

30

(नथवारी रंगीली...)

राधे राधे राधे राधे राधे राधे राधे।
राधे बिनु नहिं कल मोहिँ पल आधे।
करें बिनु कारण करुणा राधे।
रटें राधे राधे श्याम उर ध्यान साधे।
रहें राधे बिनु पूर्णब्रह्म श्याम आधे।
भाजे आवें श्याम तुम तो पुकारो राधे।
रसिकन रिझवार हमारी राधे।
राधे जू को श्याम आठों याम अवराधे।
प्रेम रूप रस सुख की हैं सिंधु राधे।
अलबेली सरकार हमारी राधे।
भोरी भारी सरकार हमारी राधे।
दीनन रखवार हमारी राधे।
पतितन पतवार हमारी राधे।
वृषभानुदुलार हमारी राधे।
बाधा एकहुँ न शरण गहे राधे।
करु करुण पुकार भाजी आवें राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

खाते पीते सोते जागते रटे जा राधे।
काँपे माया काल सुनि नाम राधे राधे।
निज सेवा दे और कछु ना दे राधे।
मैं भिखारी तू है दाता तोहिँ का दे राधे।
मैं या मेरा सब कछु है तिहारो राधे।
तेरा तोहिँ दे 'कृपालु' जग हँसे राधे॥

31

(बलिहार युगल सरकार...)

बलिहार गौर सरकार जेहि चाकर नंदकुमार।
हम तो अधमन सरदार तुम अधम उधारन हार।
हम अहंकार साकार तुम दीनन की रखवार।
हम चह करुणा सरकार तुम करुणा की अवतार।
हम चह अपनो अधिकार तुम दे दो दास्य हमार।
हम भी हैं अंश तिहार तुम पर हमरो अधिकार।
हम भिक्षुक माँगत प्यार तुम देहु प्यार उपहार।
हम नहिं चह मुक्तिहुँ चार तुम अपनो मानि निहार।
हम ऋणियाँ सदा तिहार तुम हो मम साहूकार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हम क्या दें भिक्षु तिहार तुम ही हो दाता हमार।
हम करत जगत सों प्यार तुम प्रणत प्यार बलिहार।
हम खात रात दिन मार तुम देखति मात हमार।
हमने किये पाप अपार तुम हो पतितन पतवार।
हम न्याय न चह दरबार तुम करहु कृपा सरकार।
हम मानत नहिं आभार तुम किय अगनित उपकार।
हम जग भटकत गये हार तुम ही सुनु पतित पुकार।
हम चह सुत वित पति नार तुम चह इक मोहिँ उर धार।
हम शिशु नवजात तिहार तुम समरथ मातु हमार।
हम पर माया अधिकार तुम कहँ दिय जासु बिसार।
हम आये शरण तिहार तुम राखो लाज हमार।
हम जनम सूर सरकार तुम पकरहु हाथ हमार।
हम तो अति निपट गमार तुम तो विधि मन बुधि पार।
हम चहत टहल ब्रजनार तुम सुन लो विनय हमार।
हम जानत भानुदुलार तुम कर पतितन सों प्यार।
हम भटकि चुके सब द्वार तुम बिनु नहिं हितू हमार।
हम मानत दोष हमार तुम परखत भुजन पसार।
हम क्या बिनु कृपा तिहार तुमको को जाननिहार।
हम अपराधन आगार तुम क्षमा रूप साकार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

हम पाप रूप साकार तुम करुणा की अवतार।
हम अज्ञ 'कृपालु' बिसार तुम जनि निष्ठुरता धार॥

32

(पिया मोहि। प्रेम दान जनि दीजै)

राधे राधे राधे राधे राधे राधे राधे।
प्रेम रूप रस राधे राधे राधे।
राधे राधे प्रेम अगाधे राधे राधे।
भूलूँ न तोहिं पल आधे राधे राधे।
तुम भी न भूलो मोहिं राधे राधे राधे।
प्रेम सुधा दे राधे राधे राधे।
छोड़ूँ नहिं पाछा अब राधे राधे राधे।
तू ही रति गति मति राधे राधे राधे।
अगति की गति तू ही राधे राधे राधे।
पतितपावनी राधे राधे राधे।
छवि को भी छवि दे राधे राधे राधे।
रस को भी रस दे राधे राधे राधे।
सुख को भी सुख दे राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कर्मिहिं स्वर्ग दे राधे राधे राधे।
ज्ञानिन मुक्ति दे राधे राधे राधे।
कृपाकारिणी राधे राधे राधे।
अधम उधारिनि राधे राधे राधे।
सृष्टिकारिणी राधे राधे राधे।
जगतपालिनी राधे राधे राधे।
जग संहारिणि राधे राधे राधे।
विधि विधिता दे राधे राधे राधे।
हरि हरिता दे राधे राधे राधे।
शिव शिवता दे राधे राधे राधे।
गोपिन जीवनि राधे राधे राधे।
दाता तू इक राधे राधे राधे।
सतघन चितघन राधे राधे राधे।
आनंदघन तन राधे राधे राधे।
प्राण प्राण तू राधे राधे राधे।
मम स्वामिनि तू राधे राधे राधे।
मैं दासी तव राधे राधे राधे।
जग व्यापक तू राधे राधे राधे।
सब उरपुर बस राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

अंतर्यामिनि राधे राधे राधे।
रसिक जनन धन राधे राधे राधे।
तव सम तू ही राधे राधे राधे।
ब्रजरस स्वामिनि राधे राधे राधे।
कुंज विहारिणि राधे राधे राधे।
रास विहारिणि राधे राधे राधे।
सँग ब्रज भामिनि राधे राधे राधे।
तनु दुति दामिनि राधे राधे राधे।
चंपक वरनी राधे राधे राधे।
रसिक रँगीली राधे राधे राधे।
गुन गर्वीली राधे राधे राधे।
छैल छबीली राधे राधे राधे।
अति अलबेली राधे राधे राधे।
पिय सँग प्यारी राधे राधे राधे।
कनक मुकुट सिर राधे राधे राधे।
कर्मन फल दे राधे राधे राधे।
मायाहारिणि राधे राधे राधे।
करुणाकारिणि राधे राधे राधे।
विश्व विमोहिनि राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुकुट मणिन दुति राधे राधे राधे।
शीश चन्द्रिका राधे राधे राधे।
शीश फूल सिर राधे राधे राधे।
लर मुक्तन सिर राधे राधे राधे।
सिर वेणी छवि राधे राधे राधे।
कुसुमनि वेणी राधे राधे राधे।
सिर सेंदुर भल राधे राधे राधे।
भालहिं बेंदी राधे राधे राधे।
भृकुटि मटक भल राधे राधे राधे।
कर्णफूल श्रुति राधे राधे राधे।
कजरारे दृग राधे राधे राधे।
रतनारे दृग राधे राधे राधे।
नैन रसीले राधे राधे राधे।
नैन गँसीले राधे राधे राधे।
दृग मतवारे राधे राधे राधे।
दृग छलकत रस राधे राधे राधे।
भोरी चितवनि राधे राधे राधे।
नासा बेसर राधे राधे राधे।
नथ मोतिन लर राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मुक्ताहल भल राधे राधे राधे।
मृदु मुसकनि मुख राधे राधे राधे।
दसनन दमकनि राधे राधे राधे।
चिबुक एक तिल राधे राधे राधे।
मणि कंकण कर राधे राधे राधे।
चुरिन मणिन कर राधे राधे राधे।
पहुँची चमकनि राधे राधे राधे।
अँगुरिन मुँदरिन राधे राधे राधे।
करतल मेहँदी राधे राधे राधे।
गर लर मोतिन राधे राधे राधे।
मणिन हार गर राधे राधे राधे।
चन्द्रहार गर राधे राधे राधे।
सुमन माल गल राधे राधे राधे।
उर कंचुकि छवि राधे राधे राधे।
मणि किंकिणि कटि राधे राधे राधे।
कटि लहँगा भल राधे राधे राधे।
नील वसन तन राधे राधे राधे।
पग पायल भल राधे राधे राधे।
अँगुरिन बिछुवनि राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

चरण मिहावरि राधे राधे राधे।
पग नखमणि दुति राधे राधे राधे।
टपके रस तनु राधे राधे राधे।
गति गजगामिनि राधे राधे राधे।
छवि अभिरामिनि राधे राधे राधे।
श्यामहुँ स्वामिनि राधे राधे राधे।
पिय मन मोहिनि राधे राधे राधे।
निज मन मोहिनि राधे राधे राधे।
पिय कह बलि बलि राधे राधे राधे।
पिय कह जय जय राधे राधे राधे।
पिय चापत पग राधे राधे राधे।
पिय रिझवत नित राधे राधे राधे।
पिय स्वागत कर राधे राधे राधे।
पिय आरति कर राधे राधे राधे।
पिय पग लोटत राधे राधे राधे।
अति 'कृपालु' मम राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे राधे राधे राधे राधे

33

मेरी बरसाने वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मेरी प्रानन प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मेरी अति भोरी भारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मेरी अति सुकुमारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
कनक मुकुट वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मुकुट मणिन वारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
लट घुँघुरारी कारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
शीश फूल वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
घुँघरारी वेणी वारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मोतिन लर वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
बिन्दी अरुणारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
दृग काजर वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
अँखियाँ कजरारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
अँखियाँ मतवारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
चितवनि छवि न्यारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
श्रुति कुण्डल वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
नासा नथवारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

बेसर छवि प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मृदु मुसकनि वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
दशनन दुति वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
कर कंकन वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
कर चूरिन वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
कर पहुँची वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मुँदरिन दुति वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
मणि मूँदरिन वारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
कर मेहँदी वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
गर दुलरी वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
गर तिलरी वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
माला मणि वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
उर कंचुकि वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
कटि किंकिणि वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
नीलाम्बर वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
पग पायल वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
बिछुवनि छवि न्यारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
जावक अरुणारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
पग जावक वारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सिर चूनरि वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
सोरहों श्रृंगार वारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
हंस गवनि वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
प्रेम सुधा वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
रूप सुधा वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
स्वामिनि बनवारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
रट नित बनवारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
रोवें कहि बनवारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
पिय करें जयकारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
गावें गुन बनवारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
सेवें सब ब्रजनारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
जापै वारी बनवारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
जापै कोटि रति वारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
जापै आपु प्यारी वारी, प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।
हौं हूँ हौं 'कृपालु' वारी प्यारी प्यारी प्यारी प्यारी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे राधे राधे राधे राधे

34

(दीन की, सुन लो दीनानाथ)

तू ही मेरी मैं भी तेरी मेरी प्यारी राधे।
बने नहिं मेरी तेरी कृपा बिनु राधे।
मोरी ओर करु टुक कृपाकोर राधे।
तोरी कृपाकोर को न ओर छोर राधे।
कृपा ते ही बना तोरा तन मन राधे।
तू तो है 'कृपालु' सब दिन ही ते राधे।

35

हमारी राधे जू हमारी राधे जू।
मन उनहिंन चरण शरण गहु तू।
अशरण की शरण राधिके तू।
पतितन अपनावनहारिणि तू।
मेरी गति मेरी मति मेरी रति है तू।
काहुहिं बल काहुहिं मम बल तू।
बिनु कारण कृपाकारिणी तू।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भाजति सुनि क्रंदन जन को तू।
शरणागत जन की सुधि ले तू।
कृपा करि हमरिहुँ सुधि ले तू।
दे आनंदहुँ आनंदहिं तू।
दे रसिक शिरोमणि को रस तू।
जग के दाता की दाता तू।
जगमोहन मोहन मोहिनि तू।
तव जन अगनित मम इक है तू।
चाहूँ तव सुख अस वर दे तू।
सातहुँ स्वर्गहुँ सुख ना दे तू।
पाँचहुँ मुक्तिहुँ सुख ना दे तू।
बैकुण्ठहुँ सुख मोहिं ना दे तू।
निज महल की टहल दिला दे तू।
बरसानो वास दिला दे तू।
वृन्दावन वास दिला दे तू।
उर बाँकी झलक दिखा दे तू।
मम दर्शन प्यास बढ़ा दे तू।
तुम बिन मोहिं जीना ना दे तू।
टुक गोपी प्रेम दिला दे तू।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

निष्काम प्रेम सिखला दे तू।
ब्रजरस इक बूँद पिला दे तू।
जो दे तो प्रेम सुधा दे तू।
निज गोपी जन सेवा दे तू।
जित देखूँ दीखे तू ही तू।
छवि को भी छवि दे राधे तू।
रस को भी रस दे राधे तू।
सुख को भी सुख दे राधे तू।
विधि को दे विधिता राधे तू।
हरि को दे हरिता राधे तू।
शिव को दे शिवता राधे तू।
है उमा स्वामिनी राधे तू।
है रमा स्वामिनी राधे तू।
ब्रह्माणी स्वामिनि राधे तू।
सनकादिक स्वामिनि राधे तू।
हौं 'कृपालु' तव मम राधे तू।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

36

(हमारी राधे जू)

मेरी राधारानी मेरी राधारानी।
राधारानी ठाकुरहूँ ठकुरानी।
राधा प्रेम रूप रस की खानी।
रस को भी रस दे राधारानी।
छवि को भी छवि दे राधारानी।
मोहनहूँ मोहिनी राधारानी।
मेरी राधारानी सम मेरी राधारानी।
राधारानी सम नहिं अवढर दानी।
मेरी राधारानी तो ब्रजरस खानी।
जाकी श्री वृन्दावन रजधानी।
जाकी ब्रह्म श्याम करें अगवानी।
जाको पग चापैं साराँगपानी।
जाकी ब्रह्माणी रुद्राणी वाणी नौकरानी।
राधारानी महरानीहूँ की महरानी।
सारे जग की है रानी मेरी राधारानी।
राधारानी मेरी स्वामिनि अब जानी।
अति ही 'कृपालु' प्यारी राधारानी।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

37

(मेरी राधारमण सो यारी...)

नथवारी पर वारी बनवारी।
बनवारी पर वारी वारी प्यारी।
पिय प्यारी पर वारी ब्रजनारी।
पिय प्यारी ब्रजनारी पर वारी।
बनवारी ध्यावें नित छवि प्यारी।
बनवारी छवि ध्यावें नित प्यारी।
बनवारी कह भज सुकुमारी।
सुकुमारी कह भज बनवारी।
जो हैं पिय प्यारी पर वारी।
उन पर 'कृपालु' हैं वारी।।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे राधे राधे राधे।
राधे राधे राधे राधे राधे।
राधे राधे प्रेम अगाधे।
राधे राधे राधे प्रेम अगाधे।

38

(भजु गौरांग...)

जय राधे जय राधे राधे,
जय राधे जय श्री राधे।
गति गजगामिनि छवि अभिरामिनि,
ब्रज रस स्वामिनि श्री राधे।
रस बरसाने वारी राधे,
बरसाने वारी राधे।
प्यारी प्यारी प्यारी राधे,
नथ बेसर वारी राधे।
गोरी गोरी भोरी भोरी,
रति रस बोरी श्री राधे।
सरस किशोरी पिय चित चोरी,
स्वामिनि मोरी श्री राधे।
तू मोरी मैं तोरी राधे,
लखु मम ओरी श्री राधे।
वृंदाविपिन विहारिणि राधे,
करुणाकारिणि श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

प्रेम सुधा की रूप सुधा की,
सारस्वरूपा श्री राधे।
ठाकुरहूँ की ठकुरानी तू,
महरानी रानी राधे।
शिशु बनि रो कर जोइ कह राधे,
उर लगाय तेहि श्री राधे।
अब नहिं छोड़ूँ पाछा राधे,
कान खोल सुन श्री राधे।
तू ही मेरी थी है राधे,
रहेगी तू ही श्री राधे।
निज दासी 'कृपालु' दासी की,
दासी मानहु श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भोरी भारी भानुदुलारी,
प्यारी प्यारी श्री राधे।
अति सुकुमारी चूनरि वारी,
नथ बेसर वारी राधे।

जब प्यारी की चलत वारी,
बनवारी कह जय राधे।
हा हा खात परत सखियन,
मान करति जब श्री राधे।
नवल निकुंज विहारिणि राधे,
शरणागत कारिणि राधे।
गहवर विपिन विहारिणि राधे,
मोहन मनहारिणि राधे।
पिय 'कृपालु' अति ही व्याकुल कह,
क्षमा करहु अब श्री राधे॥

39

राधे रानी राधे रानी राधे रानी राधे रानी।
ठकुरानी महरानी रसखानी राधे रानी।
सुखदानी ब्रजरानी वरदानी राधे रानी।
भज वाणी ब्रह्माणी रुद्राणी राधे रानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

40

राधे राधे श्री राधे राधे राधे।
राधे राधे राधे, राधे राधे,
राधे राधे राधे, राधे राधे श्री राधे राधे राधे।
वेद जेहि कह ब्रह्म सोऊ,
पायो नहिं तव पार राधे, श्री राधे राधे राधे।
ब्रह्म तो रस था अस श्रुति कह,
रस को रसिक बनायो राधे, श्री राधे राधे राधे।
रूप अगनित धरि हरि जाको,
पार नहिं पायो अस राधे, श्री राधे राधे राधे।
जाकी पद रज चहत हरि हर,
सोउ चह तव पदरज राधे, श्री राधे राधे राधे।
राधे सम नहीं भोरी भारी,
राधे सम नहीं प्यारी राधे, श्री राधे राधे राधे।
राधे सम नहीं कोऊ दाता,
राधे सम नहीं कोउ माता राधे, श्री राधे राधे राधे।
प्राण सम मम श्याम प्यारे,
प्राणहूँ ते प्यारी मम राधे, श्री राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भूले भगवत्ता हरि जेहि लखि,
सोई छवि निधि मेरी राधे, श्री राधे राधे राधे।
गावो छिन छिन नाम राधे,
ध्यावो छिन छिन रूप राधे,श्री राधे राधे राधे।
अगति की गति तू ही राधे,
तोहिँ तजि कित जावुँ राधे, श्री राधे राधे राधे।
अब न छोडुँ पाछा तेरा राधे,
प्यार करे या मारे मोहिँ राधे, श्री राधे राधे राधे।
अस वर दे वरदे मोहिं राधे,
तोसों कभु कछु नाहिं माँगूँ, श्री राधे राधे राधे।
माँगूँ भुक्ति न मुक्ति राधे,
माँगूँ तव पद प्रेम राधे, श्री राधे राधे राधे।
मुक्ति ना दे भुक्ति ना दे,
रस की बूँद पिला दे मोहिं राधे,श्री राधे राधे राधे।
COPYRIGHT
रा सुनत हरि भागे आवें,
RADHA GOVIND SAMITI
धे सुनत कह संग राधे, श्री राधे राधे राधे।
कोटि अमृत रसहु नहिं मिल,
जो मिलत रस नाम राधे, श्री राधे राधे राधे।

कोटि ब्रह्मानन्द वारौं,
अस सरस यह नाम राधे, श्री राधे राधे राधे।
रसो वै सः कहत श्रुति जेहि,
सोइ जपत नित नाम राधे, श्री राधे राधे राधे।
मेरा बल तेरा नाम राधे,
काउ दिन आना होगा तोहिं राधे, श्री राधे राधे राधे।
श्याम जब सो जाय तनु के,
रोम प्रति कह राधे राधे, श्री राधे राधे राधे।
गाऊँ तव लीला नित नव नव,
पाऊँ तव सखि पद रज राधे, श्री राधे राधे राधे।
खाऊँ माँगुँ मधुकरी घर घर,
सोऊँ नवल निकुंजनि राधे, श्री राधे राधे राधे।
खाऊँ नित जूठन तव राधे,
पाऊँ नित चरणोदक राधे , श्री राधे राधे राधे।
हमरी ओर न हेरो राधे,
अपनी ओर निहारो मेरी राधे, श्री राधे राधे राधे।
मो सो कोउ याचक नहिं राधे,
तो सो अवढर दानी नहिं राधे, श्री राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मायावश मैं तो भूला राधे,
तूने काहे भुलाया मोहिँ राधे, श्री राधे राधे राधे।
तेरी बिनु अनुकम्पा राधे,
कौन बना तेरा नाम बता दे, श्री राधे राधे राधे।
तेरा प्रेम अमोलक राधे,
साधना ते मिले नहिं राधे, श्री राधे राधे राधे।
तू द्रवै साधन बिनु राधे,
क्यों कृपण भई मम हित राधे, श्री राधे राधे राधे।
हौं हठी अति तव सुत राधे,
देना होगा दर्शन राधे, श्री राधे राधे राधे।
दिये पतितन ने ही तो कह,
पतित पावन नाम राधे, श्री राधे राधे राधे।
मो सो भिक्षुक नहिं राधे,
तो सो भी दाता नहिं राधे, श्री राधे राधे राधे।
द्वार तव जो आया राधे,
खाली हाथ गया नहिं राधे, श्री राधे राधे राधे।
रो रो तोहिं रिझाऊँ राधे,
अस वर दे वरदे मोहिं राधे, श्री राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जाओ पुनि पुनि धाम राधे,
भाव रहे निष्काम राधे, श्री राधे राधे राधे।
जनि चहहु सुख स्वर्ग राधे,
जनि चहहु अपवर्ग राधे, श्री राधे राधे राधे।
तू पतित पावनि श्री राधे,
हौं पतित सिरमौर राधे, श्री राधे राधे राधे।
पतित पावनि तोसी राधे,
हो जो कोई नाम बता दे, श्री राधे राधे राधे।
तुम कृपालु अकारण राधे,
करहु कृपा मोहूँ पर राधे, श्री राधे राधे राधे।
तू कृपा की मूरति राधे,
हमरी बेर कृपण क्यों राधे, श्री राधे राधे राधे।
तू तो रह उर में ही राधे,
आजा बाहर मेरी राधे, श्री राधे राधे राधे।
COPYRIGHT
पतित पावनि जानि तो कहँ,
RADHA GOVIND SAMITI
बेधड़क किये पाप राधे, श्री राधे राधे राधे।
तू ही मेरी मैं भी तेरी,
काहे मोहे भुलाया मेरी राधे, श्री राधे राधे राधे।

तेरा तो मैं था ही राधे,
मेरी भी तू बनुँ मेरी राधे, श्री राधे राधे राधे।
तेरे तो अगणित जन राधे,
मेरी तो इक तु ही मेरी राधे, श्री राधे राधे राधे।
मोको जग जानत तव राधे,
होत बड़ अपयश तव राधे, श्री राधे राधे राधे।
तू तो बिनु कारण करुणाकर,
पुनि क्यों कर बेर राधे, श्री राधे राधे राधे।
दासी मारे तव तव सुत राधे,
तोसों देखा जाय कस राधे, श्री राधे राधे राधे।
शिशु न जाने माँ को राधे,
माँ ही वाय जनावति राधे, श्री राधे राधे राधे।
माना मैं छत्तिस हूँ तुझसे,
तू बना दे तिरसठ राधे, श्री राधे राधे राधे।
हों 'कृपालु' कुपूत जगत बहु,
हों कुमात न जगहुँ राधे, श्री राधे राधे राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

41

(तू ही तू ही...)

राधारानी मेरी राधारानी मेरी राधारानी।
राधारानी मेरी राधारानी मेरी राधारानी॥
ब्रजरस देना ना हो अभी यदि राधारानी।
ब्रजरस दूँगी यह कह तो दे राधारानी॥
ब्रजरस दूँगी यदि नहिं कहु राधारानी।
ब्रजरस नहिं दूँगी यही कहु राधारानी॥
ब्रजरस दे या ना दे इच्छा तेरी राधारानी।
कहने में कहा घटि जाय तेरो राधारानी॥
कहना न चाहे यदि जनि कहु राधारानी।
तू ही मेरी थी है तू ही रहेगी भी राधारानी॥
मैं तो हूँ हठीला अति तव शिशु राधारानी।
एक दिन ब्रजरस देना होगा राधारानी॥
दान दिये धन बाढ़ै श्रुति कह राधारानी।
कहत 'कृपालु' क्यों कृपण भई राधारानी॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

42

(ठाकुर युगल किशोर...)

जय राधे जय राधे राधे, जय राधे जय श्री राधे।
नहिं भूलूँ तोहिं पलहूँ आधे, करहूँ कृपा अस श्री राधे।
तू ही मेरी मैं तो तेरी, जैसे सूर्यकिरण राधे।
तू ही मेरी मैं तो तेरी, जैसे जल तरंग राधे।
तुम अनादि हो मैं अनादि हूँ, फिर भी मैं तव सुत राधे।
तुम बिनु कारण करुणा कारिणि, करु मोपै करुणा राधे।
माना मैं हूँ पतित तुमहुँ तो, पतित पावनि हो राधे।
महल टहलिनी मोहिं बना दे, लेउँ बलैया श्री राधे।
कुंज कुंज बिच कुंज विहारिणि, विहरति नित प्रति श्री राधे।
पूरब राधे पश्चिम राधे, उत्तर राधे दक्षिण राधे।
ऊपर राधे नीचे राधे, जित देखूँ तित श्री राधे।
कहँ लौं कह 'कृपालु' तू तो है, ब्रज कण कण महँ श्री राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

43

(बलिहार युगल सरकार...)

पाहि मां श्यामा श्याम पाहि मां श्यामा श्याम,
पाहि मां श्यामा श्याम पाहि मां श्यामा श्याम।
त्राहि मां श्यामा श्याम त्राहि मां श्यामा श्याम,
त्राहि मां श्यामा श्याम त्राहि मां श्यामा श्याम ॥

44

(जय जय पिय प्यारी...)

जय जय रस खानी सुख दानी,
श्री वृन्दावन महरानी।
जय जय ठकुरानी ब्रजरानी,
ब्रज रस की अवढर दानी।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय जय गजगामिनि अभिरामिनि,
तनु दुति दामिनि श्री राधे।

जय जय रस कामिनि सँग भामिनि,
सोइ मम स्वामिनि श्री राधे।
जय जय रति रस बोरी गोरी गोरी,
भोरी भोरी श्री राधे।
जय जय भानु किशोरी चोरी चोरी,
पिय चित चोरी श्री राधे।
जय जय गौरिहुँ गोरी भोरिहुँ भोरी,
स्वामिनि मोरी श्री राधे।
जय जय वयस की थोरी सरस किशोरी,
ब्रजरस घोरी श्री राधे।

जय जय सहज सजीली सरस रसीली,
गुन गर्बीली भानु लली।
जय जय अखियाँ लजीली परम कटीली,
छैल छबीली भानु लली।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय जय वारी वारी प्यारी प्यारी,
पिय प्रानन प्यारी प्यारी।
जय जय गति प्यारी मति प्यारी,
रति प्यारी कीरति प्यारी।

जय जय नटवारी छवि प्यारी,
वारी वारी मोर मुकुट वारी।
जय जय बलिहारी बनवारी,
कंध लकुटि कामरि कारी।

जय जय रसिक रँगीले गुन गर्बीले,
छैल छबीले छल बलिया।
जय जय नैन रसीले सरस रसीले,
सखि मन सीले छलबलिया।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे राधे राधे राधे राधे राधे

45

(सखी इक, सपनो देख्यो रात)

युगलवर छवि लखि गई बलिहार।
कनक मुकुट मणिमय मंडित दोउ,
लर मोतिन रिझवार।
दोउ नासा मुक्ताहल सोहत,
दोउ श्रुति कुण्डल धार।
दोउ गल मणिन मोतियन हीरन,
बहुरंगी हैं हार।
दोउ कर कंकण दोउ कटि किंकिणि,
दोउ पग नूपुर धार।
दोउ चितवनि मुसकनि मृदु बोलनि,
दोउ मन मोहन हार।
एक नील तनु, एक गौर तनु,
घन दामिनि अनुहार।
एक पीत पट एक नील पट,
मानहुँ छवि श्रृंगार।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

एक है नटखट एक है भोरी,
नँदनंदन सुकुमार।
इक 'कृपालु' सिर मोर मुकुट इक,
नासा नथ छविदार॥

46

नीको लागे मोको तो दिव्य ब्रज धाम।
नीको लागे मोको तो राधारानी धाम।
नीको लागैं नन्दबाबा यशुमति भाम।
नीको लागे यशुमति प्यायो दूध श्याम।
नीको लागे पलना में झूलें घनश्याम।
नीको लागे मैया झुलावें झूलें श्याम।
नीको लागे मैया सुलावें गोद श्याम।
नीको लागे सोये भोरे भारे श्याम।
नीको लागे अलसाने उठे श्याम।
नीको लागे कछु सोचि मुसकायें श्याम।
नीको लागे कारण बिनु रोयें श्याम।
नीको लागे भीर भोर दरसन श्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे अँगुठा पियत पग श्याम।
नीको लागे छी छी करें मैया गोद श्याम।
नीको लागे मैया जब चूमें मुख श्याम।
नीको लागे पूतना को पिये प्राण श्याम।
नीको लागे पूतना को दिये निज धाम।
नीको लागे गूँ गूँ करि बोलें कछु श्याम।
नीको लागे घुटुवनि चलें जब श्याम।
नीको लागे चलनो सिखावें मैया श्याम।
नीको लागे मैया कर गहि चलें श्याम।
नीको लागे खरे हौंय काँपत श्याम।
नीको लागे ठुमुकि ठुमुकि चलें श्याम।
नीको लागे चलत चलत गिरें श्याम।
नीको लागे छुटे कटि पीत पट श्याम।
नीको लागे नंगे तन नाचें जब श्याम।
नीको लागे प्रतिबिंब लखि मोहें श्याम।
नीको लागे प्रतिबिम्ब बतरायें श्याम।
नीको लागेँ नंद जिन गोद खेल्यो श्याम।
नीको लागे आँय बाँय साँय गायें श्याम।
नीको लागे तोतरि बोलनि श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे रोटी को लोटी कहें श्याम।
नीको लागे दाल को तो ताल कहें श्याम।
नीको लागे भात को पात कहें श्याम।
नीको लागे दूध को तूत कहें श्याम।
नीको लागे दाऊ को ताऊ कहें श्याम।
नीको लागे बाबा को पापा कहें श्याम।
नीको लागे मैया को अइया बोलें श्याम।
नीको लागे गैया को कैया कहें श्याम।
नीको लागे 'लाधे तलो थेलें' कहें श्याम।
नीको लागे राधे कहें 'तलो थेलें त्याम'।
नीको लागे 'मैया माल्यो लाम' कहें श्याम।
नीको लागे हँसें दुइ दँतुलिन श्याम।
नीको लागे साथ पियें दूध राम श्याम।
नीको लागे 'दुद्धू' हित झगरत श्याम।
नीको लागे नन्द दाढ़ी मूँछ खींचें श्याम।
नीको लागे नन्द कन्ध बैठें राम श्याम।
नीको लागे नन्द को बनावें घोड़ा श्याम।
नीको लागे पंक लपेटे तनु श्याम।
नीको लागे मैया डर रोवें जब श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे बिरुझानो लोटत श्याम।
नीको लागे गोद हित लोटत श्याम।
नीको लागे फेंकें वेणु पट रूठि श्याम।
नीको लागे मुख छवि रूठत श्याम।
नीको लागे रूठे श्याम पटकत पाम।
नीको लागे चंदा माँगें मैया सों श्याम।
नीको लागे जब मुँह लटकावें श्याम।
नीको लागे हौवा ते डरें जब श्याम।
नीको लागे मैया कहें मेरो लाल राम।
नीको लागे राम कहानी सुनें श्याम।
नीको लागे चोरी चोरी माटी खायें श्याम।
नीको लागे मुख में दिखावें जग श्याम।
नीको लागे ऊखल बँधे रोयें श्याम।
नीको लागे रोवें ब्रह्म श्याम सुखधाम।
नीको लागे मैया की वेणी खींचें श्याम।
नीको लागे मैया सँग मथें दधि श्याम।
नीको लागे माँगें रोटी पटकत पाम।
नीको लागे मैया कर खायें ग्रास श्याम।
नीको लागे नंद की खड़ाऊँ सिर श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे नंद को प्रणाम करें श्याम।
नीको लागे श्याम करें माँ को प्रणाम।
नीको लागे कनुआ पुकारें माय श्याम।
नीको लागे बलुआ पुकारें माय राम।
नीकी लागे जोरी भल श्याम बलराम।
नीको लागे वारे मैया राई नोन श्याम।
नीको लागे गोचारें नंगे पाम श्याम।
नीकी लागे छोटी सी लकुटि कंध श्याम।
नीको लागैं धूरि भरे तनु श्याम।
नीको लागे जब भाजें गिरें रोयें श्याम।
नीको लागे नवनि चुरावैं जब श्याम।
नीको लागे छीके लौं बड़ो होवें श्याम।
नीको लागे नवनि चुराके भाजें श्याम।
नीको लागे भाजे पाछे मैया आगे श्याम।
नीको लागे दूध नहिं पियैं भाजें श्याम।
नीको लागे दोउ कर खायें दधि श्याम।
नीको लागे कर उर मुख दधि श्याम।
नीको लागे मैया ते बोलें झूठ श्याम।
नीको लागे चोरी करि दधि खायँ श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीकी लागे बाललीला ग्वाल संग श्याम।
नीको लागे ग्वाल मानें छोटो यार श्याम।
नीको लागे आँख मिचौनी खेलें श्याम।
नीको लागे पट्टी बाँधें ग्वाल दृग श्याम।
नीको लागे ग्वाल बिच नाचें श्याम राम।
नीको लागे ग्वाल सँग खेलें गेंद श्याम।
नीको लागे कालीदह फेंकें गेंद श्याम।
नीको लागे कालीदह कूदें जब श्याम।
नीको लागे कालिया के फण नाचें श्याम।
नीको लागेँ सखा सँग खेलत श्याम।
नीको लागे सखन जितावें श्याम।
नीको लागे ग्वाल घोड़ा बनें जब श्याम।
नीको लागे ग्वालन जूठों खायें श्याम।
नीको लागे मनसुख हास्य सँग श्याम।
नीको लागे सखन चिढ़ावें कारो श्याम।
नीको लागे अँगुठा दिखावें ग्वाल श्याम।
नीको लागे कहें ग्वाल द्वै बाप श्याम।
नीको लागे कहें ग्वाल परो पायो श्याम।
नीको लागे गाम को गमार जनु श्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे हारेँ आपु रोयें आपु श्याम।
नीको लागे हारेँ श्याम देंय नहिं दाम।
नीको लागे पुनि पुनि हारेँ रोवें श्याम।
नीको लागे ग्वाल मनावें रोते श्याम।
नीको लागे पाछे ग्वाल आगे भागें श्याम।
नीको लागे जीति चिढ़ावें ग्वाल श्याम।
नीको लागे जानि जानि हारें खेल श्याम।
नीको लागे 'गिरि में मैं' सिद्ध किये श्याम।
नीको लागे गोवर्धन बने श्याम।
नीको लागे इन्द्र पूजा बंद किये श्याम।
नीको लागे इन्द्र माँगे क्षमा पग श्याम।
नीको लागे गिरिराज बनि पूजें श्याम।
नीको लागे गोवर्धन दिव्यधाम।
नीको लागे दावानल पान किये श्याम।
नीको लागे खेल खेल मार्‍यो दैत्य श्याम।
नीको लागे दैत्य मरि पावें हरि धाम।
नीको लागे दाऊ भैया डाँटें जब श्याम।
नीको लागे मारा मारी करें राम श्याम।
नीको लागे मल्ल युद्ध राम श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे होड़ दौड़ श्याम बलराम।
नीको लागे होड़ मुट्ठी खोलें राम श्याम।
नीको लागे नाचें दोउ सँग राम श्याम।
नीको लागे राम पकरें कान श्याम।
नीको लागे गैयन दुहें दूध श्याम।
नीको लागे मुरली बजावें जब श्याम।
नीको लागे राधे को बुलावें वेणु श्याम।
नीको लागे राधे जू ते हारें खेल श्याम।
नीको लागे बड़ी दुलहिनि माँगें श्याम।
नीको लागे 'माय गोरो करु' कह श्याम।
नीको लागे माँगें छाछ श्याम पूर्णकाम।
नीको लागे छाछ दै नचावें ब्रज बाम।
नीको लागे गोपी छाछ ना दे माँगें श्याम।
नीको लागे माँगें दधि पावें गारी श्याम।
नीको लागे तारी दै नचावें ब्रज बाम।
नीको लागे गोमय टीका मुख श्याम।
नीको लागे जायें आपु घर घर श्याम।
नीको लागे श्याम परें ब्रजबाम पाम।
नीको लागे बामा कहें चोर जार श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे जब बामा लर तोरें श्याम।
नीको लागे स्वामी श्याम बनें दास बाम।
नीको लागे मारे बाम गुलचन श्याम।
नीको लागे गोपी पति रूप धरें श्याम।
नीको लागे बामा लखें इकटक श्याम।
नीको लागे श्याम कह 'प्यार करु बाम'।
नीको लागे गोपी मानें साँचो यार श्याम।
नीको लागे बाँह मरोरैं श्याम बाम।
नीको लागे घूँघट पट ब्रजबाम।
नीको लागे घूँघट उठावें बाम श्याम।
नीको लागे छेड़त चलें बाम श्याम।
नीको लागे 'तू तो मेरी बाम' कह श्याम।
नीको लागे गोपी सँग खटपट श्याम।
नीको लागे खाय दधि फोरैं घट श्याम।
नीको लागे सँग बाम बरजोरी श्याम।
नीको लागे सखिन बुलावें वेणु श्याम।
नीको लागे सखिन लड़ावें नैन श्याम।
नीको लागे बामा लखि मारें आँख श्याम।
नीको लागे माँगें श्याम दधि दान बाम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे लकुटि ते फोरैं घट बाम।
नीको लागे मारैं काँकरि घट बाम।
नीको लागे 'छुओ जनि श्याम' कहें बाम।
नीको लागे ब्रह्म डोले पाछे पाछे बाम।
नीको लागे गोपी जैसा कहे करें श्याम।
नीको लागे अटपट प्रीति रीति श्याम।
नीको लागे गोपी अनुगत ब्रह्म श्याम।
नीको लागे गोपी सुख चाहैं ब्रह्म श्याम।
नीको लागे गोपियों का ऋणी कहें श्याम।
नीको लागे लँगर डगर रार बाम।
नीको लागे माँगैं प्यार कामी जनु श्याम।
नीको लागे गोपी प्रेम रस बस श्याम।
नीको लागे नंगे पाम डोलें ब्रज श्याम।
नीको लागे कह बाम लम्पट श्याम।
नीको लागे श्याम कर छोरे वेणु बाम।
नीको लागे श्याम मुख चूमें सब बाम।
नीको लागे निलज निपट कह बाम।
नीको लागे नटखट खटपट बाम।
नीको लागे कहे बाम हरजाई श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे बोलें आपु गोपिन श्याम।
नीको लागे जो ना बोले छेड़ें वाय श्याम।
नीको लागे घूँघट उठाके देखें श्याम।
नीकी लागे गोपी गारी नहिं स्तुति श्याम।
नीको लागे गोपी नहिं माने ब्रह्म श्याम।
नीको लागे गोपी माने कामी ब्रह्म श्याम।
नीको लागे गोपी जाने पूर्णब्रह्म श्याम।
नीकी लागे विधि हरि हर स्तुति श्याम।
नीकी लागे चारिहुँ श्रुति स्तुति श्याम।
नीको लागे ब्रह्मा कहे त्राहि मां श्याम।
नीको लागे बामा घट उठवावें श्याम।
नीको लागे श्याम अपमान करें बाम।
नीकी लागे नारी गारी 'दारी के' के श्याम।
नीको लागे ब्रजबाम प्रेम निष्काम।
नीको लागे बामा कहें 'लेउ कोउ श्याम'।
नीको लागे श्यामा जू ते पूछें नाम श्याम।
नीको लागे श्यामा जू ते पूछें गाम श्याम।
नीको लागे श्यामा जू को घूरे जायें श्याम।
नीको लागें गरबाहीं दिये श्यामा श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे मान ठानतो श्यामा भाम।
नीको लागे लाली पग चापत श्याम।
नीको लागे मानिनी मनावत श्याम।
नीको लागेँ श्यामा को मनाते रोते श्याम।
नीको लागेँ हा हा खाते श्यामा आगे श्याम।
नीको लागेँ 'हा राधे' कहि रोते श्याम।
नीको लागे पी को मुकुट प्यारी पाम।
नीको लागे जब लिलिहारी बनेँ श्याम।
नीको लागे जब मनिहारी बनेँ श्याम।
नीको लागे जब मालिनि बनेँ श्याम।
नीकी लागे जल केलि संग श्याम बाम।
नीको लागे बामा सँग मोहे श्याम काम।
नीको लागे जब वंशी चोरें बाम श्याम।
नीको लागे श्यामा बनि श्यामा मोहें श्याम।
नीको लागे श्यामा जय बोलें जब श्याम।
नीको लागे श्यामा पद सिर धर श्याम।
नीको लागे परम पुरुष बने बाम।
नीको लागे श्यामा मनुहार करें श्याम।
नीको लागे श्यामा जू को खोजें कुंज श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे श्यामा लखि मुर्छित श्याम।
नीको लागे ज्ञानी बनि तरु खरे धाम।
नीको लागे ऊधो रोयें कहि 'हाय श्याम'।
नीको लागे ब्रह्मा रोनो ढिंग घनश्याम।
नीको लागे अज होके जनमेउ श्याम।
नीको लागे निराकार नराकार श्याम।
नीको लागे निर्गुण गुणधाम श्याम।
नीको लागे कामी बने श्याम पूर्णकाम।
नीको लागे भूखा प्यासा ब्रज ब्रह्म श्याम।
नीको लागे आप्तकाम बन्यो गोपी राम।
नीको लागे कुबरी की यारी सँग श्याम।
नीको लागे रास रस मोहे श्याम काम।
नीको लागे रास महँ अगणित श्याम।
नीको लागे रास इक गोपी इक श्याम।
नीको लागे कमला न पावे रास श्याम।
नीको लागे भोलेनाथ बने ब्रज बाम।
नीको लागे आँख मारँ शिव बनि बाम।
नीको लागे ब्रजरस माँगे विधि श्याम।
नीको लागे जरासन्ध भय भागे श्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

नीको लागे बरसानो नीको नन्दगाम।
नीकी लागे रजधानी वृन्दावन धाम।
नीको लागे नहिं गये तजि ब्रज श्याम।
नीको लागे वंशीवट तट अभिराम।
नीको लागे सेवा कुंज महारास धाम।
नीको लागे गहवर वन सुखधाम।
नीकी लागे मानसी गंगा ललाम।
नीको लागे कुसुम सरोवर ठाम।
नीको लागे राधा कुण्ड कृष्ण कुण्ड ठाम।
नीकी लागे पीली पोखर अभिराम।
नीको लागैं निधिवन आदि दिव्य धाम।
नीको लागे माँगैं ब्रज रज चारों धाम।
नीको लागे यमुना को सलिल ललाम।
नीको लागे वृक्ष बोलें राधे राधे नाम।
नीको लागे खग मृग लखें घनश्याम।
नीकी लागे धेनु जेहि दुहें घनश्याम।
नीकी लागैं लता कुंज मंजु ब्रजधाम।
नीको लागे लता पता परसत श्याम।
नीकी लागे ब्रज रज लोटे जामें श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीकी लागैं ब्रजरस वारी ब्रजबाम।
नीको लागे ब्रजवासी रटें श्यामा श्याम।
नीको लागे मोर मयूरी बोलें श्याम।
नीको लागे मुक्ति भरे पानी ब्रजधाम।
नीको लागे श्रुति दें बुहारी ब्रजधाम।
नीको लागे गोपी गीत विरहिणि बाम।
नीको लागे पढ़ें जब क ख ग घ श्याम।
नीके लागें कम श्याम मधुपुरि धाम।
नीके लागें कम श्याम द्वारवती धाम।
नीको लागे नहिं मोहिं बैकुण्ठ धाम।
नीको लागे नहिं ब्रह्मानन्द रूप श्याम।
नीको लागे मृत गुरुपुत्र लाये श्याम।
नीको लागे ब्रह्मा देखें सारा जग श्याम।
नीको लागे श्याम तनु जनु घनश्याम।
नीको लागे दिव्य नीलमणि तनु श्याम।
नीको लागे कनक मुकुट सिर श्याम।
नीको लागे मोर मुकुट सिर श्याम।
नीको लागे कारे घुँघुरारे केश श्याम।
नीको लागे तिलक भाल घनश्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

नीके लागैं रस ते भरे नैन श्याम।
नीकी लागे नासा बेसर श्याम।
नीकी लागे गल बिच बनमाल श्याम।
नीकी लागे गल बिच गुंजमाल श्याम।
नीकी लागे कंध लकुटि घनश्याम।
नीकी लागे कामरि कंध घनश्याम।
नीकी लागे रोम राजि बाम भाग श्याम।
नीको लागे वक्ष बिच भृगु पद श्याम।
नीकी लागे श्याम कर मुरलि ललाम।
नीकी लागे कटि कछी काछनि श्याम।
नीको लागे पीतपट तनु घनश्याम।
नीको लागे नख शिख रोम रोम श्याम।
नीको लागे ललित त्रिभंगी श्याम।
नीको लागे नटखटपन घनश्याम।
नीको लागे जो भी देखे मोहे छवि श्याम।
नीको लागे जो ना देखे मोहे वेणु श्याम।
नीको लागे गौर तनु श्यामा श्याम।
नीकी लागे श्यामा सिर चन्द्रिका ललाम।
नीकी लागे श्यामा सिर चुनरी ललाम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीकी लागे श्यामा भाल बिन्दी ललाम।
नीकी लागे श्यामा की नथ अभिराम।
नीकी लागे श्यामा जू की वेणी ललाम।
नीकी लागे कंचुकि श्यामा की ललाम।
नीकी लागे नीलपट श्यामा भाम।
नीकी लागेँ श्यामा कर चुरियाँ ललाम।
नीकी लागे श्यामा कर मेहँदी ललाम।
नीकी लागेँ श्यामा की बिछुवनि पाम।
नीको लागे जावक श्यामा जू के पाम।
नीको लागे भोरापन श्यामा भाम।
नीको लागे कीर्तन श्यामा श्याम नाम।
नीको लागे दिव्य तनु श्यामा श्याम।
नीके लागेँ कुण्डल श्यामा श्याम।
नीको लागे काजर श्यामा श्याम।
नीकी लागे चितवनि श्यामा श्याम।
नीको लागेँ नैन सैन श्यामा श्याम।
नीको लागे मुक्ताहल श्यामा श्याम।
नीकी लागे मुसकनि श्यामा श्याम।
नीके लागेँ मधु बैन श्यामा श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

नीके लागेँ गर हार श्यामा श्याम।
नीके लागें कंकन श्यामा श्याम।
नीके लागेँ बाजूबन्द श्यामा श्याम।
नीकी लागे किंकिनि श्यामा श्याम।
नीकी लागेँ पायल श्यामा श्याम।
नीकी लागे हंस चाल श्यामा श्याम।
नीको लागे हैँ 'कृपालु' दोउ श्यामा श्याम॥

47

(है बाँको सुन्दर श्याम...)

मम प्रियतम सुंदर श्याम, छवि कोटि काम अभिराम।
ध्यावूँ छवि श्याम ललाम, गावूँ गुन आठों याम॥
नहिं चह स्वर्गादिक धाम, नहिं चह बैकुण्ठ ललाम।
चह श्याम प्रेम निष्काम, पुनि चह सेवा अविराम॥
श्री नँदनंदन घनश्याम, श्री भानुनंदिनी बाम।
दोउ लीला ललित ललाम, नित कर वृंदावन धाम॥
कोउ भज श्यामा कोउ श्याम, दोउ रूप एक द्वै नाम।
दोउ प्रेम रूप रस धाम, दोउ भज नित कह ब्रज बाम॥

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

धनि धनि श्यामा धनि श्याम, धनि धनि धनि धनि ब्रजबाम।
तीनों हैं पूरन काम, रस बरसावत ब्रज धाम॥
त्रिभुवन मोहन हैं काम, कामहुँ मोहन हैं श्याम।
सोउ मोह्यो श्यामा बाम, जो बस बरसानो धाम॥
श्यामा हैं स्वामिनि श्याम, हैं दास श्याम सुखधाम।
सेवें नित आठों याम, साखी हैं सब ब्रजबाम॥
मैं तो बिकि गइ अब बिनु दाम, जग कह भल कुलटा बाम।
मेरे रोम रोम रमे श्याम, जग सौं 'कृपालु' नहिं काम॥

48

(नीको लागे...)

मेरे दोउ ठाकुर श्यामा श्याम।
ठकुरानी श्यामा ठाकुर श्याम।
राजें दोउ श्री वृंदावन धाम।
न भूलूँ कभु भूलेहुँ आठहुँ याम।
करें नित नई नई लीला ललाम।
करें रास कुंजनि सँग ब्रज बाम।
दोउ दिव्य प्रेम रूप रस सुखधाम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा बसें बरसानो श्याम नंदगाम।
श्यामा तनु नीलो पट पीलो पट श्याम।
मेरी गति मति रति दोउ छवि धाम।
श्यामा पियें श्याम रस गौर रस श्याम।
श्याम गौर रस पियें सब ब्रज बाम।
श्याम ही को रूप श्यामा श्यामा रूप श्याम।
दोउ प्रेम प्यासे दोउ हैं पूर्ण काम।
श्यामा हैं निठुर अति कह घनश्याम।
श्यामा कह निष्ठुर अति घनश्याम।
दोउ अति कोमल कह ब्रजबाम।
दोउ चह सेवा लरें आठु याम।
दोउन ही ध्यावो बनि निष्काम।
दोउन नाम गुन गावो बसु याम।
नित्य बिहार दोउ कर नित्य धाम।
दोउ सेवक दोउ सेव्य अकाम।
दोउ रस दोउ रसिकहुँ श्यामा श्याम।
रसिक मुकुटमणि श्यामा श्याम।
रसिकन जीवन श्यामा श्याम।
सहज सनेही श्यामा श्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

अधम उधारन श्यामा श्याम।
जैसे श्यामा श्याम वैसे श्यामा श्याम नाम।
रसिकन श्यामा श्याम पतितन नाम।
श्यामा श्याम विरही हो विरही न नाम।
श्यामा श्याम भाजे आवें सुनि निज नाम।
श्यामा जपैं श्याम नाम आठों याम।
श्यामा नाम आठों याम जपें घनश्याम।
धन्य ब्रजबाम धन्य प्रेम निष्काम।
धन्य बरसानो गाम धन्य नंदगाम।
धन्य धन्य धन्य धन्य वृन्दावन धाम।
श्यामा हैं श्वेतिमा दुग्ध घनश्याम।
श्यामा हैं सुगंध कर्पूर घनश्याम।
श्यामा शक्ति दाहिका आग घनश्याम।
श्यामा शक्ति ह्लादिनी शक्तिमान श्याम।
एक ब्रह्म रूप दो हैं श्यामा श्याम।
नित्य दो हैं नित्य एक श्यामा श्याम।
श्याम उर श्यामा श्यामा उर बस श्याम।
श्यामा मुख चन्द्र चकोर दृग श्याम।
श्याम मुख चन्द्र चकोरी श्यामा बाम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

दोउ मुख चन्द्र चकोरी ब्रजबाम।
श्यामा श्यामा गावें नित मुरलिहिं श्याम।
श्यामा गावें वीणा में नित श्याम श्याम।
श्यामा धारें निज उर चरनन श्याम।
श्यामा चरनन धारें निज उर श्याम।
श्यामा रोम रोम में समाये घनश्याम।
श्यामा हैँ समाई रोम रोम घनश्याम।
श्यामा जू पढ़ावें शुक कहु श्याम श्याम।
श्यामा श्यामा कहु शुक कहें घनश्याम।
श्यामा श्याम कहु शुक कहें ब्रजबाम।
श्यामा प्रिय नीलो रंग लखि तनु श्याम।
श्यामा तनु लखि प्रिय पीलो रंग श्याम।
श्यामा को पसन्द नटखटपन श्याम।
श्यामा का भी भोरापन है पसंद श्याम।
दोउ को स्वभाव मन भाये ब्रजबाम।
श्यामा सोइ करें जोइ मन भावे श्याम।
दोनों की पसंद है पसंद ब्रज बाम।
रस की हो शीशी भरो रस गौर श्याम।
दोउ रस मिश्रित पियो वसु याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

पियो भी पिलाओ भी रस गौर श्याम।
प्यास ही को रूप दोनों श्यामा श्याम।
कभू बने श्याम श्यामा कभू श्यामा श्याम।
श्याम में समा के श्यामा भजु घनश्याम।
श्यामा भजु श्यामा में समा के घनश्याम।
श्यामा श्याम एक द्वै रूप द्वै नाम।
दोनों बिनु होय नहिँ लीला ललाम।
तीनों एक श्यामा श्याम अरु ब्रजबाम।
तीनों बिनु होय नहिँ लीला ब्रज धाम।
चारों एक श्यामा श्याम धाम ब्रजबाम।
चारों बिनु होय नहिं लीला अभिराम।
पाँचों एक श्यामा श्याम नाम धाम बाम।
श्यामा श्याम ब्रजबाम ब्रजधाम काम।
पाँचों बिनु होय नहिं रास अभिराम।
श्यामा श्याम सेऊँ बनि बामा कह काम।
श्यामा छवि लखि लागे लघु रस श्याम।
श्यामा रस लघु लागे लखि छवि श्याम।
नित नव नव रस दोउ छवि धाम।
श्यामा छवि लखि बाढ़ै प्रेम और श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा प्रेम और बाढ़ै लखि छवि श्याम।
दोउ छबि प्रेम होड़ आठहुँ याम।
क्षण क्षण बाढ़ै छवि रस छवि धाम।
दोनों जाने दोनों गति और जानें बाम।
जाने सो जनावें जाको श्यामा श्याम।
श्यामा श्याम चिन्मय दिव्य सुख धाम।
श्यामा सोते सोते बोलें रोम रोम श्याम।
श्यामा श्यामा बोलें सोते रोम रोम श्याम।
श्यामा जू को सोती लखि पंखा झलें श्याम।
श्यामा जू भी पंखा झलें सोते लखि श्याम।
दोनों जब सो जायें पंखा झलें बाम।
श्याम मोहे श्यामा जू को श्यामा मोहे श्याम।
श्यामा श्याम मोहे ब्रजवासी ब्रजधाम।
अबकी बनूँगो श्यामा सोचें मन श्याम।
श्यामा सोचें अबकी बनूँगी घनश्याम।
दोनों जैसे हो वैसे रहु कह बाम।
श्यामा प्रेम सिंधु हम बिंदु कह श्याम।
श्यामा कह बिंदु हम प्रेमसिंधु श्याम।
दोनों प्रेम सिंधु हम बिंदु कह बाम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा जहँ रह तहँ रह नित श्याम।
श्यामा तहँ रह नित जहँ रह श्याम।
श्यामा श्याम जहँ रह तहँ ब्रजबाम।
श्यामा श्याम बामा जहँ तहँ ब्रजधाम।
बोलें बामा दोनों एक श्यामा श्याम।
श्यामा का फिर भी पक्ष लेवें बाम।
श्यामा श्याम मन भाव जानें ब्रज बाम।
श्यामा श्याम सोना है लीला ललाम।
ब्रजरानी राधारानी ब्रजराज श्याम।
गोपी जन जीवन दोउ सुखधाम।
दोउ प्रेमकामी दोउ नित्य पूर्णकाम।
कृपा में करें होड़ श्यामा श्याम।
निज रूप लखि मोहें श्यामा श्याम।
दोउ रोम रोम पै वारौं कोटि काम।
दोउ रोम रोम रस चुये आठु याम।
पिये जाओ पिये जाओ रस गौर श्याम।
मेरे दोउ प्राण प्यारे श्यामा श्याम।
मेरे दोउ नैन तारे श्यामा श्याम।
नंद घर प्रकटे ब्रह्म घनश्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

भानु घर प्रकटीं श्यामा सुखधाम।
यशुमति मैया है लाला घनश्याम।
श्यामा लाली मैया कीरति भाम।
दोनों परमात्मा हैं भिन्न रूप नाम।
गरबाँहीं दीने ध्यावो श्यामा श्याम।
एक मन तन द्वै है श्यामा श्याम।
एक बुद्धि तन द्वै है श्यामा श्याम।
एक आत्मा तनु द्वै श्यामा श्याम।
एक मन सोचे भिन्न श्यामा श्याम।
दोउ एक भिन्न प्रकृति श्यामा श्याम।
लीला शक्ति करे सब अटपट काम।
गौर तनु श्यामा नील तनु घनश्याम।
श्यामा जू तो रसिका हैं रस घनश्याम।
श्यामा जू तो रस हैं रसिक घनश्याम।
श्यामा शक्ति बिनु नहिं शक्तिमान श्याम।
श्यामा शक्ति आधार शक्तिमान श्याम।
शक्ति शक्तिमान एक श्यामा श्याम।
शक्ति शक्तिमान भिन्न श्यामा श्याम।
दोनों मन ते अतर्क्य श्यामा श्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

श्याम आधीन श्यामा श्यामाधीन श्याम।
श्यामा श्याम आधीन सब ब्रजबाम।
प्रेम आधीन श्यामा श्याम ब्रजबाम।
दोऊ पूछें दोउ दोउ नाम दोउ गाम।
दोऊ बिके दोउन कर बिनु दाम।
दोऊ लख दोउ एकटक वसु याम।
श्यामा कह रसिकन पिओ रस श्याम।
गौर रस पियो कह रसिकन श्याम।
गौर श्याम रस पिवु कह ब्रजबाम।
कोई रस पियो बाढ़े प्यास वसु याम।
मोहिँ नहिँ भूलो कभु श्यामा श्याम।
श्यामा श्याम मां पाहि मां पाहि माम्।
प्रेम भिक्षां देहि श्यामा श्याम।
शरण शरण तेरी श्यामा श्याम।
निर्बल के बल श्यामा श्याम।
दीनन के बंधु श्यामा श्याम।
अशरण शरण हैं श्यामा श्याम।
जाके नहिं कोउ वाके श्यामा श्याम।
सर्व धर्म तजु भजु श्यामा श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मन ते सुमिरु दोउ तनु ते काम।
जीव के सदा के साथी श्यामा श्याम।
जीव के हैं साँचे मीत श्यामा श्याम।
जीव के हितैषी दोउ श्यामा श्याम।
आत्मा की आत्मा हैं श्यामा श्याम।
जहाँ जाये जीव तहाँ श्यामा श्याम।
जीव को दें जीवन श्यामा श्याम।
जीव हित देह धरें श्यामा श्याम।
नाम में निवास करें श्यामा श्याम।
जग काम तजु भजु श्यामा श्याम।
जीव हैं भिखारी दाता श्यामा श्याम।
जीव हों प्रपन्न भजें श्यामा श्याम।
जीव के प्रकाशक श्यामा श्याम।
जीव के नियामक श्यामा श्याम।
जीव के हैं अंशी श्यामा श्याम।
जीव तो है अणु विभु श्यामा श्याम।
जीव हैं अनन्त एक श्यामा श्याम।
जीव सुत माता पिता श्यामा श्याम।
जीव दास स्वामी हैं श्यामा श्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जीव अज्ञ सर्वज्ञ श्यामा श्याम।
जीव सृज्य स्त्रष्टा हैं श्यामा श्याम।
जीव मायाधीन मायाधीश श्यामा श्याम।
जीव कर्मफल देयँ श्यामा श्याम।
जीव सिन्धु बिन्दु सिन्धु श्यामा श्याम।
जीव सूर्य अंशु सूर्य श्यामा श्याम।
जीव अल्प शक्तिमान वश जग काम।
सर्व शक्तिमान ब्रह्म श्यामा श्याम।
श्यामा जू भानुलली नंदलाल श्याम।
दोऊ रजधानी वृंदावन धाम।
देही देह भेद नहिं श्यामा श्याम।
निर्गुण सगुण भी श्यामा श्याम।
निराकार साकार श्यामा श्याम।
सविशेष निर्विशेष श्यामा श्याम।
कर्ता भी अकर्ता भी श्यामा श्याम।
दृष्ट भी अदृष्ट भी हैं श्यामा श्याम।
चिन्त्य भी अचिन्त्य भी हैं श्यामा श्याम।
अज्ञेय ज्ञेय भी हैं श्यामा श्याम।
अप्राप्य प्राप्य भी हैं श्यामा श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जग में भी जग ते परे श्यामा श्याम।
न्याय भी कृपा भी करें श्यामा श्याम।
वीर भी हैं भीरु भी हैं श्यामा श्याम।
उग्र भी अनुग्र भी हैं श्यामा श्याम।
बिनु आँख देखें दोउ श्यामा श्याम।
बिनु कान सुनें दोउ श्यामा श्याम।
बिनु पग चलें दोउ श्यामा श्याम।
बिनु कर कर्म करें श्यामा श्याम।
जीभ बिनु बोलें दोउ श्यामा श्याम।
रस लेयँ बिनु रसना श्यामा श्याम।
त्वचा बिनु परसें श्यामा श्याम।
नासा बिनु गंध लेयँ श्यामा श्याम।
मन बिनु सोचें दोउ श्यामा श्याम।
बुद्धि बिनु जानें दोउ श्यामा श्याम।
श्यामा श्रृंगार रूप छवि रूप श्याम।
श्यामा सोहैं वाम दिशि दक्षिण श्याम।
एक ते एक बढ़ि श्यामा श्याम।
श्यामा भईं श्याममयी श्यामामय श्याम।
श्यामा देखें सारा जग श्याम ही श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा ही श्यामा देखें सारा जग श्याम।
श्यामा जू के रोम रोम बसे घनश्याम।
श्यामा जू बसी हैं रोम रोम घनश्याम।
श्यामा गौर वर्ण तनु मन वर्ण श्याम।
गौर वर्ण मन श्याम तन वर्ण श्याम।
श्यामा श्याम का ब्रज धाम नित्य धाम।
श्यामा श्याम कायव्यूह रूपा ब्रज बाम।
निगमागमागम श्यामा श्याम।
मोहैं श्यामा वीणा ते मोहैं वेणु श्याम।
दोउ लें बलैया दोउ श्यामा श्याम।
श्यामा चलें हंस चाल गज चाल श्याम।
श्यामा के समान श्यामा, श्याम सम श्याम।
'श्यामा मेरी प्यारी यह झूठ', कह श्याम।
'श्यामा मेरी यह भी है झूठ', कह श्याम।
'हम दोनों में न मैं तू', कह श्याम।
श्यामा अंश कमला हैं विष्णु अंश श्याम।
श्यामा अंश हैं शिवानी शिव अंश श्याम।
श्यामा अंश ब्रह्माणी ब्रह्मा अंश श्याम।
श्यामा अंश देवी सब देव अंश श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सृष्टि के निमित्त हेतु श्यामा श्याम।
सृष्टि उपादान हेतु श्यामा श्याम।
सृष्टि के हैं रक्षक श्यामा श्याम।
सृष्टि संहारक श्यामा श्याम।
सृष्टिपूर्व अंत रहँ श्यामा श्याम।
दो विरोधी धर्म युक्त श्यामा श्याम।
ब्रह्म की प्रतिष्ठा हैं श्यामा श्याम।
स्वांश के भी अंशी हैं श्यामा श्याम।
भिन्नांश अंशी भी श्यामा श्याम।
जीव अरु माया ईश श्यामा श्याम।
पाँचों मुक्ति दाता हैं श्यामा श्याम।
दोउ हैं 'कृपालु' अति श्यामा श्याम।

49

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(गोपाल राधे कृष्ण...)

राधा मेरी प्रान प्रान राधावल्लभ प्रान।
राधा प्रानन प्रान राधावल्लभ प्रान।
राधा राधावल्लभ प्रेम रूप रसखान।

राधा राधावल्लभ निज उर धरु ध्यान।
राधा राधावल्लभ दोनों पूर्ण ब्रह्म जान।
राधा राधावल्लभ तनु द्वै एक प्रान।
राधा राधावल्लभ धरैं एक दूजो ध्यान।
राधा राधावल्लभ दोउ दोउ इष्ट मान।
राधा सेव्या हैं दास राधावल्लभ जान।
राधा दासी हैं सेव्य राधावल्लभ जान।
राधा राधावल्लभ दोनों स्वयं भगवान।
राधा राधावल्लभ दोनों एक तत्व जान।
राधा राधावल्लभ दोनों ब्रह्म एक जान।
राधा राधावल्लभ दोनों शक्ति शक्तिमान।
राधा राधावल्लभ आनँदकंद जान।
राधा राधावल्लभ श्रुति परतत्व मान।
राधा राधावल्लभ तत्व श्रुतिहूँ न जान।
राधा राधावल्लभ अन्त न अनन्त जान।
राधा राधावल्लभ ही हैं तेरे यह मान।
राधा राधावल्लभ अंशी जीव अंश जान।
राधा राधावल्लभ सेव्य जीव दास जान।
राधा राधावल्लभ सेवा जीव लक्ष्य मान।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा राधावल्लभ सुख में ही सुख मान।
राधा राधावल्लभ रचैं सब जग जान।
राधा राधावल्लभ जग पालक जान।
राधा राधावल्लभ में हो लीन जग जान।
राधा राधावल्लभ ही दें माया मुक्तिदान।
राधा राधावल्लभ नित रहें उर मान।
राधा राधावल्लभ गुरु तीनों एक मान।
राधा राधावल्लभ ते मिलावे गुरु जान।
राधा राधावल्लभ अवतारी भगवान।
राधा राधावल्लभ गुरु कर्म दिव्य जान।
राधा दाता भिखारी राधावल्लभ जान।
राधा प्रेम सार प्रेम राधा वल्लभ जान।
राधा श्वेतिमा हैं दूध राधावल्लभ मान।
राधा गंध कर्पूर राधावल्लभ मान।
राधा दाहिका हैं आग राधावल्लभ मान।
राधा ज्योत्सना हैं चन्द्र राधावल्लभ जान।
राधा आतप सूर्य राधावल्लभ जान।
राधा गंध कस्तूरी राधा वल्लभ जान।
राधा ह्लादिनी हैं ब्रह्म राधावल्लभ मान।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधा आत्मा हैं देह राधावल्लभ मान।
राधा भोरी नटखट राधावल्लभ जान।
राधा गोरी गोरी कारो राधावल्लभ जान।
राधा अति प्यारी प्यारो राधावल्लभ जान।
राधा हैं तरंग सिन्धु राधावल्लभ जान।
राधा गंध पृथ्वी हैं राधावल्लभ जान।
राधा प्राण प्यारी प्यारो राधावल्लभ जान।
दोनों नित्य एक लीला में नित्य दो बखान।
दोनों आश्रय जान दोनों विषय बखान।
राधा राधावल्लभ दास है 'कृपालु' जान॥

50

(बलिहार युगल सरकार...)

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

राधे गोविन्द गोविन्द राधे राधे राधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
कृष्ण बिनु राधे आधे राधे बिनु कृष्ण आधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

कृष्ण भजें राधे राधे राधे भजें कृष्ण कृष्ण,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
कृष्ण को ही रूप राधे राधे को ही रूप कृष्ण,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जोइ राधे सोइ कृष्ण जोइ कृष्ण सोइ राधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
कृष्ण प्राण सम राधे राधे प्राण सम कृष्ण,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
दोउ लखैं दोउ इकटक भूलें सुधि दोउ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
रह चुवत प्रेम रस दोउ रोम रोम,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
दोउ पावें इक रस सखि पावें दोउ रस,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
दोउ पावें दोउ पूरो रस सखि कछु कछु,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
दोउ रस अस पिये जो भी वाकी बाढ़ै प्यास,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

जेती बार लखौं लागे यह रस बड़ो,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
बाँकी झाँकी दिखा दे गरबाहीं दीने दोउ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जित देखूँ तित नवल युगल छवि देखूँ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरे पग पर धर गिरिधरहुँ मुकुट,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरा नाम आठों याम श्याम मुरली में टेरे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरा नाम सुनि ब्रह्म श्याम भाजे भाजे आवें,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जासों जग कृपा माँगे सोउ तोसों कृपा माँगे राधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
तेरा पार न पायो धरि गोपी रूप हरि,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरे आगे नहिँ चल छल बलिया को छल,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

राधे नाम प्रथम कह पुनि कह श्याम,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मैं भी भूलूँ नाहिं तोहिं तुम भी भूलो नाहिं मोहिं,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मैं तो मायावश भूला तूने काहे को भुलाया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मोहिं माया ने भुलाया तुम तो ना भुलाओ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तूने मोकूँ भुलाया याते माया ने भुलाया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू ही मेरा सब कछु मैं भी तेरा नित्य दास,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
भुक्ति मुक्ति नहिं माँगूँ मैं तो तेरी सेवा माँगूँ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
मेरी ओर न देखो निज विरद को देखो,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरा नाम पतित पावन वाय सोचो,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

पाया पतितों ते नाम पतित–पावनि,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
किये पाप पतित पावन लखि तोहिं,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरा हो के मैं माँगूँ भीख तेरी लाज जाये,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
पूतना पाई गति जैसे वैसे माँगूँ गति,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरी शरण कठिन टुक जीव बनि देखो,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मेरो कछु नहिं तेरो सब कछु तोहिं का दें,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
माँगूँ कोर कृपा की तोर न्याय न माँगूँ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
जग खरों को निभाते तू तो खोटे को निभा दे,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
बिनु तेरी कृपा तेरा बन्यो कौन बता दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

तेरो अधाधुंध दरबार सुन्यो मैं,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
घटि जाय न कछु करु कोर कृपा की,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तोहिं जोइ जोइ भावै मोहिँ सोइ सोइ भावै,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू ही मेरा मैं भी तेरा चाहे मानो या ना मानो,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जग होत कुपूत न होति कुमाता,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
दैके पाँच खिलौने बहकाया अब जाना,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
बिनु हेतु कृपालु रहीं सब दिन,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
भक्ति ते जो अपनाओ यामें कौन निहोरो,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मैंने माना मैं बुरा हूँ किन्तु तेरा ही तो हूँ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मैं ना मानूँ पतित मैं ऐसा पतित,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मोहिँ तो भरोसो तेरी कृपा शक्ति का ही,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
दीन हीन को तो तेरे सिवा और ठौर नहिं,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
है निराधार आधार तेरी कृपा शक्ति,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
बिनु कारण करुणाकारिणि तुम,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
उमा रमा तजि किये सहचरी बनचरी,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरा सुत माँगे भीख द्वार द्वार तू भी देखे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
प्रेम दे चाहे ना दे तेरा पाछा नहिं छोड़ूँ,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू ही मेरा सब कछु था, है, रहेगा भी आगे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

मोहिँ उर ते लगा ले ठुकरा दे तेरी इच्छा,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मों सो कोउ न भिखारी तो सो कोउ नहिं दाता,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तोहिँ प्यारे पातकी मोहिँ प्यारा पातक,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मैंने लेना लेना सीखा देना देना तू सिखा दे,
राधे गोविंद गोविंद राधे।
मेरा ले ले तन मन प्राण दे दे निज सेवा,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
दै के मायिक मन लूटो दिव्य प्रेम धन राधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
'तू है मेरा', है वचन तेरा, वचन निभा दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
तेरा नेकु रुख पाये जो तो माया भाजि जाये,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मैंने पिछला बिगारा अगला तू बना दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

तेरी नेकु कृपा हो जाये मेरी बनि जाये,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरी कृपा पाके हरि भये जग में कृपालु राधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू न चाहे जो तो कौन पावे तोहिँ बता दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू ही जाको जना दे सोइ जाने माने पावे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जासों जग कृपा माँगे सोउ तोसों कृपा माँगे राधे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तोसों पाँच पाँच नाता एक नाता ही निभा दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तोहिँ तजि जाऊँ कौन ठौर बता दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

COPYRIGHT

तूने गिरि को उठाया क्या मैं गिरि ते भी भारी,

RADHA GOVIND SAMITI

राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तोहिँ वेद न जाने पुनि हौं कैसे जानूँ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

स्वर्ग अपवर्ग ना दे दे दे निज जन सेवा,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
दे दे निज प्रेम पुनि चाहे दे दे नरकहिं,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू नचाये जैसे नाचूँ वैसे, मोहिँ दोष का दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
शिशु विष खाये देखत माय कैसे वाय,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मैंने माना मैं कुपूत किंतु तेरा ही तो पूत,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
शिशु नवजात माँ को न जाने माँ जनावे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
शिशु अनजान पाले माँ, न फेंके कूड़ेदान,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
दासी सुत को सताये माँ से देखा कैसे जाय,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
सुत डूबे भवसिंधु तोसो कैसे देखा जाय,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

शिशु जाने नहिं माय या ते माय न भुलाय,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
शिशु मारे लात गर्भ माँ न माने दोष शिशु,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मैं जो पतित पतित-पावनि तुम भी तो,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मो ते दीन न कोउ तो सों दीनबंधु कोउ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरी माया ने भुलाया याते शरण न आया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
नर तनु पाया गुरु पाया पाके गमाया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरी माया को हो जीता एक नाम बता दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
जौं लौं तेरी हो कृपा ना तौं लौं माया नहिं जाय,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू भी मेरा मैं भी तेरा पुनि माया ने क्यों घेरा,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

तेरे मेरे बीच में माया खड़ी मुँह बाये,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरी माया ने भुलाया वाय आँखि दिखा दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
चिद् घन आनंद घन दिव्य तनु तेरा,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरा नाम मेरे पास नाम में है तेरा वास,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू ही तो है मेरी गति मेरी मति मेरी रति,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू आये या न आये तेरा नाम गाये ध्याये,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू तो बुधि से परे है पुनि बुधि कैसे जाने,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
तू तो उर में ही है यह बोध करा दे,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
उर बाहर आके दिखा दे टुक झाँकी,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

तेरा नाम गुन लीला गाया आँसू न बहाया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
यह वर दे दे रोया करुँ तेरा नाम ले के,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
भीख माँगा भिक्षुकों ते तेरे द्वार नहिं आया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
सब साथी हैं बने बने के बिगरे का तू ही,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जाने कौन पुण्य पायो नर तनु भज मन,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरी आयु में से पल पल घटा जाए सोच मन,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
भूत सब खोया भावी तो बनाले अब मन,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
भजूँगा भजूँगा जनि करु भजु भजु मन अब,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
नहिं लागे तन नहिं लागे धन लागे मन एक,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

करु हरि सुमिरन जल फेन जनु तनु,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरे द्वार आके खाली हाथ लौटा नहिं कोउ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
कहाँ जाऊँ कासौं रोऊँ कोई नाम बता दे,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जग आगे रोया बहुत न तेरे आगे रोया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जग जाने मैं हूँ तेरा भक्त, मैं हूँ जगभक्त,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
टुक झलक दिखा दे तेरा कहा घटि जाय,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मुक्ति माँगूँ नहिं, माँगूँ बंधन तव पद,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
प्रेम निष्काम दे दे, दर्शन दे या ना दे,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
नित्य सिद्ध प्रेम तेरा साधन व्यर्थ मेरा,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।

तेरे जन ही बतावें कृपासाध्य प्रेम तेरा,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तो सोँ हो के विमुख दुःख ही दुःख पाया,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तपा तीनों ताप, तेरे विरह में तपा न,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
जग देखा किंतु तोहिं नहिँ देखा कैसे ध्याऊँ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तेरे भक्त तो अनंत मेरी तो एक तुम,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
करुँ बात रसिकों की करतूत सब कारी,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
सत्य क्या झूठ क्या जानूँ किंतु नहिं मानूँ,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
COPYRIGHT
तू ही माता पिता स्वामी सखा सुत प्रियतम,
RADHA GOVIND SAMITI
राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तू ही है 'कृपालु' यह है भरोसा मोहिँ उर,
राधे गोविन्द गोविन्द राधे॥

51

(जय जय राधारमणा...)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे,
राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
भुक्ति ना दे मुक्ति ना दे बैकुण्ठ ना दे,
देना है तो सीधे सीधे प्रेम सुधा दे।
गोलोक भी चाहे दे चाहे ना दे,
प्रेम सिंधु का इक बिंदु पिला दे।
भले अग्नि ज्वाला में तन को जला दे,
मिले जो कुसंग तो ब्रह्मलोक ना दे।
मिले सतसंग तो नरक दिला दे,
मिले जो कुसंग तो इन्द्र पद ना दे।
निज सेवा ना देना हो तो ना दे ना दे,
निज जन की ही मोहिं सेवा दिला दे।
मधुर मिलन दे या मिलन भी ना दे,
गोपी प्रेम की इक बूँद पिला दे।
अपनी बना ना बना गोविन्द राधे,
मेरा बन गया या ना यह तो बता दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

मेरा भी बना ना हो जो गोविन्द राधे,
मेरा बनने का साधन ही बता दे।
मैने तो बनाया पिया गोविन्द राधे,
स्वीकार हो तो प्यारी कहि के बुला दे।
प्यारी कहने में यदि गोविन्द राधे,
लाज लागे तो आ के सिर ही हिला दे।
स्वामी सखा सुत पति गोविन्द राधे,
चार नातों में जो भी भाये निभा दे।
कल्पित नाते भी गोविन्द राधे,
जग में निभाते सत्य नाते निभा दे।
तू तो सत्य संकल्प गोविन्द राधे,
जैसा जब जिसको चाहे बना दे।
तेरे तो अनन्त जन खरे खरे राधे,
मुझ खोटे को खरे संग चला दे।
COPYRIGHT
तेरे हैं सुपूत सब गोविन्द राधे,
RADHA GOVIND SAMITI
मैं ही हूँ कुपूत अति मोहिं निभा दे।
माना मैं बुरा हूँ अति गोविन्द राधे,
तोहिं तजि अच्छा कौन हुआ बता दे।

मेरा तो है तू ही इक गोविन्द राधे,
तोहिं तजि जाऊँ कित तू ही बता दे।
सबल को तो पूछे सब जग राधे,
निर्बल बल तू ही जग साथ ना दे।
मेरे तो बनाने ते गोविन्द राधे,
बिगरी बने ना तू ही बिगरी बना दे।
मायालोक गोलोक सब तेरा राधे,
जब सब कछु तेरा तब तोहिं का दे।
तू तो बिनु कारण कृपा करे राधे,
शरणागति कारण को हटा दे।
शरण में आऊँ कैसे गोविन्द राधे,
माया ते 'कृपालु' का पीछा छुड़ा दे॥

52

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(नीको लागे...)

श्यामा श्याम स्वामिनि सेवक श्याम।
श्यामा आनन्द-सार ह्लादिनि नाम।
श्यामा शक्ति ह्लादिनी ते पावें ह्लाद श्याम।

श्यामा शक्ति पा के करें कर्म घनश्याम।
श्यामा प्रेमदाता भिखारी घनश्याम।
श्यामा जू ते प्रेम भिक्षा माँगें घनश्याम।
श्यामा जू ते पा के प्रेम दानी बने श्याम।
श्यामा के खरीदे गुलाम घनश्याम।
श्यामा साहूकार ऋणियाँ घनश्याम।
श्यामा शक्ति की हैं सब शक्ति गुलाम।
श्यामा शक्ति बिनु नीरस ब्रह्म श्याम।
श्यामा ने बनाया ब्रह्म क्रियाशील श्याम।
श्यामा ने बनाया ब्रह्म सर्वज्ञ श्याम।
श्यामा ने बनाया ब्रह्म प्रेम छवि धाम।
श्यामा ने दिया ब्रह्म को रूप नाम।
श्यामा ने बनाया शक्तिमान ब्रह्म श्याम।
श्यामा शक्ति पाके करें सृष्टि घनश्याम।
श्यामा शक्ति पाके पालें सृष्टि घनश्याम।
श्यामा शक्ति ते प्रलय करें घनश्याम।
श्यामा की कृपा ते सर्वशक्तिमान श्याम।
श्यामा हैं स्वतंत्र परतंत्र घनश्याम।
श्यामा प्रेम मादन पावें नहिं श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा प्रेम मादन वश घनश्याम।
श्यामा जू के भक्तों में सर्वश्रेष्ठ श्याम।
श्यामा जू की रुचि महँ रुचि राखें श्याम।
श्यामा जू को सुख मानें निज सुख श्याम।
श्यामा पार पायो ना मानी हार श्याम।
श्यामा शब्द सुनि मानें श्याम आ श्याम।
श्यामा तो हैं श्याम सेव्या जग सेव्य श्याम।
चलें श्यामा आगे पाछे पाछे श्याम।
श्यामा पाछे बामा बामा पाछे पाछे श्याम।
श्यामा जू की दासी ते माँगें कृपा श्याम।
धरें पिय सिर जहँ श्यामा धरें पाम।
श्यामा पद चिह्न चूमें मग घनश्याम।
श्यामा जू को चरण लगावें उर श्याम।
श्यामा बैठीं सिंहासन पग चापैं श्याम।
श्यामा जू को पग धोवें अँसुवन श्याम।
श्यामा पग मुकुट धरें घनश्याम।
श्यामा जू की डगर बुहारें घनश्याम।
श्यामा को श्रांत लखि पंखा झलें श्याम।
श्यामा को खिला के जूठन खायें श्याम।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा के महल के हैं प्रहरी श्याम।
श्यामा जू को चँवर ढुरावें नित श्याम।
सखि नहलाये श्यामा ललचायें श्याम।
श्यामा सेवा हित चह श्याम तनु बाम।
श्यामा जू ते माँगें वर बामा बनूँ श्याम।
श्यामा की कृपा ते रास रस पायो श्याम।
श्यामा जू की आज्ञा ते करें रास श्याम।
श्यामा को प्रणाम करि रास करें श्याम।
श्यामा को सिंगार करें निज कर श्याम।
श्यामा जू की नज़र उतारें घनश्याम।
श्यामा जू पै राई नोन वारें नित श्याम।
श्यामा भाल काला टीका देयँ घनश्याम।
श्यामा तो बजावें वीणा गावें घनश्याम।
श्यामा झूलें झूला झुलावें घनश्याम।
श्यामा जू की सेज सजावें पिय श्याम।
श्यामा को सुला के पाछे सोयें घनश्याम।
श्यामा जू की माँगें कृपा बार बार श्याम।
श्यामा श्यामा गावें नित मुरलिहिं श्याम।
करें जय जयकार श्यामा जू की श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

करें अगवानी श्यामा जू की घनश्याम।
श्यामा जू की आरती उतारें घनश्याम।
श्यामा की बलैया लेंय पुनि पुनि श्याम।
श्यामा की सवारी की बलैया लेंय श्याम।
श्यामा की सवारी लखि 'जय हो' कहें श्याम।
श्यामा-छवि-सिंधु बूड़े उतरायें श्याम।
श्यामा छवि लखि मुर्छित हों श्याम।
श्यामा नैन सैन लखि मुर्छित श्याम।
श्यामा लखि भूलें सुधि तन घनश्याम।
श्यामा छवि लखि बलिहार कहें श्याम।
श्यामा नृत्य लखि कह 'जय हो जय हो' श्याम।
श्यामा गान सुनि कह 'बलिहार' श्याम।
श्यामा संग होड़ महँ मानें हार श्याम।
श्यामा नृत्य गान सुनि भाजें घनश्याम।
श्यामा मुखचंद्र चकोर दृग श्याम।
श्यामा ने मोहे श्याम श्याम मोहे काम।
श्यामा पै निछावर कोटि कोटि श्याम।
श्यामा लखि रोम रोम दृग चह श्याम।
श्यामा लखि आनँद-जल दृग श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा को देखे बिनु आँसू दृग श्याम।
श्यामा नाम श्या सुनि भाजेँ तहँ श्याम।
श्यामा को बुलावो भाजे भाजे आवें श्याम।
श्यामा की शरण गहु मिलेँ आपु श्याम।
श्यामा श्यामा बोले वाके पाछे चलें श्याम।
श्यामा लखि भूलें भगवत्ता श्याम।
श्यामा लखि भूलें चंचलता श्याम।
श्यामा आगे गले नहिं दाल घनश्याम।
श्यामा आगे नहिं चले छल बल श्याम।
श्यामा बनि गोरे ग्वाल छलें घनश्याम।
श्यामा जू के आगे भीगी बिल्ली जनु श्याम।
श्यामा करि देयँ सूधो टेढ़ो श्याम।
श्यामा भौंहें टेढ़ी लखि काँपे तनु श्याम।
श्यामा ने बनाया बुद्धू शुद्ध बुद्ध श्याम।
श्यामा ने रुलाया आनँदकंद श्याम।
श्यामा जू को ढूँढ़ें रोते रोते ब्रज श्याम।
श्यामा बिनु इक पल युग लगे श्याम।
श्यामा ने बनाया प्यासा नित्य तृप्त श्याम।
श्यामा करें मान मनावें घनश्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा को मनावें श्याम खड़े एक पाम।
श्यामा जू की गारी बड़ी मीठी लगे श्याम।
श्यामा जू की भृकुटि तकत नित श्याम।
श्यामा कर डोरी पतंग घनश्याम।
श्यामा जैसी चाहें नचावें नाच श्याम।
श्यामा मान करि बैठीं मानगिरि धाम।
श्यामा मान लखि छूटे स्वेद तनु श्याम।
श्यामा सुख हित क्या क्या बने नहिं श्याम।
श्यामा हित नाना छद्म रूप धरें श्याम।
श्यामा के मिलन हित श्यामा बने श्याम।
श्यामा जू को रिझवत श्याम आठु याम।
श्यामा को रिझावें धरि तनु बाम श्याम।
श्यामा को रिझावें बनि मालिनि श्याम।
श्यामा को रिझावें बनि योगिनि श्याम।
श्यामा को रिझावें बनि नायिनि श्याम।
श्यामा को रिझावें मनिहार बनि श्याम।
श्याम को रिझावें लिलिहार बनि श्याम।
श्यामा को रिझावें मोर बनि नाचें श्याम।
श्यामा जू को लाड़ लड़ावें पिय श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा गोरी गौरी ते श्यामा कहें बाम।
श्यामा बिनु जल बिनु मीन जनु श्याम।
श्यामा बिनु नैन बिनु देह जनु श्याम।
श्यामा बिनु नीर बिनु कूप जनु श्याम।
श्यामा बिनु वेद बिनु विप्र जनु श्याम।
श्यामा बिनु दीप बिनु मन्दिर श्याम।
श्यामा बिनु चन्द्र बिनु रैन जनु श्याम।
श्यामा बिनु मेघ बिनु भूमि जनु श्याम।
श्यामा बिनु गंध बिनु फूल जनु श्याम।
श्यामा बिनु क्षीर बिनु धेनु जनु श्याम।
श्यामा प्रेम वारि-निधि वारिद श्याम।
श्यामा हैं सुगंधि मृगमद घनश्याम।
श्यामा बिनु श्याम का है दाम छदाम।
श्यामा को ही जन जानि मानें सब श्याम।
श्यामा बिनु वर्जित अर्चन श्याम।
गाओ पूर्व श्यामा नाम पाछे घनश्याम।
श्यामा महरानी ग्वारिया घनश्याम।
श्यामा जू सिखावें राजरीति घनश्याम।
श्यामा जू को गोरो तनु लखि लाजें श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा बसें ब्रज नित्य भाजे फिरें श्याम।
श्यामा गर मणिमाल गुंजमाल श्याम।
कनक मुकुट श्यामा मोर पुच्छ श्याम।
सोरहों शृंगार श्यामा नटवेष श्याम।
श्यामा खेलें चौपड़ गुल्ली डंडा श्याम।
श्यामा आयीं महलन कारागार श्याम।
श्यामा आईं दिन महँ आधी रात श्याम।
श्यामा तो हैं भोरी भारी नटखट श्याम।
श्यामा तो हैं गम्भीरा चंचल श्याम।
श्यामा हैं सलज अति निर्लज्ज श्याम।
श्यामा हैं दयामयी निष्ठुर श्याम।
श्यामा प्रेम बाँटें करें मारधाड़ श्याम।
श्यामा तो कृपा करें न्याय करें श्याम।
श्यामा का स्वभाव माँ का पिता भाव श्याम।
श्यामा उर सरल कठोर उर श्याम।
श्यामा देना देना जानें लेना देना श्याम।
श्यामा क्षमा दान देयँ दण्ड देयँ श्याम।
श्यामा भायें पतितन भगतन श्याम।
श्यामा मानें बुरा जनि बुरा कहो श्याम।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

श्यामा जू को प्राण जान देह जान श्याम।
श्यामा गावें वीणा में नित श्याम श्याम।
श्यामा हैं 'कृपालु' कृपा माँगें घनश्याम॥

53

(हमारी राधेरानी रस की खानी)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
तुम भी नाहिं भूलो मोहिं गोविन्द राधे,
मैं भी तोहिं भूलूँ नहिं गोविन्द राधे।
अपनी ओर लखु गोविन्द राधे,
मेरी ओर लखो जनि गोविन्द राधे।
तू ही मेरा तू ही मेरा गोविन्द राधे,
मैं भी तेरा मैं भी तेरा गोविन्द राधे।
तू ही तो अगति गति गोविन्द राधे,
मेरी भी तो तू ही गति गोविन्द राधे।
तू ही तो है सतघन गोविन्द राधे,
तू ही तो है चितघन गोविन्द राधे।
तू ही तो है सुखघन गोविन्द राधे,

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तू ही मेरा मैं भी तेरा गोविन्द राधे,
काहे को भुलायो मोहिं गोविन्द राधे।
मो सो न पतित कोउ गोविन्द राधे,
तू पतितपावन गोविन्द राधे।
तू ही तो है स्वामी मेरा गोविन्द राधे,
तू ही तो है सखा मेरा गोविन्द राधे।
तू ही तो है सुत मेरा गोविन्द राधे,
तू ही तो है पिय मेरा गोविन्द राधे।
तू ही मेरा पालक गोविन्द राधे,
मैं तो तेरा बालक गोविन्द राधे।
तू ही तो है हितू मेरा गोविन्द राधे।
तू ही मेरा माता पिता गोविन्द राधे,
तोहिं सों है मेरा नाता गोविन्द राधे।
त्वमेव शरणं मम गोविन्द राधे,
बिगरी बना दे मेरी गोविन्द राधे।
छोड़ूँ नहिं पाछा तोरा गोविन्द राधे,
जैसा भी हूँ तेरा ही हूँ गोविन्द राधे।
माया ने भुलाया तेरी गोविन्द राधे,
तूने क्यों भुलाया मोहिं गोविन्द राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

पिछला बिगारा मैंने गोविन्द राधे,
अगला बना दे तू गोविन्द राधे।
तुझसा खरा ना कहुँ गोविन्द राधे,
मुझसा ना खोटा कहुँ गोविन्द राधे।
तू ही मेरी गति मति गोविन्द राधे,
तू ही तो 'कृपालु' इक गोविन्द राधे॥

54

(हमारी राधेरानी रस की खानी)

राधे राधे गोविन्द गोविन्द राधे।
मेरे दोउ ठाकुर गोविन्द राधे।
ब्रजरस की इक बूँद पिला दे।
भुक्ति मुक्ति ना दे प्रेम सुधा दे।
गल बहियाँ दे झलक दिखा दे।
मोहिं वृन्दावन वास दिला दे।
मोहिं बरसानो वास दिला दे।
दरस परस की प्यास बढ़ा दे।
दोउ ठाकुर दोउ गोविन्द राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दोउ सेवक दोउ गोविन्द राधे।
दोउ 'कृपालु' अति गोविन्द राधे।

55

राधे राधे गोविन्दा राधे राधे गोविन्दा।
दोउ आनँदकंदा राधे राधे गोविन्दा।
दोउ हैं ब्रज चन्दा राधे राधे गोविन्दा।
वृन्दावन चंदा गोविन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
आनंदकंदा गोविन्दा, राधे राधे गोविन्दा
यशुमति नंदा गोविन्दा, राधे राधे गोविन्दा
वृन्दारक वंद्या गोविन्दा, राधे राधे गोविन्दा
गोपी वृन्दा नंदा गोविन्दा, राधे राधे गोविन्दा
दोउ चकोर चन्दा राधे राधे गोविन्दा।
दोउ ब्रजरस कंदा राधे राधे गोविन्दा।
जीवन सखि वृंदा राधे राधे गोविंदा।
आनंदानंदा राधे राधे गोविंदा।
दोउ चिन्मय चंदा राधे राधे गोविन्दा।
सत चित आनंदा राधे राधे गोविन्दा।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

दोउ रह दोउ बंदा राधे राधे गोविन्दा।
भज मन निर्द्वन्दा राधे राधे गोविन्दा।
जग गोरख धंधा राधे राधे गोविन्दा।
डारु प्रेम फंदा राधे राधे गोविन्दा।
भजु पदारविन्दा राधे राधे गोविन्दा।
तजि दे पर निंदा राधे राधे गोविन्दा।
तजु मन छल छंदा राधे राधे गोविन्दा।
काहे भूला मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
गावहु मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
सुमिरहु मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
जागो जपो मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
भजु 'कृपालु' मंदा राधे राधे गोविंदा॥

56

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

(जोइ वृषभानुनंदिनी राधे...)

राधे राधे गोविन्दा भजो राधे राधे गोविन्दा।
दोउ सतघन चितघन सुखकन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
दोउ चकोर हैं दोउ हैं चन्दा, राधे राधे गोविन्दा।

भानुनंदिनी अरु नँदनंदा, राधे राधे गोविन्दा।
आनन्दहुँ को दें आनन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
विहरत दोउ वृन्दावन चन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
रास करत दोउ सँग सखि वृन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
आत्मा की आत्मा मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
नेति नेति कह जेहि श्रुति छंदा, राधे राधे गोविन्दा।
लजत लखत गति मत्त गयंदा, राधे राधे गोविन्दा।
भजु मन युगल चरण अरविन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
ब्रह्मलोक तक सुख दुख है भजु राधे राधे गोविन्दा।
पाँचहु मुक्ति कामना तजु भजु राधे राधे गोविन्दा।
प्रियतम ही के सुख हित नित भजु राधे राधे गोविन्दा।
भजु भजु बेर न करु मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
नर तनु बीत्यो जाय मूढ़ भजु राधे राधे गोविन्दा।
चार दिना की चाँदनी भजु राधे राधे गोविन्दा।
भजिहौं भजिहौं जनि करु द्रुत भजु राधे राधे गोविन्दा।
जाने कब कट जाय टिकट भजु राधे राधे गोविन्दा।
जग गोरख धन्धा लखि तजु भजु राधे राधे गोविन्दा।
तन धन यौवन का मद तजु भजु राधे राधे गोविन्दा।
जो बीती बीती अब तो भजु राधे राधे गोविन्दा।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

तजु छल छन्दा भजु मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
भोला शिशु बनि भजु मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
जपु नित श्वास श्वास मति मन्दा राधे राधे गोविन्दा।
तव निर्धन को धन मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
तव निर्बल को बल मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
तव उर पुर महँ बस मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
तेरी गति मति रति मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
मिटहि द्वन्द्व दुख भज पद द्वन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
युगल चरण को बनहु मिलिंदा, राधे राधे गोविन्दा।
पिवु दोउ चरण कमल मकरंदा, राधे राधे गोविन्दा।
गाउ नाम गुन नित मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
ध्यावहु युगल रूप मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
तव थे हैं रहिहैं मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
गावत नाम कटत भव फंदा, राधे राधे गोविन्दा।
जाकी शरण मिटत दुख द्वन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
भक्तन भक्ति करत मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
हरि गुरु मानु एक मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।
दोउ 'कृपालु' हैं अति, मति मन्दा, राधे राधे गोविन्दा।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

57

(प्राण प्रियतम)

नंदनंदन नंदनंदन नंदनंदन पाहिमाम्।
भानुनंदिनी भानुनंदिनी भानुनंदिनी पाहिमाम्।
नंदनंदन भानुनंदिनी गोपिकाजन रक्षमाम्।

58

(जिया नहिं जाय अब...)

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे,
भूलो जनि दोउन पल छिन आधे।
तव सोइ साँचो पिय मन को बता दे,
जग सुख भ्रम लखि मन को हटा दे।
हरि गुरु चरनन मन को लगा दे,
हरि गुरु रूपध्यान मन ते करा दे।
तन का भरोसा नहिं मन को बता दे,
जाने कब यम निज दूत पठा दे।
सत्व रज तम गुण सुख बिसरा दे,
पाँचों मुक्ति कामना को मन ते भुला दे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

निज सुख कामना को मन ते भुला दे,
हरि कामना को निज कामना बना दे।
तेरे सब कछु हरि मन को बता दे,
निज उर हरि विरहाग लगा दे।
जित जाये मन तित हरि को बिठा दे,
दोनों हैं 'कृपालु' पिय प्यारी समुझा दे।

59

(जिया नहिं जाय अब...)

राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे।
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे॥
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे।
गलबाहीं दै के टुक झलक दिखा दे॥
COPYRIGHT
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे।
RADHA GOVIND SAMITI
तू है दीनबंधु मोहिं दीन बना दे॥
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे।
भुक्ति मुक्ति ना दे मोहिं प्रेम सुधा दे॥

राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे।
निज जन सेवा दे या निज सेवा दे॥
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे।
तेरी रुचि महँ रुचि मेरी बना दे॥
राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे कृष्ण राधे।
कभु कछु माँगूँ न 'कृपालु' बना दे॥

60

(गोविन्द जय जय...)

जय जय कुंज विहारिणि राधे,
जय जय करुणा कारिणि राधे।
जय जय नथ बेसर वारी राधे,
जय वृषभानुदुलारी राधे।
जय जय रस बेचन वारी राधे,
श्री बरसाने वारी राधे।
भजु मन निशिदिन छिन छिन राधे,
हरिहूँ रह आधे बिनु राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जो कोउ कहत बार इक राधे,
हरि कह आय कहहु पुनि राधे।

राधे राधे गोविंद गोविंद राधे,
मेरो जीवन धन गोविंद राधे।

जय श्री राधे जय नँदनंदन,
जय गोपीजन जय वृन्दावन।
जय सतघन चितघन जय सुखघन,
जय नँदनंदन जय राधा धन।
भज जीवन धन राधा रमन मन,
गोपन गोपिन गोधन को धन।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

जय जय भानुदुलारी प्यारी,
जय जय नँदनंदन बनवारी।

61

श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा श्याम श्यामा।
एक है नंदनंद दूजी भानुनंदिनि श्यामा।
एक नीलो श्यामसुन्दर एक गोरी श्यामा।
एक चपलता ते चपल एक भोरी भारी श्यामा।
एक निठुरता ते निठुर एक सरल हृदया श्यामा।
एक भिखारी प्रेम का है एक है दाता श्यामा।
एक जग का ईश एक है ईश ईश्वरी श्यामा।
एक जग की आत्मा एक वाऊ आत्मा श्यामा।
एक करत नित चाकरी एक श्याम स्वामिनि श्यामा।
एक है सेवक 'कृपालु' एक स्वामिनि श्यामा॥

62

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

साधना करु साधना करु साधना करु प्यारे।
साधना ते ही मिले तोहिं, साध्य हरि रति प्यारे।
प्रथम श्रद्धा युक्त हो जा, शरण गुरु पद प्यारे।
गुरु की बुधि में जोड़ निज बुधि, है शरण यह प्यारे।

ग्रन्थ पढ़ु जनि बहुत सुनु जनि, संत मत बहु प्यारे।
ब्रह्म माया जीव का करु, ज्ञान गुरु सों प्यारे।
सेव्य सों सम्बन्ध अपनो, जानु गुरु सों प्यारे।
हरि में गुरु में भेद जनि, लवलेश मानहु प्यारे।
साधना में है प्रमुख मन, इन्द्रियाँ नहिं प्यारे।
मोक्ष अरु बंधन का कारण, एक मन ही प्यारे।
प्रथम करु हरि ध्यान मन ते, जैसी रुचि हो प्यारे।
ध्यान ही है साधना का, प्राण जीवन प्यारे।
ध्यान बिनु सब साधना है, प्राण बिनु तनु प्यारे।
मन को जो भाये बना लो, रूप वैसा प्यारे।
मनहिं ते श्रृंगार करु सब, जैसा भाए प्यारे।
सामने हरि को बिठा कर, साधना करु प्यारे।
नाम गुण लीलादि कीर्तन, साथ में करु प्यारे।
परम व्याकुलता बढ़ाओ, हरि दरस की प्यारे।
रो के उनते प्रेम माँगो, दरस माँगो प्यारे।
ह्वै के अति व्याकुल करहु नित, करुण क्रन्दन प्यारे।
दरस हित लग एक पलहूँ, कलप सम तोहिं प्यारे।
जितनो तू कर प्यार तितनो, प्यार कर तोहिं प्यारे।
प्यार ही सों प्यार कर पिय, प्यार चाकर प्यारे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

जगत ते मन को हटा कर, लगा हरि में प्यारे।
इसी का अभ्यास पुनि पुनि, करु निरन्तर प्यारे।
श्वास जब खींचो तो 'रा' कहु, मनहिं मन महँ प्यारे।
श्वास छोड़ो तो कहहु 'धे', ध्यान भी करु प्यारे।
जग में कतहूँ राग जनि करु, द्वेष जनि करु प्यारे।
मन को मानो शत्रु उसकी, सुनहु जनि कछु प्यारे।
मन जहाँ भी जाय हरि को, खड़ो करु तहँ प्यारे।
गौर रस अरु श्याम रस दोउ, एक करि पिउ प्यारे।
रस की शीशी में युगल रस, भर के पी नित प्यारे।
ना भरे ना खाली हो अस, रस की प्याली प्यारे।
चर अचर में लखहु अपनो, इष्ट कहँ नित प्यारे।
सर्वदा सर्वत्र हरि को, साथ मानहु प्यारे।
आपु को इकलो कबहुँ जनि, मानु मन महँ प्यारे।
सोचु मन यह कर्म मम सब, लखत हरि गुरु प्यारे।
माँगु जनि उन भुक्ति मुक्तिन, भूलिहूँ तुम प्यारे।
उनकी सेवा ही चहहु नित, अष्टयामी प्यारे।
उनका सुख ही चहहु निशि दिन, सुख न निज चहु प्यारे।
उनकी इच्छा में ही अपनी, राखु इच्छा प्यारे।
तन ते मन ते धन ते गुरु की, करहु सेवा प्यारे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

तृण ते बढ़कर दीनता उर, राखु नित ही प्यारे।
वृक्ष ते बढ़कर दीनता उर, राखु नित ही प्यारे।
सब को दो सम्मान आपुन, मान जनि चहु प्यारे।
भूलिहूँ दुर्भावना कहुँ, हो न सपनेहुँ प्यारे।
लखहु जनि परदोष कबहूँ, दोष निज लखु प्यारे।
सदा सोचहु जाने कब छिन, जाय तनु यह प्यारे।
हरि में गुरु में ही रहे नित, रक्त तव मन प्यारे।
हरि दरस दे या न दे तुम, रोते जाओ प्यारे।
एक दिन अइहैं इहै, विश्वास राखहु प्यारे।
कृपा की नित बाट जोहो, कृपा होगी प्यारे।
कबहुँ तो लैहैं कृपा करि, सुधि 'कृपालुहुँ' प्यारे।

63

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

सुनहु साधक, सुनहु साधक, सुनहु साधक प्यारे।
तुम चहत आनंद शाश्वत दिव्य चिन्मय प्यारे।
ब्रह्म या आनंद दोनों एक ही हैं प्यारे।
ब्रह्म या आनंद के ही अंश हैं सब प्यारे।
चहत नित आनंद याते जीव सब ही प्यारे।

अंश निज अंशी का सेवक जगहुँ महँ रह प्यारे।
ब्रह्म या परतत्व अंशी श्याम ही हैं प्यारे।
जग चराचर जीव याते श्याम सेवक प्यारे।
धर्म सेवक है इहै बस श्याम सेवा प्यारे।
सदा ते ही हरि विमुख हैं जीव अगनित प्यारे।
हरि विमुख जीवों को माया ने भुलाया प्यारे।
गुणमयी हरि शक्ति माया बलवती अति प्यारे।
जीव भूल्यो रूप आपुहिं देह मान्यो प्यारे।
देह नातेदार ते किये प्यार निशिदिन प्यारे।
बस इसी कारण किये नित पाप अगनित प्यारे।
मर्त्य सुख अरु स्वर्ग सुख सब हैं विनश्वर प्यारे।
सकल दुख का मूल है इक हरि विमुखता प्यारे।
दुख सहे अध्यात्म भौतिक और दैविक प्यारे।
लक्ष चौरासी में भटक्यो जनम अगनित प्यारे।
हरिहिं सन्मुखता है याकी एक औषधि प्यारे।
प्रथम श्रद्धा युक्त गुरु की शरण जाइय प्यारे।
गुरु ते समुझिय श्याम सों संबंध अपनो प्यारे।
गुरुहिं ते समझिय मिलन की साधना भी प्यारे।
साधना है एक ही बस भक्ति हरि की प्यारे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

श्रवण कीर्तन स्मरण ही है प्रमुख साधन प्यारे।
स्मरण को ही साधना का प्राण मानो प्यारे।
स्मरण युत नित रोके माँगो प्रेम हरि का प्यारे।
उनके सुख को मानु निज सुख लक्ष्य यह रखु प्यारे।
हरि में गुरु में भक्ति में रह रति अनन्यहिं प्यारे।
हरि को गुरु को सदा ही राखु साथ अपने प्यारे।
क्षणहिं क्षण व्याकुल बनो नित हरि मिलन हित प्यारे।
भुक्ति मुक्तिन मानि डाकिनि मुँह लगा जनि प्यारे।
नाम अपराधहिं बचहु अति पतन कारक प्यारे।
हरि में जैसी भक्ति वैसी भक्ति गुरु महँ प्यारे।
पूर्ण हो जब शुद्ध अन्तःकरण तुम्हरो प्यारे।
हरि कृपा ते होय तब मन दिव्य चिन्मय प्यारे।
तब कृपा करि देंय गुरुवर दिव्य प्रेमहिं प्यारे।
तब मिलेगी श्याम सेवा लक्ष्य अन्तिम प्यारे।
बेर जनि करु देह नश्वर जाने कब छिन प्यारे।
दो 'कृपालुहिं' प्रेम भिक्षा प्रेम अम्बुधि प्यारे।

COPYRIGHT RADHA GOVIND SAMITI

64

माँ कृपा करु माँ कृपा करु माँ कृपा करु राधे।
ओर हमरिहिं लखहु जनि माँ ओर निज लखु राधे।
मानता हूँ मैं सदा का अति पतित हूँ राधे।
किन्तु या में कौन अचरज सोचु तुम माँ राधे।
तेरी माया ने भुलाया भूला हौं तोहिं राधे।
आत्मा को देह मान्यो भूल यह की राधे।
देह इन्द्रिन सुखन हित नित सतत रह रत राधे।
लक्ष चौरासी तनुहिं धरि लह्यो अति दुख राधे।
तेरी अनुकम्पा बिना नहिं जाय माया राधे।
माना मैं हूँ विमुख तोसों दोष यह मम राधे।
किन्तु तेरी कृपा बिनु को भयो सन्मुख राधे।
जो भी हूँ मैं हूँ तो तेरा कहूँ कासों राधे।
जग कुपूत तो हों न हों पै माँ कुमाता राधे।
उर में मैं रह उर में तू रह उर में माया राधे।
माया दासी मारे तव सुत तू लखे कत राधे।
ऐसा तो जगहूँ न कतहूँ सुनि परत माँ राधे।
बेर भइ अब तो लखहु माँ ढिग 'कृपालुहुँ' राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

कोउ कोउ कह श्याम को भजु कोउ कह भजु राधे।
राधे बिनु हैं श्याम आधे श्याम बिनु राधे आधे।
एक रस द्वै रूप धार्यो श्याम कहु या राधे।
श्याम हैं आनन्द मूरति प्रेम मूरति राधे।

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI

COPYRIGHT
RADHA GOVIND SAMITI